THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 359 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.7 2079 मंगलवार, 14 मार्च 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विधायकों की खरीद-फरोख्त मामला

सीबीआई जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि सीबीआई को उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ तेलंगाना पुलिस द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई करते हुए भाजपा द्वारा कथित रूप से बीआरएस विधायकों की खरीद-फरोख्त के प्रयास के पीछे कथित आपराधिक साजिश की जांच रोक देनी चाहिए। जस्टिस संजीव खन्ना और एम.एम. सुंदरेश ने जुलाई में आगे की सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध करते हुए मौखिक रूप से कहा कि सीबीआई को मामले में आगे नहीं बढ़ना चाहिए। तेलंगाना पुलिस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने सीबीआई को जांच स्थानांतरित करने का जोरदार विरोध किया। शीर्ष अदालत को सूचित किया गया कि मामले की सामग्री अभी तक केंद्रीय एजेंसी को नहीं सौंपी गई है।

पीठ ने कहा कि वह यह स्पष्ट कर रही है कि जब तक मामला न्यायालय में है तब तक सीबीआई जांच जारी नहीं रखनी चाहिए। इससे पहले, दवे ने तर्क दिया था कि मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने के परिणाम, जो कथित रूप से केंद्र के नियंत्रण में थे, गंभीर होंगे। तेलंगाना उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने 6 फरवरी को एकल न्यायाधीश के 26 दिसंबर, 2022 के मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने के पहले के आदेश को बरकरार रखा। तेलंगाना पुलिस ने इस आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। दलील में तर्क दिया गया कि उच्च न्यायालय ने इस बात की सराहना नहीं की कि सीबीआई सीधे केंद्र के अधीन काम करती है और प्रधान मंत्री और गृह मंत्रालय के कार्यालय के नियंत्रण में है। राज्य सरकार ने आरोप लगाया कि उसके चार विधायकों की खरीद-फरोख्त में भाजपा के कुछ शीर्ष नेताओं की संलिप्तता सरकार को गिराने की कोशिश थी। दलील में कहा गया है: "भारतीय जनता पार्टी केंद्र सरकार में सत्ता में है और प्राथमिकी में आरोप स्पष्ट रूप से और सीधे उक्त पार्टी के खिलाफ अवैध और आपराधिक कदम उठा रहे हैं और तेलंगाना सरकार, माननीय उच्च न्यायालय को अस्थिर करने के तरीके अपना रहे हैं।" इसलिए किसी भी मामले में जांच सीबीआई को नहीं सौंप सकते थे। याचिका में आगे कहा गया है, उच्च न्यायालय ने अनावश्यक रूप से यह निष्कर्ष निकाला है मुख्यमंत्री द्वारा सीडी जारी करना जांच में हस्तक्षेप करना है और इसलिए यह निष्कर्ष निकाला है कि जांच निष्पक्ष नहीं थी और निष्पक्ष जांच के लिए अभियुक्तों के अधिकारों का उल्लंघन करती है। आरोपी के रूप में नामित तीन व्यक्तियों रामचंद्र भारती उर्फ सतीश शर्मा, नंदू कुमार और सिंहयाजी स्वामी को पहले ही जमानत मिल चुकी है। >14

भारत को पहली बार दो ऑस्कर अवॉर्ड

लॉस एंजलिस, 13 मार्च (एजेंसियां)। 95वीं ऑस्कर सेरेमनी में पहली बार भारत को पहली बार दो अवॉर्ड मिले हैं। फिल्म आरआरआर के गाने नाटू-नाटू ने बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का अवॉर्ड जीता। वहीं, द एलिफेंट व्हिस्परर्स बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म बनी। हालांकि, डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म ऑल दैट ब्रीथ्स रेस से बाहर हो गई है। ऑस्कर अवॉर्ड में इन तीन कैटेगरी में भारत को नॉमिनेशन मिला था।

नाटू-नाटू को इससे पहले गोल्डन ग्लोब्स अवॉर्ड में बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का खिताब मिला था। ऑस्कर सेरेमनी में आरआरआर के नाटू-नाटू गाना लिखने वाले चंद्रबोस और कंपोजर एमएम कीरवानी ने ट्रॉफी ली। इस दौरान फिल्म के डायरेक्टर राजामौली पीछे बैठे रहे। आरआरआर का तेलुगु मीनिंग रौद्रम रानम रुधिरम और हिंदी में राइज रोर रिवोल्ट है। बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री चुनी गई द एलिफेंट व्हिस्परर्स की डायरेक्टर कार्तिकी गोंजाल्विस और प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने अवॉर्ड लिया। इस दौरान सेरेमनी में मौजूद दीपिका पादुकोण भावुक हो गईं। वे सेरेमनी के प्रेजेंटर के तौर पर पहुंची थीं। ऑस्कर सेरेमनी की शुरूआत भारतीय समय के मुताबिक सोमवार सुबह साढ़े 5 बजे अमेरिका के लॉस एंजेलस में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर आरआरआर और द एलिफेंट व्हिस्परर्स के मेकर्स को बधाई दी है। उन्होंने कहा, असाधारण! नाटु नाटु की लोकप्रियता वैश्विक है। यह एक ऐसा गाना है, जिसे आने वाले सालों तक याद रखा जाएगा। इस सम्मान के लिए एमएम कीरवानी और चंद्रबोस समेत पूरी टीम को बधाई। भारत प्रफुल्लित और गौरवान्वित है।

एडवोकेट प्रोटेक्शन कानून : अब महिला अधिवक्ता आई आगे, शुरू किया अनशन

कोटा, 13 मार्च (एजेंसियां)। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट कानून बनाने की मांग को लेकर जारी अधिवक्ताओं के विरोध प्रदर्शन में अब महिला अधिवक्ता आगे आ गई है। कोटा में महिला अधिवक्ताओं ने आज से अदालत के बाहर क्रमिक अनशन शुरू कर दिया है।

अनशन पर बैठी महिला अधिवक्ताओं का माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिसके बाद अनशन शुरू हो गया। महिला अधिवक्ताओं का कहना है कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट हमारा अधिकार है। जिसका हम हासिल करके ही रहेंगे। अधिवक्ताओं के साथ कहीं भी मारपीट हो जाती है लेकिन हमारी सुरक्षा करने वाला कोई नहीं है। ऐसे में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट कानून सरकार को लागू करना चाहिए ताकि अधिवक्ताओं की सुरक्षा हो सके। वहीं अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार पर रहने से पक्षकारों को काम भी ठप्प हो गए है। अदालतों में पैरवी नहीं होने से काम काज पर भी प्रभाव पड रहा है।

'द एलिफेंट व्हिस्पर्स' को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर ली चुटकी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्कर जीतने वाली 'द एलिफेंट व्हिस्पर्स' को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर चुटकी ली है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा केंद्र को वाइल्ड लाइफ एक्ट में संशोधन नहीं करने के लिए मजबूर कर सकती है द एलिफेंट व्हिस्पर्स। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को मोदी सरकार पर चुटकी लेते हुए ट्वीट कर कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि द एलिफेंट व्हिस्पर्स ने ऑस्कर जीता। शायद यह मोदी सरकार को वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम, 1972 में व्यापक रूप से विरोध किए गए हाथी-अमित्र संशोधनों के साथ आगे नहीं बढ़ने के लिए मजबूर करेगा।

2010 में हाथी को राष्ट्रीय विरासत पशु घोषित किया गया था। कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी इसको लेकर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने वृत्तचित्र द एलिफेंट व्हिस्पर्स और फिल्म आरआरआर के मशहूर गीत नाटू नाटू के ऑस्कर जीतने पर सोमवार को बधाई देते हुए कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गौरवशाली क्षण है। वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम, 1972 भारत में पारिस्थितिक और पर्यावरणीय सुरक्षा को बनाए रखने के उद्देश्य से वन्य जीवन, पौधों और पक्षियों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा एक कानूनी ढांचे के रूप में अधिनियमित किया गया था। इसमें जानवरों की सुरक्षा के लिए शिकार पर प्रतिबंध का उल्लेख भी है।

राम चंद्र पौडेल ने नेपाल के नए राष्ट्रपति पद की शपथ ली

काठमांडू, 13 मार्च (एजेंसियां)। राम चंद्र पौडेल नेपाल के नए राष्ट्रपति बने हैं। सोमवार (13 मार्च, 2023) को उन्होंने प्रेजीडेंशियल पैलेस पर एक समारोह के बीच राष्ट्रपति पद की शपथ ली। राम चंद्र पौडेल गुरुवार को नेपाल के नए राष्ट्रपति चुने गए थे। उन्हें चुनाव में 33,802 वोट हासिल हुए थे, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सुभाष चंद्र नेम्बवांग को 15,518 वोट मिले थे।

8 दलों का मिला समर्थन :

नेपाल के चुनाव आयोग के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव में संघीय संसद के 313 और प्रांत विधानसभाओं के 518 सदस्यों ने हिस्सा लिया था। काठमांडू के न्यू बनेश्वर में नेपाल के संसद भवन में चुनाव हुआ था। पौडेल को आठ दलों का समर्थन प्राप्त था, जबकि सीपीएन-यूएमएल के एकमात्र उम्मीदवार सुभाष चंद्र नेमबांग को निर्दलीय सांसदों का समर्थन था। पौडेल ने गुरुवार को कहा कि उनके पास शासन और राज्य तंत्र के कामकाज का अनुभव है।

उन्होंने बताया कि वह विभिन्न सरकारी भूमिकाएं निभा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं पूर्व राष्ट्रपतियों के साथ भी बैठकों में रहा हूं और वहां की कार्यप्रणाली को भी जानता हूं। मैं भूमिका और कर्तव्यों के लिए नया नहीं हूं। सदन के पूर्व अध्यक्ष होने के अलावा, पौडेल ने एक दशक से अधिक समय जेल में बिताया है। वह अब तक छह बार विधायक और पांच बार मंत्री बन चुके हैं। वहीं, नेपाल के शीर्ष निर्वाचन निकाय ने रविवार को बताया कि 17 मार्च को होने वाले उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए तीन महिलाओं सहित सभी चार उम्मीदवारों का नामांकन बरकरार रखा गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (सीपीएन-यूएमएल) ने आस्था लक्ष्मी शाक्य, जनमत पार्टी ने ममता झा और जनता समाजवादी पार्टी ने प्रमिला यादव एवं राम सहाय यादव को इस चुनाव में उम्मीदवार बनाया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला : रक्षा मंत्रालय कानून हाथ में नहीं ले सकता

वन रैंक वन पेंशन पर अधिसूचना हमारे आदेशों के खिलाफ, वापस लें तभी सुनवाई

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 25 लाख पूर्व सैनिकों की बकाया पेंशन का भुगतान चार किश्तों में करने के रक्षा मंत्रालय के नोटिफिकेशन पर तल्ख टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रक्षा मंत्रालय कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता। रक्षा सचिव 20 जनवरी को जारी किया नोटिफिकेशन तत्काल वापस लें।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 9 जनवरी को वन रैंक वन पेंशन का कुल बकाया चुकाने के लिए केंद्र को 15 मार्च तक का समय दिया था। लेकिन 20 जनवरी को मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी की कि बकाया भुगतान चार किश्तों में किया जाएगा। इसके बाद भारतीय पूर्व सैनिक आंदोलन (आईईएसएम) ने एक याचिका लगाई जिसमें रक्षा मंत्रालय के नोटिफिकेशन को रद्द करने की मांग की गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक जुलाई 2014 के बाद सेवानिवृत्त हुए सैनिकों को मिलाकर लाभार्थियों की संख्या 25 लाख पार हो चुकी है। इससे सरकार पर 8,450 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा। संशोधन के बाद पेंशन योजना को जुलाई 2019 से जून 2022 तक का एरियर या बकाया भी दिया जाएगा। यानी कुल 23,638.07 करोड़ रुपये दिया जाएगा।

अगर सरकार 15 मार्च तक भुगतान नहीं कर पाती है तो बकाया राशि पर 9 प्रतिशत की दर से ब्याज लगाया जाएगा। इसलिए केंद्र ने कोर्ट से इस समय सीमा को बढ़ाने के लिए आवेदन दिया था। इधर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसने पूर्व सैनिकों को ओआरओपी बकाया की एक किश्त का भुगतान कर दिया है, लेकिन बकाया भुगतान को पूरा करने के लिए कुछ और समय चाहिए। इस पर सीजेआई ने दोबारा कहा, पहले ओआरओपी बकाया के भुगतान पर अपना 20 जनवरी का पत्र वापस लें, फिर हम आपके आवेदन पर और समय के लिए विचार करेंगे।

कोर्ट में क्या दलील दी गई :

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सरकार की ओर से दलील रख रहे एजी आर वेंकटरमणी से पूछा- आप इसका भुगतान कब करेंगे? आखिर यह पेंशन है। जब से केस शुरू हुआ है तब से लेकर अब तक 4 लाख पेंशनरों की मौत हो चुकी है। >14

सीपीएम के लिए भारत से ज्यादा चीन प्रिय, जिनपिंग को विजयन ने दी थी बधाई

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बधाई देने और चीन की तारीफ करने पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। विजयन पर सोमवार को केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि सीपीएम के लिए भारत से ज्यादा अधिक प्रिय चीन है। इसके पहले भी कम्युनिस्ट नेताओं का बयान आ चुका है। वह कहते हैं कि भारत चीन को घेरने की कोशिश कर रहा है। केरल के मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें (पिनाराई विजयन) चीन को शुभकामना देने की बजाय भारत के लोगों के बारे में अधिक चिंतित करनी चाहिए। पिछले दिनों चीन में शी जिनपिंग लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति बनाए गए। इसके बाद केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने उन्हें ट्विट करके बधाई दी थी। पिनाराई ने लिखा, चीनी जनवादी गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग को रिवोल्यूशनरी बधाई।

लंदन में राहुल के दिए बयान पर संसद में हंगामा

हम विक्रम बेताल की तरह पीछा नहीं छोड़ेंगे : खड़गे

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार को शुरू होते ही हंगामे की भेंट चढ़ गया। संसद के दोनों सदनों में राहुल गांधी के लंदन में दिए गए बयान को लेकर भाजपा ने माफी की मांग की। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, सरकार अडानी मुद्दे पर जांच से भाग रही। हमारी बात नहीं सुनी जाती। हम विक्रम बेताल की तरह पीछा नहीं छोड़ेंगे।

विपक्ष के नेता अडानी मुद्दे पर बेल में आ गए और जेपीसी की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। हंगामे को देखते हुए दोनों सदनों को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। बता दें कि इस महीने की शुरूआत में राहुल गांधी लंदन दौरे पर थे। यहां उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में कहा था कि संसद में माइक बंद कर दिए जाते हैं। विपक्ष अपनी आवाज नहीं रख सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का कोई नेता किसी भी यूनिवर्सिटी में बोल नहीं सकता है। भारत में लोकतंत्र पर सीधा प्रहार हो रहा है।

लोकसभा-राज्यसभा दोनों जगह राहुल से माफी की मांग :

लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में राहुल गांधी से माफी की मांग की गई। लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने लंदन में भारत का अपमान किया है। मैं मांग करता हूं कि उनके बयानों की इस सदन के सभी सदस्यों को निंदा करनी चाहिए। उन्हें सदन के सामने माफी मांगने के लिए कहा जाए।

वहीं राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल ने देश की गरिमा को गिराया है। वह सदन में आकर माफी मांगे। सरकार के एक और मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर देशद्रोह का केस चलाने तक की मांग कर दी।

इधर, सत्ता पक्ष के बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पलटवार किया है। खड़गे ने कहा, भाजपा के नेता खुद लोकतंत्र को कुचल रहे हैं और हर एजेंसी का गलत उपयोग कर रहे हैं। वे देश को एक तानाशाही की तरह चला रहे हैं और फिर ये लोग लोकतंत्र और देशभक्ति की बात करते हैं। हम अडानी शेयरों के मुद्दे पर जेपीसी के गठन की मांग कर रहे हैं। जब हम इस मुद्दे को उठाते हैं तो माइक बंद कर दिया जाता है और सदन में हंगामा शुरू हो जाता है। इसके लिए आज भी हम जेपीसी की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी के बयान को सत्ता पक्ष के लोग अपने हिसाब से तोड़ मरोड़कर पेश कर रहे हैं।

खड़गे ने सदन के अंदर उन्हें न बोलने देने का आरोप लगाते हुए कहा, अडानी के मुद्दे पर हम जेपीसी बिठाने की मांग कर रहे हैं। मुझे 2 मिनट भी नहीं बोलने दिया गया। पीयूष गोयल को बोलने के लिए 10 मिनट दिया गया। हमारा माइक भी बंद कर दिया गया और हंगामा किया गया।

हम विक्रम बेताल की तरह इसके पीछे पड़े रहेंगे। बजट सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों की बैठक बुलाई। सोनिया गांधी भी इस बैठक में नजर आईं, वहीं बैठक में 16 दल शामिल हुए। बैठक खत्म होने के बाद विपक्षी नेताओं ने संसद में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

मुलायम ही नहीं रहे तो केस में क्या बचा

सीजेआई बोले तो हुआ अखिलेश और प्रतीक का जिक्र, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छह साल बाद क्यों आए

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुलायम सिंह यादव के खिलाफ जांच बंद करने की सीबीआई की रिपोर्ट की कॉपी की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने पूछा कि छह साल बाद याचिका दायर करने का क्या मतलब है। अदालत का कहना था कि मुलायम सिंह यादव ही नहीं रहे तो फिर केस में क्या बचा। याचिकाकर्ता ने अखिलेश और प्रतीक का जिक्र किया। कोर्ट ने उलटा सवाल दागा कि सीबीआई ने मामला बंद करने का फैसला 2013 में किया। आपने 2019 में याचिका दायर की। छह साल तक क्या करते रहे थे।

सीबीआई ने 2019 में शीर्ष अदालत को बताया था कि मुलायम और उनके दो बेटों- अखिलेश और प्रतीक के खिलाफ संज्ञेय अपराध होने का प्रथम दृष्टया कोई सबूत नहीं मिला था, इसलिए प्रारंभिक जांच (पीई) को एफआईआर में नहीं बदला गया था। सात अगस्त 2013 के बाद मामले में कोई जांच नहीं हुई थी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि एक मार्च 2007 और 13 दिसंबर 2012 के फैसले के बाद से सीबीआई ने सात अगस्त, 2013 को अपनी प्रारंभिक जांच बंद कर दी और आठ अक्टूबर 2013 को अपनी रिपोर्ट सीवीसी को सौंपी। यह याचिका छह साल बाद 2019 में दाखिल की गई है। आवेदन में कोई दम नहीं है और इसलिए इसे खारिज किया जाता है। शीर्ष अदालत ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का निधन हो चुका है। बेंच ने याचिकाकर्ता विश्वनाथ चतुर्वेदी से पूछा कि मामले में क्या बचा है। >14

बुरे फंसे पूर्व पीएम इमरान खान

महिला जज को धमकाने के मामले में वारंट जारी, हेलिकॉप्टर लेकर खान के घर पहुंची पुलिस

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ इस्लामाबाद की एक अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिए। यह मामला एक महिला जज को धमकी देने से जुड़ा है। इसके पहले खान के खिलाफ 3 मामलों में गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके हैं। इनमें से एक में उन्हें फिलहाल जेल जाने से राहत मिल चुकी है।

सोमवार को अदालत ने पुलिस को दिए ऑर्डर में कहा, इमरान को गिरफ्तार करने के बाद 29 मार्च को हमारे सामने पेश करें। पिछले साल 20 अगस्त को इमरान ने अपने खिलाफ आदेश देने वाली जेबा चौधरी को कोर्ट परिसर में धमकी दी थी।

हेलिकॉप्टर से लेकर जाएगी पुलिस :

लाहौर पुलिस की एक टीम और रेंजर कमांडो का एक दस्ता इमरान खान के लाहौर स्थित 'जमान पार्क' वाले घर पहुंच चुका है। माना जा रहा है कि अब किसी भी वक्त पुलिस और रेंजर की टीम खान के समर्थकों को वहां से खदेड़कर गिरफ्तार करेगी। इसके बाद उन्हें हेलिकॉप्टर से इस्लामाबाद लाया जा सकता है।

जज ने क्या कहा :

सोमवार को सुनवाई के दौरान डिस्ट्रिक्ट जज राणा मुजाहिद रहीम ने ऑर्डर में कहा, मुल्क की ज्यूडिशियरी की इज्जत करना बेहद जरूरी है। कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो या वो किसी भी ओहदे पर हो, अगर वो खुलेआम जजों को धमकी देगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई जरूर होनी चाहिए।

इमरान पर पिछले हफ्ते तोशाखाना (सरकारी खजाने) के गिफ्ट मामूली कीमत पर खरीदने और फिर उन्हें करोड़ों रुपये में बेचने के मामले में भी गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया गया। इस मामले में उन्हें सोमवार यानी आज तक की राहत मिल गई थी। इस पर भी फैसला आ सकता है।

अब बहाने नहीं चलेंगे :

सुनवाई के दौरान इमरान के वकील ने दलील में कहा, खान की उम्र 71 साल है। उनके पैर में प्लास्टर है। इसके अलावा अगर वो अदालत में पेश होते हैं तो उनकी सिक्योरिटी को भी खतरा है। इस पर जज राणा रहीम ने कहा, इस मुल्क में सिक्योरिटी की जिम्मेदारी पुलिस और दूसरे विभागों की है। आपको हर केस में राहत नहीं दी जा सकती। हम इमरान को गिरफ्तार करने का ऑर्डर जारी कर रहे हैं। पुलिस उन्हें 29 मार्च के पहले पेश करे।

अब तक 80 केस दर्ज :

खान पर अब तक कुल 80 केस दर्ज हो चुके हैं। खान पर तोशाखाना में जमा गिफ्ट्स को सस्ते में खरीदने और ज्यादा दामों में बेचने का आरोप है। इसे लेकर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने उन्हें 5 साल के लिए अयोग्य घोषित किया है।

सेम सेक्स मैरिज केस अब संविधान पीठ के पास

5 जजों की बेंच 18 अप्रैल को करेगी सुनवाई, लाइव स्ट्रीमिंग भी की जाएगी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली याचिकाओं पर अब 18 अप्रैल को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मामला 5 जजों की संवैधानिक बेंच को भेज दिया है। सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग भी की जाएगी। कोर्ट में याचिकाकर्ताओं के वकील एन.के. कौल ने कहा कि इस मामले के बारे में पूरा देश जानना चाहता है, इसलिए सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग होनी चाहिए। मामले की सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ताओं के वकील ने केंद्र के हलफनामे पर जवाब देने के लिए समय मांगा। याचिकाकर्ताओं के वकील एन के कौल ने कहा कि इस मामले पर केंद्र सरकार का स्टैंड वही है जो हाईकोर्ट के सामने था। क्या इस मामले पर अप्रैल में सुनवाई हो सकती है?

सीजेआई ने केंद्र सरकार से पूछा आपकी इस पर क्या राय है?

केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि देश के हर नागरिक के पास प्यार करने और उसे जाहिर करने का अधिकार है। कोई भी उस अधिकार में हस्तक्षेप नहीं कर रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें शादी करने की मंजूरी दे दी जाए। स्पेशल मैरिज एक्ट में भी पुरुष और महिला की शादी की बात का जिक्र है। अगर सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता दी जाती है तो स्पेशल मैरिज एक्ट बनाने की मंशा नष्ट हो जाएगी, जिसका असर पूरे समाज पर पड़ेगा। >14

आरएसएस की शाखा और संगठन में महिलाओं की एंट्री तय

> स्किलबेस्ड ट्रेनिंग देकर लोगों को जोड़ेंगे > मुसलमानों के बीच इमेज सुधारने की तैयारी

पानीपत, 13 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में पानीपत के समालखा गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिन की बैठक शुरू हो चुकी है। इस बैठक के दो अहम एजेंडे हैं, पहला RSS में जल्द से जल्द महिलाओं की एंट्री सुनिश्चित करना।

दूसरा, 'संघ ही समाज' के मिशन को पूरा करने के लिए प्लान बनाकर उसे अमल में लाना।

2025 में संघ 100 साल का हो रहा है, विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले या फिर 2025 के शुरूआती महीने में महिलाओं के लिए अलग संगठन या उनकी आरएसएस में एंट्री का ऐलान किया जा सकता है। हालांकि,राष्ट्रसेविका समिति के नाम से आरएसएस की महिला शाखा है, लेकिन अब संघ में महिलाओं की अलग शाखाएं लगाने का फैसला इसी बैठक में लिया जा सकता है।

मनमोहन वैद्य ने बैठक के पहले दिन दिए संकेत

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने 12 मार्च को महिलाओं की संगठन में एंट्री को लेकर संकेत भी दिए। उन्होंने कहा- 'इस बैठक में महिलाओं को शाखा से जोड़ने पर विचार किया जा रहा है।' सूत्रों के मुताबिक, महिलाओं की शाखाएं अलग होंगी या संगठन ही अलग होगा, इस पर विचार चल रहा है। मनमोहन वैद्य ने कहा कि आरएसएस में महिलाओं की एंट्री को लेकर पहले भी विमर्श चलता रहा है। 2024 में आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है, ऐसे में कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।

इस बैठक की शुरुआत 12 मार्च की सुबह से हुई, लेकिन 11 मार्च की शाम होते-होते वहां 500 से ज्यादा लोग पहुंच चुके थे।

बैठक के बड़े मुद्दे

जेंडर बायस्ड सोच वाली इमेज के लिए रिफॉर्म मॉडल तैयार होगा

आरएसएस पर लगातार महिलाओं के लिए रूढ़िवादी और पारंपरिक सोच रखने का आरोप लगता है। यह सवाल भी उठता है कि संघ पुरुष प्रधान है। संगठन से औरतें गायब हैं। मतलब संघ में महिलाओं के लिए पद क्यों नहीं है? अंशकालिक या पूर्णकालिक प्रचारक, कार्यकर्ता या संघ के दूसरे विभाग में महिलाएं क्यों नहीं? यह सवाल अक्सर उठते रहते हैं।

हालांकि, इसका जवाब संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता ऐसे देते हैं, ' 1936 में ही राष्ट्र सेविका समिति का गठन कर दिया गया था। इसमें केवल महिलाएं ही भाग लेती हैं। इस समय लगभग दस लाख बहनें इससे जुड़ी हैं और देश के सभी प्रांतों में इसकी शाखाएं चलती हैं। अकेले राजधानी दिल्ली में ही लगभग 70 महिला शाखाएं राष्ट्र सेविका समिति चलाती है।' जवाब के बाद कार्यकर्ता और पदाधिकारी यह भी मानते हैं कि मुख्य बॉडी में औरतें नहीं हैं।

इस बार एक बड़ा और क्रांतिकारी विचार संघ के मुद्दों की लिस्ट में शामिल किया गया है।

इस इमेज को सुधारने का एक सॉल्यूशन भी लिस्ट में शामिल है। सोर्स के मुताबिक, सॉल्यूशन है,' महिलाओं को संघ की मुख्य बॉडी में शामिल कर इस सवाल से हमेशा के लिए छुटकारा पाना।' सूत्र के मुताबिक, इस पर पिछले एक साल से मंथन चल रहा है। सॉल्यूशन पर सभी एकमत भी हैं। यह कदम बेहद क्रांतिकारी और संघ की इमेज को बिल्कुल बदलने वाला है, इसलिए सभी प्रांतों से आए प्रतिनिधियों और सभी अनुषांगिक संगठनों से एक साथ इस पर चर्चा होगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो लोकसभा के चुनाव से पहले संघ में यह रिफॉर्म देखने को मिल सकता है। महिलाओं के शामिल करने का खाका क्या होगा। संघ में किस तरह से महिलाओं की भागीदारी हो, इस पर एक ठोस प्लान बनेगा। मनमोहन वैद्य का बयान इसकी पुष्टि भी करता है।

समाज को संघ और संघ को समाज में घोलने की तैयारी

बैठक में मौजूद हमारे सोर्स के मुताबिक, 'हमारी काम करने की शैली समाजसेवा से शुरू होती है। आदिवासी समाज में वनवासी कल्याण समिति हों या फिर एकल विद्यालय, ये सब उसके ही उदाहरण हैं।

नॉर्थ ईस्ट में लोगों के लिए मेडिकल सुविधा से लेकर शिक्षा तक संघ ने कई इंस्टीट्यूशन खड़े किए। अब सवाल है समाज में संघ को घोलने का। दरअसल संघ समाज के सिस्टम का अहम हिस्सा बनने की तैयारी में है।'

संघ की सीक्रेट बैठक में किसी की एंट्री नहीं

बैठक में शामिल एक सूत्र ने दैनिक भास्कर से बातचीत में 11 मार्च को बताया, 'अब तीन दिन अब संघ कार्यालय के भीतर ही बीतेंगे। न कोई बाहर जाएगा और न कोई अंदर आएगा। दिन सुबह 8 बजे ब्रेकफास्ट के साथ शुरू होगा और रात 9 बजे तक बैठक के एजेंडे में शामिल मुद्दों पर लगातार चर्चा होगी।' बैठक इतनी सीक्रेट क्यों है, इस सवाल के जवाब में सूत्र ने कहा-, 'क्या आपका मीडिया हाउस पूरे देश के मीडिया हाउस के साथ बैठकर अपनी रणनीति बनाता है।' कुल मिलाकर सालाना रूटीन समीक्षा बैठक कही जाने वाली यह बैठक संघ की 'सुपर सीक्रेट' बैठक होती है। इसमें पिछले साल तय हुए मुद्दों का रिपोर्ट कार्ड तैयार होता है, तो आने वाले साल के लिए मुद्दे तय होते हैं।

संघ के सुपर सीक्रेट मुद्दों की लिस्ट बनकर तैयार

बैठक में शामिल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन के एक टॉप सोर्स ने बताया, 'चर्चा के लिए सीक्रेट मुद्दों की लिस्ट तैयार है। लिस्ट लंबी है। हर अनुषांगिक संगठन से चर्चा और फीडबैक के आधार पर यह लिस्ट तैयार की गई है। इन पर चर्चा होगी और आखिर में छंटनी के बाद टॉप मुद्दों की फिर से लिस्ट तैयार होगी।'

सोर्स के मुताबिक, '3 मुद्दे इस बार सबसे ज्यादा अहम हैं, जिन पर सबकी सहमति है। ये मुद्दे संघ की इमेज से जुड़े हैं। अभी तय नहीं हैं, लेकिन शायद बैठक के दूसरे दिन इन मुद्दों पर गंभीर मंथन होगा। क्योंकि मंथन के बाद इमेज मेकिंग के सॉल्यूशन भी निकाले जाएंगे।'

जम्मू में कांग्रेस का मार्च

राजभवन का घेराव करने जा रहे कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

जम्मू, 13 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू शहर में सोमवार को कांग्रेस की तरफ से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत मार्च निकाला किया गया।

प्रदेश कांग्रेस नेता महाराजा हरि सिंह पार्क से राजभवन का घेराव करने के लिए आगे बढ़े। इस दौरान पुलिस ने कांग्रेसी नेताओं को राजभवन के मार्ग को जाम करने से रोका। पुलिस और नेताओं के बीच हल्की धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। वहीं, पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया। विकार रसूल ने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। आए दिन लोगों पर नए-नए कानून और कर लाद दिए जा रहे हैं। उन्होंने संपत्ति कर, महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रदेश प्रशासन और केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार पुलिस के माध्यम से विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन सच को दबाया नहीं जा सकता है। जनता भाजपा की नीतियों से त्रस्त हो चुकी है और अब लोग बदलाव चाहते हैं। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला ने कहा कि बेरोजगारी, संपत्ति कर, महंगाई से हर कोई परेशान है। इस अभियान के तहत छह लाख गांवों, ढाई लाख ग्राम पंचायतों और 10 लाख मतदान केंद्रों पर पहुंचकर राहुल गांधी का संदेश और मोदी सरकार की नाकामियों की चार्जशीट घर-घर पहुंचाई जा रही है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा ने कहा कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने, जल्द विधानसभा चुनाव करवाने की मांग को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

दिल्ली के विधायकों की सैलरी में 66% की बढ़ोत्तरी

सैलरी और भत्ते मिलाकर हर महीने मिलेंगे 1 लाख 70 हजार रुपए; राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के विधायकों की सैलरी में 66% की बढ़ोतरी की गई है। राष्ट्रपति ने बजट सत्र से पहले विधायकों की सैलरी, पेंशन और भत्तों को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्हें अब 54 हजार रुपए की जगह हर महीने 90 हजार रुपए सैलरी मिलेगी। भत्तों को शामिल कर दें तो विधायकों को अब हर महीने 1 लाख 70 हजार रुपए मिला करेंगे। दिल्ली सरकार के कानून, न्याय और विधायी मामलों के विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर इस बारे में जानकारी दी है।

राष्ट्रपति ने 14 फरवरी को दी मंजूरी

सैलरी, पेंशन और भत्तों को बढ़ाने का प्रस्ताव दिल्ली विधानसभा में पिछले साल जुलाई में पास हुआ था। दिल्ली सरकार ने सीएम, मिनिस्टर, विधायकों, मुख्य सचिव, स्पीकर और विपक्ष के नेता की सैलरी बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा था। राष्ट्रपति ने 14 फरवरी को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। विधायकों को अब 14 फरवरी 2023 से बढ़ी हुई सैलरी मिलेगी।

12 साल बाद बढ़ी दिल्ली विधायकों की सैलरी

दिल्ली में विधायकों की सैलरी 12 साल बाद बढ़ाई गई है। विधायकों की बेसिक सैलरी 20 हजार से बढ़ाकर 30 हजार की गई है। दैनिक भत्ता 1 हजार से बढ़ाकर 1.5 हजार रुपए किया गया है। इससे पहले विधायकों को भत्ते और सैलरी मिलाकर हर महीने 72 हजार रुपए मिला करते थे।

तेलंगाना में विधायकों की सैलरी 20 हजार, लेकिन भत्ता 2.3 लाख रुपए

तेलंगाना में विधायकों को 20 हजार रुपए सैलरी मिलती है, लेकिन इसके साथ 2.3 लाख रुपए का कॉन्स्टिट्युएंसी अलाउंस मिलता है। हिमाचल प्रदेश में विधायकों को 55 हजार सैलरी, 90 हजार रुपए कॉन्स्टिट्युएंसी अलाउंस, 1800 रुपए डेली अलाउंस, 15 हजार रुपए टेलीफोन अलाउंस और 30 हजार रुपए सेक्रेटेरियल अलाउंस मिलता है। केरल में विधायकों को मात्र 2 हजार रुपए सैलरी मिलती है और 25 हजार रुपए कॉन्स्टिट्युएंसी अलाउंस मिलता है।

आंध्रप्रदेश में विधायकों को 12 हजार सैलरी मिलती है और 1.13 लाख रुपए कॉन्स्टिट्युएंसी अलाउंस मिलता है।

पूर्व पति नवीन जयहिंद बोले

स्वाति मालीवाल नार्को टेस्ट करवाएं

मालीवाल ने अपने पिता पर यौन शोषण का आरोप लगाया था

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने शनिवार को अपने पिता पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। इस मामले में उनके पूर्व पति नवीन जयहिंद ने कहा कि शोषण और यौन शोषण में फर्क होता है। उन्होंने स्वाति के नार्को टेस्ट की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्वाति के पिता की 20 साल पहले मौत हो थी। अगर स्वाति का नार्को टेस्ट होगा तो पूरा सच सामने आ जाएगा।

नवीन बोले-स्वाति को अपना मेंटल चेकअप करवाना चाहिए

नवीन ने मामले में एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि स्वाति ने मुझे बताया था कि उनके पिता उनके और उनकी बहन के साथ मारपीट करते थे, लेकिन ये कभी नहीं बताया कि वो यौन शोषण करते थे। अब उनके पिता इस दुनिया में नहीं हैं, वो तो कोर्ट में आ नहीं सकते, इसलिए स्वाति को अपना नार्को टेस्ट कराना चाहिए। इसके साथ ही नवीन ने कहा कि स्वाति बहुत बड़े पद पर हैं। अगर उनके साथ ऐसा हुआ है तो उनको मानसिक परेशानी भी जरूर होती होगी। इसको देखते हुए उनको मेंटल चेकअप भी कराना चाहिए।

स्वाति मालीवाल ने कहा था- मेरे पिता मेरा यौन शोषण करते थे

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बताया कि बचपन में मेरे पिता मेरा यौन शोषण करते थे।

इसकी वजह से मैं अपने ही घर में डर कर रहती थी। वो बिना वजह मुझे पीटते थे, चोटी पकड़कर सर दीवार पर टकरा देते थे। डर की वजह से मैंने कई रातें तो बिस्तर के नीचे छिपकर बिताई हैं।

दिल्ली से दोहा जा रही फ्लाइट में यात्री की मौत

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। इंडिगो की फ्लाइट रविवार रात दिल्ली से कतर के दोहा जा रही थी। इस दौरान एक यात्री की तबीयत बिगड़ने की वजह से फ्लाइट को कराची के जिन्ना एयरपोर्ट पर डायवर्ट करने का फैसला किया गया।

दिल्ली से कतर की राजधानी दोहा जा रही इंडिगो की फ्लाइट में 60 साल के एक पैसेंजर की तबीयत बिगड़ गई। मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए फ्लाइट को पाकिस्तान के कराची डायवर्ट किया गया, लेकिन एयरपोर्ट पहुंचने से पहले ही पैसेंजर की मौत हो गई।

अजान पर पूर्व डिप्टी सीएम का विवादित बयान

क्या अल्लाह बहरा है जो उन्हें बुलाने के लिए लाउडस्पीकर पर चिल्लाना पड़ता है

बेंगलुरु, 13 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव से पहले लाउडस्पीकर को लेकर कर्नाटक के पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा नेता के एस ईश्वरप्पा ने विवादित बयान दिया है। मंगलुरु में सोमवार को ईश्वरप्पा ने कहा कि क्या अल्लाह बहरा है, जो उन्हें बुलाने के लिए लाउडस्पीकर पर चिल्लाना पड़ता है। अजान की आवाज से मुझे सिरदर्द होता है। ईश्वरप्पा एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे, तभी पास की मस्जिद से अजान शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, यह अजान मुझे सिरदर्द देती है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने वाला है, आज नहीं तो कल अजान का अंत हो जाएगा।

ईश्वरप्पा बोले-मंदिरों में हम लाउडस्पीकर इस्तेमाल नहीं करते ईश्वरप्पा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी धर्मों का सम्मान करने के लिए कहा है, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं की क्या अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने पर ही अल्लाह नमाज सुनेंगे। हिंदू भी मंदिरों में भजन और प्रार्थना करते हैं। हम उनसे ज्यादा धार्मिक हैं और यह भारत माता हैं जो धर्मों की रक्षा करती हैं, लेकिन अगर आप कहेंगे कि अल्लाह केवल तभी सुनता है जब आप माइक का इस्तेमाल करते हैं तो मैं ये जरूर पूछूंगा कि क्या वह बहरा है?

टीपू सुल्तान को मुस्लिम गुंडा कह चुके हैं ईश्वरप्पा

ईश्वरप्पा इस तरह के बयान पहले भी दे चुके हैं। इससे पहले उन्होंने 18वीं शताब्दी के मैसूर के शासक टीपू सुल्तान को मुस्लिम गुंडा कहा था। पिछले साल एक कांट्रैक्टर के सुसाइड करने के बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। कांट्रैक्टर ने अपने आखिरी मैसेज में ईश्वरप्पा को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया था।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने पिछले साल पहुंचा था लाउडस्पीकर का मुद्दा

अजान लंबे समय से बहस का विषय रहा है। इसे लेकर एक वर्ग का तर्क है कि अजान के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल अन्य धर्मों के लोगों को परेशान कर सकता है। इसे लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट ने पिछले साल मस्जिदों को कोई निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अजान से अन्य धर्मों के लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने वाली दलील को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2005 में लाउडस्पीकर बेन किया था

सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2005 में ध्वनि प्रदूषण से हेल्थ की परेशानियों का हवाला देते हुए इमरजेंसी को छोड़कर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद अक्टूबर 2005 में कोर्ट ने कहा था कि लाउडस्पीकर को साल में 15 दिनों के लिए उत्सव पर आधी रात तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी जा सकती है।

महालक्ष्मी रेसकोर्स मामले पर सुनवाई नहीं करेगा मानवाधिकार आयोग, हाईकोर्ट का फैसला

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मानवाधिकार आयोग द्वारा महालक्ष्मी रेसकोर्स लीज मामले पर सुनवाई करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि प्रथम दृष्टया वह ये नहीं समझ पा रहे हैं कि ऐसे मामले पर महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कैसे कर सकता है! बता दें कि महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग महालक्ष्मी रेसकोर्स की लीज का नवीनीकरण करने मामले की सुनवाई कर रहा था।

बॉम्बे हाईकोर्ट की जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस नीला गोखले की डिवीजन बेंच ने बीती आठ मार्च को महाराष्ट्र सरकार के शहरी विकास विभाग के मुख्य सचिव की याचिका पर यह आदेश दिया। बता दें कि महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने बीती 17 फरवरी को अपने एक आदेश में मुख्य सचिव, बीएमसी कमिश्नर, शहरी विकास विभाग के सचिव और अन्य अधिकारियों पर महालक्ष्मी रेसकोर्स की लीज को नवीनीकरण करने में नाकाम रहने और इसका जायज कारण नहीं बता पाने पर अधिकारियों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था।

मानवाधिकार आयोग के इस आदेश के खिलाफ सरकार ने हाईकोर्ट का रुख किया। जहां हाईकोर्ट ने मानवाधिकार आयोग के इस मामले पर सुनवाई करने से ही रोक लगा दी। बता दें कि रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब को मई 1994 में 220 एकड़ में फैला महालक्ष्मी रेसकॉर्स लीज पर दिया गया था।

रोचक खबरें

जज ने सुनाया अजीबोगरीब फैसला

बीच की अंगुली दिखाना भगवान का दिया अधिकार, नहीं छीन सकता कोई

दुनिया में बढ़ते क्राइम पर रोक लगाने के लिए कोर्ट बनाए गए. इन कोर्ट्स में क्राइम को लेकर दो पक्षों की दलील जज सुनता है और फिर उसपर फैसला लेता है. लोगों को उम्मीद होती है कि इसमें सच की जीत होगी और गलत की हार. लेकिन कई बार इन कोर्ट के अंदर से ऐसे फैसले बाहर आते हैं, जिसे जानकर कोई भी शॉक रह जाएगा. ऐसा ही एक मामला हाल ही में कनाडा के क्यूबैक से सामने आया. यहां एक शख्स ने अपने पड़ोसी पर खुद को बीच की अंगुली दिखाए जाने के खिलाफ मामला दर्ज किया था.

क्यूबैक के जज डेनिस गलियट्सऑटोस ने अपने फैसले में कहा कि किसी को बीच की अंगुली दिखाना हर कनाडा के निवासी का हक है. ये अधिकार उसे भगवान ने दिया है. ये फैसला मॉन्ट्रियल के एक शख्स द्वारा हराशमेंट के केस पर सुनाया गया. अपने फैसले में उसे कहा कि इस मामले में अरेस्ट हुए शख्स के साथ नाइंसाफी हुई है. बिलकुल साफ़ शब्दों में कहें तो किसी को अंगुली दिखाना क्राइम नहीं है. ये ईश्वर का दिया अधिकार है जो कनाडा के हर निवासी के पास है.

ये है मामला

केस में चल रहा ये केस असल में 18 मई 2021 का है. पुलिस ने एप्सटीन नाम के शख्स को अरेस्ट किया था. एप्सटीन 45 साल का शख्स है जो पेशे से टीचर है. घटना वाले दिन वो वॉक से घर लौटा था. तभी उसकी मुलाक़ात अपने पड़ोसी माइकल नाकहए से हुई. माइकल उसी के घर के बगल में रहता था और दोनों की पहले भी बहसा-बहसी हो चुकी थी. उस दिन भी दोनों का झगड़ा हुआ, जिसके बाद एप्सटीन ने माइकल को मिडल फिंगर दिखाई थी. इसे लेकर माइकल ने एप्सटीन पर हराशमेंट का केस दर्ज कर दिया, जिसकी वजह से एप्सटीन को अरेस्ट कर लिया गया.

शख्स के सिर पर अटक गई इतनी गेंदें कि बन गया वर्ल्ड रिकॉर्ड

अनोखा कीर्तिमान बनाकर रचा इतिहास, देखिए वीडियो

वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहा कोई बच्चों का खेल नहीं होता आप में सोचने और सुनने में जितना आसान लगता है असल में इसे कायम कर पाना बेहद मुश्किल मेहनत और त्याग मांगता है. जो लोग गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवातें हैं सालों साल इसके लिए कड़ी मेहनत और तपस्या करते हैं. समय का संयोजन, समझदारी, मेहनत और एक ही काम को करते रहने का निरंतर प्रयास ही दिला सकता है सफलता. हालांकि बहुत से ऐसे वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बने हैं जो बेहद अजीब लगते हैं. लेकिन ऐसे कारनामे के लिए दिमाग की जरूरत होती है. ठीक इसी तर्ज परीक्षक ने शेविंग क्रीम टेनिस बॉल के कॉम्बिनेशन से विश्व रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवा लिया. गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने ट्विटर अकाउंट पर एक ऐसा वीडियो शेयर किया है एक जिसमें एक शख्स ने ऐसा अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है जिसे देखकर आप हैरान रह जाएंगे पहले सिर पर ढेर सारी शेविंग क्रीम लगाई और उसके बाद एक एक कर 12 गेंद सिर पर अटका ली ऐसा कर उसने नया कीर्तिमान बना डाला.

'मुर्गा-गुटखा-नागिन' के बाद अब मार्केट में आया 'मोर डांस'

लोग बोले 'अंडा देकर ही मानेगा भाई'

शादी हो या फिर कोई और पार्टी फंक्शन डांस के तड़के के बिना सब फीका ही लगता है. एक ओर शहरों में जहां लोग एक जैसे डांस स्टेप्स या फिर गाने के हुक स्टेप्स को फॉलो करते नजर आते हैं. वहीं गांवों की शादी में डांस का असली मजा देखने को मिलता है. जैसा कि हाल ही में वायरल इस वीडियो में देखा जा सकता है, जिसमें एक शख्स अजोबीगरीब डांस स्टेप्स ईजाद करता नजर आ रहा है, जिसे देखकर आपके दिमाग का भी दही हो जाएगा. होश उड़ा देने वाले इस वायरल वीडियो को देखकर आप मुर्गा डांस, गुटखा डांस और नागिन डांस को भूल जाएंगे. इन दिनों इंटरनेट पर मोर डांस गदर मचा रहा है, जिसे देखकर आप भी ठहाके मार-मारकर हंसने को मजबूर हो जाएंगे. वीडियो किसी पार्टी फंक्शन का लग रहा है, जहां डांस फ्लोर पर दो लड़के एक अलग ही अतरंगी डांस करते नजर आ रहे हैं.

वीडियो में लड़के का अजीबोगरीब डांस देखकर आप भी नागिन और मुर्गा डांस भूल जाएंगे. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वायरल इस वीडियो को yogesh_club नाम के अकाउंट से शेयर किया है, जिसे खूब देखा और पसंद किया जा रहा है. इस वीडियो को अब तक 7.5 मिलियन बार देखा जा चुका है, जबकि 2 लाख से ज्यादा लोगों ने इस वीडियो को लाइक किया है. वीडियो को देखने के बाद यूजर्स तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'लग रहा है मुर्गे को पोलियो हो गया है.' दूसरे यूजर ने लिखा, 'लगता है कि ये अंडा देकर मानेगा.' तीसरे यूजर ने लिखा, 'लगता है भाई अंडा देकर ही मानेगा.' चौथे यूजर ने लिखा, 'भाई का जवाब नहीं.'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 14 मार्च, 2023 3

सुविचार

आप कभी भी सर्व गुण संपन्न नहीं हो सकते ऐसा बनने की कोशिश भी आपके दुखों का कारण बनती है...

महाप्रबंधक ने कर्मचारियों को 'मैन ऑफ द मंथ' सुरक्षा पुरस्कार दिया

ट्रेन संचालन की सुरक्षा को लेकर दिए गए कई निर्देश

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरूण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित एक आभासी सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान उन 18 कर्मचारियों को "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए, जिन्होंने जोन के प्रति सतर्कता और कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाया है। पी. उदय कुमार रेड्डी, अपर महाप्रबंधक, दमरे ने भी सभी प्रधान विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों अर्थात सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने ज़ोन (सिकंदराबाद मंडल-03, विजयवाड़ा मंडल-05, गुंतकल मंडल-05, नांदेड़ मंडल-04 और गुंटूर-01) के 18 कर्मचारियों को सतर्कता और सतर्कता दिखाने के लिए वस्तुतः "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार विजेताओं ने अपने-अपने मंडलों में मंडल रेल प्रबंधकों के हाथों भौतिक रूप से पुरस्कार प्राप्त किए। कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों जैसे लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, तकनीशियन और गेट मैन आदि से संबंधित थे। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अपने कर्तव्यों को अत्यंत समर्पण के साथ निभाने की प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे रेलवे को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में मदद मिलेगी।

बाद में, श्री जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जोन में सुरक्षा अभियान जारी रखने और ट्रेन संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी को समय-समय पर जारी रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने ट्रेनों के समयपालन के आंकड़ों पर चर्चा की और अधिकारियों को सलाह दी कि वे समय की पाबंदी में सुधार करें और यातायात ब्लॉकों के दौरान मानव शक्ति के इष्टतम उपयोग के लिए कार्य योजना बनाएं। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधकों को भी निर्देश दिया कि वे उन ट्रेनों की निगरानी करें जो समय की पाबंदी के संबंध में प्रतिकूल रूप से प्रभावित हैं और सुधार के लिए उचित उपाय करें।

आपसी भाईचारा व एकता का संदेश देती हैं होली : सुरेश कुमार सिंघल

हरियाणा नागरिक संघ ने धूमधाम से मनाया होली मिलन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हरियाणा नागरिक संघ ने धूमधाम से होली मिलन समारोह का मनाया। इस दौरान भारी संख्या में संघ के लोगों ने समारोह में भाग लिया। हरियाणा नागरिक संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद के होली मिलन समारोह में कुरुक्षेत्र से आई जोकेडी टीम के गोविंद कृष्ण दास व साथी कलाकारों ने फूलों की होली एवं डांडिया रास का कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। सिकंदराबाद स्थित इम्पीरियल गार्डन में आयोजित हरियाणा नागरिक संघ के कार्यक्रम में विशेष आकर्षण ट्रेजर हंट रहा। कार्यक्रम का शुरूआत महागणपति पूजन के साथ किया गया। इसके बाद संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का पर्व आपस में पुरानी रंजिश मिटाकर मन भेद को दूर करने का पर्व है। होली का त्योहार आपसी भाईचारा व एकता का संदेश देता है। श्री सिंघल ने मातृभाषा का महत्व बताते हुए कहा कि घर परिवार में हरियाणवी भाषा बोलें, ताकि भाषा की पहचान बनी रहे। आज कल के बच्चों को हरियाणवी आती ही नहीं है। इससे भविष्य में भाषा को खतरा पैदा हो जायेगा। इस मौके पर मानद मंत्री महेश कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ की जानकारी देते हुए बताया कि संघ गत 33 वर्षों से होली और दीपावली मिलन का कार्यक्रम करने के साथ सेवा कार्य करता है। उन्होंने कहा कि होली के उपलक्ष्य में ट्रेजर हंट कार रैली का आयोजन किया गया जिसमें दो ट्रैक लगाये गये। प्रथम ट्रैक में विजेता सौरभ अग्रवाल व टीम, द्वितीय स्थान पर अर्पिता अग्रवाल व टीम रही। तृतीय स्थान पर दो टीमें टाई पर रहीं, जिनमें धीरज एंड टीम व दिशा अग्रवाल व टीम शामिल हैं। इसी प्रकार ट्रैक दो पर विजेता प्रणव गुप्ता एवं टीम रही। द्वितीय स्थान पर विवेक अग्रवाल व टीम तथा तृतीय स्थान पर शिवानी तायल एंड टीम रही। केवल महिला टीम में शिल्पा अग्रवाल एवं टीम तथा सीता अग्रवाल एवं टीम विजेता रही। बेस्ट ड्रेसिंग के लिए सीता अग्रवाल, सीमा गोयल, कीर्ति एवं टीम विजेता व द्वितीय नेहा एवं टीम तथा श्रेष्ठ डेकोरेशन कार में पवन कुमार गोयल एवं टीम व द्वितीय नेहा अग्रवाल एवं टीम रही। सभी विजेताओं को पुरस्कार अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल, उपाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, मानद मंत्री महेश कुमार अग्रवाल, सह-मंत्री अनिल रतन गोयल, कोषाध्यक्ष सतीश बंसल आदि ने प्रदान किए। इस अवसर पर हरियाणा के कुरुक्षेत्र से जीकेडी टीम के गोविंद कृष्ण दास आदि कलाकारों ने फूलों की होली और डांडिया रास प्रस्तुत किया। समारोह में पूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, महिला मंडल की अध्यक्ष सीता अग्रवाल, सीमा गोयल, ऊषा सिंघल, कार्यकारिणी समिति सदस्य जोगीराम अग्रवाल, विशन स्वरूप अग्रवाल, पवन कुमार गुप्ता, दिनेश गुप्ता, अरूण बंसल, सतीश गर्ग, सुशील कुमार मित्तल, नामित सदस्य विनोद कुमार गुप्ता, रवि गोयल, विशेष आमंत्रित सुरेश मंगल, सत्यप्रकाश बंसल, हरियाण सेवा संघ के चयनित सदस्य सतीश अग्रवाल, विजय तायल, महिला समिति की सीता अग्रवाल, सीमा गोयल, प्रीति अग्रवाल, ऊषा सिंघल, हरियाणा सेवा संघ के अध्यक्ष मनोहर गुप्ता, मानद मंत्री विनोद कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

यूबीआई में 'एम पावर हर' की शुरूआत

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एमडी एवं सीईओ ए. मणिमेखलै द्वारा 'एम पावर हर' कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है। इस कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय कार्यालय, सिकंदराबाद में 'एम पावर हर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के चुनिंदा कर्मठ एवं योग्य महिला स्टाफ सदस्यों को क्षेत्र प्रमुख सी एस जननी एवं उप क्षेत्र प्रमुख के वी चन्द्रशेखर राव द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक स्नेहा साव द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता सेनानी और तत्कालीन हैदराबाद राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बुरगुला रामकृष्ण राव की 124 वीं जयंती के अवसर पर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एस.पी.क्रांति कुमार, एनएसयूआई के नेता अजय कुमार, हरि, संदीप आदि ने गांधी भवन, हैदराबाद में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पद्म श्री किन्नेरा मोगुलैया को वाराणसी सम्मान

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेटवासी आरटीसी कर्मचारी वाराणसी सुधाकर चारी ने पद्म श्री दर्शन किन्नेरा मोगुलैया से सम्मानित किया। इस दौरान मीरपेट के टीआरएस नेता राजू भी उपस्थित रहे। मोगुलैय्या से मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सुधाकर चारी ने कहा कि किन्नेरा ने भीमला नायक की फिल्म में शीर्षक गीत गाया और देश भर में सभी की सराहना प्राप्त की। उन्होंने भारत सरकार से पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करने की अद्भुत कला की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कलाओं की रक्षा करना और कलाकारों का सम्मान करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कला रूपों को प्रस्तुत करना एक जिम्मेदारी है।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 158 वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नाचाराम इंडस्ट्रीयल एरिया रोड नं 8 इलेक्ट्रिक पावर सब स्टेशन के पास स्थित नाचाराम इंडस्ट्रीज एसोसिएशन भवन में अग्रवाल मानव सेवा मंच का 158 वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न हुआ। अग्रवाल मानव सेवा मंच के संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के आरंभ में भगवान श्री अग्रसेन की पूजा अर्चना से किया गया। पूजा अर्चना में शिविर के प्रयोजक नाचाराम इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष भी.टी.शिवा, सेक्रेटरी एन सुरेंद्र रेड्डी, कोषाध्यक्ष भांजी भाई पटेल, ज्वाइंट सेक्रेटरी जय राज मेम्बर्स विनय कुमार जैन, बी.तिरूपति रेड्डी, रामु मालाजी, विजेन्द्र बाजपेई . वंकेश्वर राव एवं मानव सेवा मंच के प्रधान संयोजक विनोद कुमार अग्रवाल, संयोजक डा.आशीष तोदी द्वारा दंत जांच हेतु सेवा दी। वासवी फिजियोथेरेपी और रीहाबिलेशन सेंटर लकड़ी का पुल, हैदराबाद के विशेषज्ञों द्वारा फिजियोथेरेपी सेवा प्रदान की गयी। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में 315 स्थानीय लोगों ने उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। भवानी ग्रुप इंदरबाग कोटी हैदराबाद के पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में पूरी टीम ने खुले दिल से निशुल्क दवाइयां वितरण का आयोजन किया। नाचाराम इंडस्ट्रीज एसोसिएशन भवन के प्रबंधक जगन्नाथ एवं अन्य कर्मियों ने इस स्वास्थ्य जांच शिविर में भरपूर सहयोग करके आयोजन को सफलता प्रदान की। उमेश अग्रवाल विष्णु गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, सदस्य डॉ आशीष तोदी, उमाशंकर गोयनका, राजकुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। अग्रवाल समाज नाचाराम मलापुर शाखा के अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल, मानंद मंत्री सुनील कुमार अग्रवाल, सुरेश जीतपुरिया, सुरेश जाखनीवाल, रामबाबू अनिल जाखनीवाल ने उपस्थित हो कर सहयोग प्रदान किया। इस शिविर में अपोलो हास्पिटल द्वारा रैंडम ब्लड शुगर, रक्त चाप हृदय रोग जांच हेतु ईसीजी टुडीईको, सामान्य रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग जांच की गई। एलसीएच साधुराम आई हास्पीटल, दोमलगुडा, हैदराबाद के नेत्र चिकित्सक द्वारा नेत्र जांच की गई। शिविर में जांच के दौरान चिह्नित 10 मोतियाबिंद रोगियों की एलसीएच साधुराम आई हास्पीटल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क शल्य चिकित्सा की जायेगी। प्रियंका डेंटल क्लिनिक आबिडस बेगमपेट हैदराबाद के

कोइल अलवर तिरुमंजनम 21 मार्च को

तिरुमाला, हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री शोभकृत नाम उगादि के संबंध में, कोइल अलवर तिरुमंजनम मंदिर की पारंपरिक सफाई 21 मार्च को की जाएगी। गर्भगृह की छत और दीवारों सहित पूरे मंदिर को परिमलम नामक एक सुगंधित मिश्रण से साफ किया जाता है जिसे पूरे परिसर में लेप किया जाएगा। यह सुबह 6 बजे से 11 बजे के बीच मनाया जाएगा और भक्तों को दोपहर 12 बजे से दर्शन की अनुमति दी जाएगी।

श्री राजेश्वर भगवान का जन्मोत्सव जागरण 29 को

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बेगम बाजार स्थित श्रृंगऋषि भवन दालमंडी मे संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट हैदराबाद सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के 141 वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम बुधवार 29 मार्च रात्रि 8.30 बजे से भव्य जागरण व गुरुवार 30 मार्च प्रात: पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी व सचिव अशोक चौधरी ने संयुक्तरुप से बताया कि गुरुदेव श्री राजेश्वर भगवान के जन्मोत्सव पर हर वर्ष की भांति दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बुधवार 29 मार्च रात्रि 8.30 बजे से भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे प्रवीण प्रजापति मलाना गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। गुरुवार 30 मार्च प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक समाज बन्धु 141 वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर पुजा-अर्चनाकर गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर महाप्रसादी का सपरिवार लाभ लेंगे। समाज बन्धुओं से निवेदन है 30 मार्च को अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे। कार्यक्रम मे समाज बन्धु एवं आमंत्रित सम्मानित

अतिथिगण सपरिवार सादर आमंत्रित है। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी, सचिव अशोक चौधरी, कोषाध्यक्ष नवाराम, संरक्षक प्रतापाराम, सभी पदाधिकारी व सदस्यगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे।

मरीजों को ठगने वाले दो फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

हनमकोंडा , 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टोना-टोटका कर अलग-अलग बीमारियों का इलाज कराने के बहाने लोगों को ठगने के आरोप में टास्क फोर्स ने हनमकोंडा पुलिस के साथ मिलकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सैयद कादिर अहमद (53) और उसका भतीजा सैयद शब्बीर अहमद (47) थे। वे कथित तौर पर फराहिना नाम से एक अस्पताल चला रहे थे। सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मध्य क्षेत्र के डीसीपी एमए बारी ने कहा कि आरोपी पिछले 35 वर्षों से वारंगल, करीमनगर और आदिलाबाद जिलों के गांवों के गरीब लोगों को धोखा दे रहे थे। उन्होंने कहा, "उन्होंने रोगियों को विश्वास दिलाने की कोशिश में पूर्णिमा की रात और अमावस्या पर मनोगत अनुष्ठान किए," उन्होंने कहा कि अस्पताल के पास कोई आवश्यक लाइसेंस या अनुमति नहीं थी। दोनों आरोपी रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार के लिए एलोपैथिक दवाओं से इलाज कर रहे थे। डीसीपी ने कहा, 'अगर बीमारी ठीक हो गई तो उन्होंने मरीज को विश्वास दिलाया कि यह जादू-टोना के कारण हुआ है।' पुलिस ने अस्पताल से पूजा सामग्री और तीन लाख रुपये जब्त किए हैं। मामले के तीन और आरोपी याकूब बाबा, उसकी पत्नी समरीन और सैयद कादिर की मदद करने वाले एमडी इमरान फरार हैं।

जल्द ही कांग्रेस पार्टी में नए लोग होंगे शामिल : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 13 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने कहा कि, जल्द ही कांग्रेस पार्टी में नए लोग शामिल होंगे।

इस संदर्भ में, टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने कहा कि जल्द ही कांग्रेस पार्टी में नए लोग शामिल होंगे।

इस मामले में उन्होंने हालही के राहुल गांधी के बयान को दोहराया कि अगर कोई नेता शामिल होना चाहे तो उन्हें शामिल होने से नहीं रोकना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि वरिष्ठ नेता धर्मपुरी श्रीनिवास के पार्टी में शामिल होने का मामला आलाकमान के दायरे में है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क की पदयात्रा एआईसीसी का कार्यक्रम है और वह भी इसमें भाग ले रहे हैं।

अखिलेश यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत

आय से अधिक संपत्ति मामले में याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह, पूर्व सीएम अखिलेश यादव और उनके भाई प्रतीक यादव को आय से अधिक संपत्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आज यानी सोमवार को इन आरोपों की प्रारंभिक जांच बंद करने की सीबीआई रिपोर्ट की कॉपी मांगने वाली याचिका खारिज कर दी। इतना ही नहीं, शीर्ष अदालत ने सीबीआई की 2013 की क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी भी दे दी। गौरतलब है कि सीबीआई द्वारा मामले को बंद करने को लेकर कांग्रेस के नेता विश्वनाथ चतुर्वेदी ने याचिका दाखिल की थी।

जानकारी के मुताबिक, मामले में सुनवाई के दौरान दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने कहा कि 'केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने पहले ही 7 अगस्त, 2013 को इन आरोपों की जांच बंद कर दी थी ऐसे में इस याचिका में कोई दम नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि 1 मार्च, 2007 और 13 दिसंबर, 2012 के फैसले के बाद सीबीआई ने 7 अगस्त, 2013 को मामले में अपनी प्रारंभिक जांच बंद कर दी थी। साथ ही 8 अक्टूबर 2013 को सीवीसी को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। वहीं, यह याचिका छह साल बाद 2019 में दाखिल की गई है। इस याचिका में कोई योग्यता नहीं है इसलिए इसे खारिज किया जाता है।'

सीबीआई ने 2019 में शीर्ष अदालत को बताया था कि आय से अधिक संपत्ति मामले में मुलायम और उनके दो बेटों- अखिलेश यादव और प्रतीक यादव के खिलाफ संज्ञेय अपराध होने का 'प्रथम दृष्टया कोई सबूत' नहीं मिला था। जिसके चलते प्रारंभिक जांच (पीई) को आपराधिक मामले में नहीं बदला गया था। साथ ही 7 अगस्त, 2013 के बाद मामले में कोई जांच नहीं की गई। गौरतलब है कि बीते साल 5 दिसंबर को शीर्ष अदालत ने इस मामले में सुनवाई बंद करने से इनकार किया था। साथ ही कहा था कि वह यह तय करेगा कि सीबीआई द्वारा मामले की प्रारंभिक जांच बंद करने पर सीबीआई की रिपोर्ट की कॉपी दी जा सकती है या नहीं, इस पर सुनवाई करेगी। वहीं अखिलेश और प्रतीक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा था कि सीबीआई ने प्रारंभिक जांच करने के बाद क्लोजर रिपोर्ट दायर कर दी है। साथ ही यह भी कहा है कि आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए कोई तर्क नहीं बनता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के खिलाफ कार्यवाही भले ही बंद कर दी गई है, लेकिन आरोप उनके बेटों-अखिलेश और प्रतीक के खिलाफ भी हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के समक्ष एक आरटीआई आवेदन दायर किया था। जिसके जवाब में उन्हें सूचित किया गया था कि सीबीआई द्वारा ऐसी कोई क्लोजर रिपोर्ट दायर नहीं की गई थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि क्लोजर रिपोर्ट 2013 में दायर की गई थी और याचिकाकर्ता ने 2019 में अपनी याचिका दायर की थी। ऐसे में हम इतने सालों के बाद इस आवेदन पर कैसे विचार कर सकते हैं।

जिसके बाद, वकील ने कहा कि जब एक संज्ञेय अपराध प्रथम दृष्टया बनता है, तो शिकायतकर्ता को क्लोजर रिपोर्ट की प्रति प्रदान की जानी चाहिए। इस पर पीठ ने कहा कि वह क्लोजर रिपोर्ट की प्रति के लिए आवेदन पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं है और इसे खारिज कर दिया। बता दें कि कांग्रेस नेता विश्वनाथ चतुर्वेदी ने अपनी याचिका में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किए जाने के 11 साल बीत जाने के बावजूद सीबीआई यादव और उनके बेटों के खिलाफ जांच की स्थिति पर अदालत को अपडेट फेल साबित हुई है। उन्होंने अपनी याचिका में मुलायम सिंह यादव पर 1999 से 2005 के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और 100 करोड़ रुपये से अधिक की आय से अधिक संपत्ति हासिल करने का आरोप लगाया था।

अखिलेश का आरोप, बीएसपी के उम्मीदवारों का भाजपा करती है चयन

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि सपा प्रत्याशियों की जीत को रोकने के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवारों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में फाइनल किया जाता है। सपा नेता ने कहा, बसपा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर और उसके संस्थापक कांशीराम के रास्ते से भटक गई है। बसपा ने भाजपा के साथ सांठगांठ की है और उसकी बी-टीम के रूप में काम करती है। पिछले विधानसभा चुनावों में, भाजपा कार्यालय ने बसपा के उम्मीदवारों को अंतिम रूप दिया। बसपा के उम्मीदवार जीत के लिए नहीं, बल्कि सपा के उम्मीदवारों को जीतने से रोकने के लिए मैदान में उतारे गए थे।

सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग की ओर से सभी छापेमारी राजनीतिक मंशा से विपक्षी नेताओं के यहां की जा रही है। सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी दलों को बदनाम करने के लिए छापेमारी की जा रही है, क्योंकि वे सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा, लेकिन जनता जागरूक है और समझती है कि सभी छापे आगामी लोकसभा चुनावों से प्रेरित हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि कन्नौज में एक इत्र व्यवसायी के यहां छापेमारी से यह दुष्प्रचार हुआ कि समाजवादी इत्र बनाने वाले व्यापारी के पास पैसा मिला है। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो पता चला कि व्यापारी भाजपा से जुड़ा था। भाजपा जांच एजेंसियों को चुनाव से पहले इस तरह के छापे मारने को कहती है और जो सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग द्वारा दागी पाए जाते हैं, वे भाजपा में शामिल हो जाते हैं, उसके बाद उनके ठिकानों पर छापेमारी नहीं की जाती है। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए पूछा कि क्या वह उस आईपीएस अधिकारी के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई करेगी, जिसका व्यवसायी से पैसे मांगने का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर आया था।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिया 10,000 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

गोरखपुर में बनेगा इथेनॉल पंप

गोरखपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सोमवार को पूर्वांचल को दस हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें उन्होंने 12 परियोजनाओं का शिलान्यास जबकि छह परियोजनाओं का लोकार्पण किया। दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में गडकरी के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय सड़क राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह, प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद के अलावा पूर्वांचल के सभी सांसद मौजूद रहे।

केंद्रीय नितिन गडकरी ने कहा कि हम किसान के बेटे गोरखपुर में इथेनॉल के पंप शुरू करेंगे। पेट्रोल का दाम 120 रुपये लीटर होगा, तो इथेनॉल 60 रुपये किलो होग। इससे हमारी मोटरसाईकिल, ऑटो, कार व अन्य गाड़ियां बेफ्रिक होकर सड़कों पर चलेंगे। इससे प्रदूषण भी कम होगा।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, सांसद रविकिशन शुक्ला, कमलेश पासवान, डॉ. रमापतिराम त्रिपाठी, विजय कुमार दूबे, रविंद्र कुशवाहा, प्रवीन निषाद, जगदंबिका पाल, हरिश द्विवेदी, कीर्तीवर्धन सिंह, रामशिरोमणि वर्मा, डॉ. राधामोहनदास अग्रवाल, बृजलाल, संगीता यादव आदि लोग शामिल हुए।

इन सड़कों का हुआ शिलान्यास

1- सोनौली-जंगल कौड़िया मार्ग, कुल लंबाई-80 किलोमीटर, लागत 2700 करोड़
2- ग्रीनफिल्ड गोरखपुर बाईपास का निर्माण, लंबाई-27 किमी, लागत-2100
3- बड़हलगंज-मेहरौना घाट टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई-57 किमी, लागत-974 करोड़
4- महराजगंज-निचलौल-ठूठीबारी टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई-40 किमी, लागत-809 करोड़
5- हड़िया चौराहे से करमैनी घाट तक टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई-49 किमी, लागत-516 करोड़
6- बलरामपुर बाईपास टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई-21 किमी, लागत 516 करोड़
7- शोहरतगढ़-उस्काबाजार टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई-33 किमी, लागत-510 करोड़
8- सिकरीगंज-बडहलगंज टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई-39 किमी, लागत 403 करोड़
9- छपिया-सिकरीगंज टू लेन पेव्डशोल्डर, लंबाई-35 किमी, लागत-307 करोड़
10- शोहरतगढ़ बाईपास, लंबाई-6 किमी, लागत-189 करोड़
11- गोरखपुर-आनंदनगर रेलखंड पर ओवरब्रिज का निर्माण लागत 66 करोड़
12- गिलौला बाईपास टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई-3.50 किमी, लागत 62 करोड़

अखिलेश का बयान मानसिक कुंठा दिखाने वाला : आकाश आनंद

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि अखिलेश जी आपका ये बयान आपकी मानसिक कुंठा को दर्शाता है। राजनैतिक गलियारों के साथ-साथ आपके कार्यकर्ता भी ये जानते हैं कि आप चुनाव इसलिए हारे क्योंकि आपके चाचा आपके तानाशाही अंदाज के खिलाफ चुनाव लड़े थे। दरअसल, अखिलेश यादव ने रविवार को एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय से तय होते हैं। वह जीतने के लिए तय नहीं होते वह इसलिए तय होते हैं कि समाजवादी पार्टी आगे न बढ़ जाए। यूपी में लोकसभा चुनाव को लेकर बिसात बिछाई जाने लगी है और सभी दलों ने अपनी रणनीति को लेकर काम करना शुरू कर दिया है।

गंगा स्नान के लिए जा रहे लोगों के ऑटो की हाइवा से भीषण टक्कर, 5 की मौत

मधेपुरा, 13 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मधेपुरा और सहरसा जिले के लिए सोमवार की सुबह बेहद दर्दनाक रही। मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज अनुमंडल के चौसा थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेट हाइवे 58 पर भीषण सड़क हादसा हुआ। सोमवार की सुबह इस भीषण हादसे में सहरसा जिले के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हैं।

भागलपुर जाते समय हादसे का शिकार हुए

गंगा नहाने के लिए जा रहे ऑटो में हाइवा ट्रक की टक्कर से यह हादसा हुआ। सभी गंगा स्नान के लिए ऑटो से भागलपुर जा रहे थे। मृतकों के साथ ही घायल लोग भी सहरसा के बसनही थाना क्षेत्र अंतर्गत भद्दी दुर्गापुर के बताए जा रहे हैं। वहीं टक्कर मारने के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया।

मौके पर चार ने दम तोड़ा, एक ने अस्पताल के रास्ते में

गांव भद्दी दुर्गापुर से करीब 10 लोग का जत्था ऑटो (टेम्पो) से गंगा स्नान करने के लिए महादेवपुर घाट जा रहे थे। जब इनका ऑटो कलासन-चौसा एसएच 58 पर घोषई गोठ बस्ती के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो का सामने वाला हिस्सा पूरा का पूरा दब गया और मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। एक अन्य घायल की मौत अस्पताल ले जाने के क्रम में हो गई। मृतकों की पहचान राधे राम (60), चालक राजा बाबू स्वर्णकार (25), कैलाश मंडल (55), धिरेन मंडल (30), सोहगिया देवी (70) के रूप में हुई है। सतरहन मंडल (60), संजूला देवी (55), रमेश मंडल (40), रेणु देवी (35), हकरी देवी (50) घायल हैं।

ब्रेकर बनवाने का आश्वासन देकर जाम खत्म कराया

सभी घायलों को आननफानन में ग्रामीणों की सहायता से चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। स्थिति को गंभीर बताते हुए चिकित्सकों ने सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को एसएच 58 पर रखकर प्रदर्शन भी किया और करीब दो घंटे तक सड़क जाम रखा। घटनास्थल पर पहुंचे अंचलाधिकारी, थानाअध्यक्ष आदि ने ब्रेकर बनवाने का आश्वासन देकर जाम को खत्म कराया।

कांग्रेस नेताओं की पुलिस से भिड़ंत

अध्यक्ष सहित कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर राजभवन का घेराव करने जा रहे थे।

इस दौरान हजरतगंज और राजभवन के नजदीक उनकी पुलिस से भिड़ंत हो गई। कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें नियंत्रण में लेने के लिए हिरासत में ले लिया और उन सभी को अस्थाई जेल में ईको गार्डेन ले जाया गया है।

यूपी कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ राजभवन के घेराव का एलान किया था। प्रदर्शन में लखनऊ और आसपास के जिलों से कांग्रेस नेताओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन के कारण विधानभवन और राजभवन के पास घंटों जाम लगा रहा। प्रदर्शन को लेकर पुलिसकर्मी पहले से ही मुस्तैद थे और पूरी तैयारियां कर ली गई थीं। पुलिस से भिड़ंत के दौरान कई कार्यकर्ताओं को चोटें भी आई हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी सहित नसीमुद्दीन सिद्दीक़ी, नकुल दुबे, प्रदेश मीडिया संयोजक लल्लन कुमार, अंशू अवस्थी, मुकेश धनगर, अजय राय, योगेश दीक्षित, अनिल यादव, दिनेश सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल रहे।

रिश्वत का वीडियो वायरल होने पर यूपी आईपीएस अधिकारी के खिलाफ जांच

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने एक वायरल वीडियो की जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें एक आईपीएस अधिकारी अनिरुद्ध सिंह कथित रूप से रिश्वत मांग रहे हैं। पुलिस आयुक्त, वाराणसी को वीडियो की प्रामाणिकता की जांच करने के लिए कहा गया है, जो लगभग दो साल पुराना है। पुलिस कमिश्नर अगले तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। सिंह वर्तमान में पुलिस अधीक्षक (मेरठ ग्रामीण) के पद पर तैनात हैं। वीडियो उस समय का है जब सिंह वाराणसी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात थे। मेरठ जिले में एसपी ग्रामीण के पद पर नियुक्त आईपीएस अधिकारी अनिरुद्ध सिंह का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह वीडियो कॉल के जरिए एक व्यक्ति से बातचीत करते नजर आ रहे हैं।

अतीक अहमद के भाई अशरफ की मदद करने वाला एक और सिपाही गिरफ्तार

बरेली, 13 मार्च (एजेंसियां)। बरेली जिला जेल में बंद माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ से अवैध तरीके से उसके गुर्गों की मुलाकात करने के मामले में एसआईटी लगातार गिरफ्तारी कर रही है। अब एसआईटी ने पीलीभीत जेल के आरक्षी मनोज गौड़ को गिरफ्तारी की है। मनोज एक महीने पहले तक बरेली जिला जेल में तैनात था।

इससे पहले पकड़े गए बरेली जेल के आरक्षी शिवहरि अवस्थी के साथ मिलकर मनोज प्रयागराज से आने वाले गुर्गों की बिना पर्ची के अशरफ से जेल में अलग जगह ले जाकर मुलाकात करवाता था। सर्विलांस रिकॉर्ड में उसका नंबर मिलने के बाद कई और सबूत जुटाकर सोमवार को उसकी गिरफ्तारी की गई। सात मार्च को बरेली जिला जेल में तैनात सिपाही शिवहरि अवस्थी और जेल में सब्जी की सप्लाई करने वाले नन्हे उर्फ दयाराम को एसओजी और सर्विलांस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया था। इसके बाद जेल में अशरफ से मुलाकात करने वाले दो गुर्गों की गिरफ्तारी हुई। सिपाही शिवहरि पर आरोप है कि वह जेल में बिना पर्ची के अशरफ की मुलाकात उसके गुर्गों से अलग करवाता था। उसके गुर्गों से रुपये लेकर अशरफ तक पहुंचाता था। वहीं नन्हे पर आरोप है कि वह खाने-पीने की चीजें अशरफ तक पहुंचाता था। अब तक इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

एसआईटी कर रही है मामले की जांच

अशरफ से जेल में मुलाकात करने वाले गुर्गों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। इनमें अशरफ, उसका का साला सद्दाम और उसका साथी लल्ला गद्दी भी शामिल है। इस मामले की जांच एसआईटी कर रही है। सद्दाम और लल्ला गद्दी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिशें दे रही हैं।

जेल में अशरफ से मिले थे शूटर

प्रयागराज पुलिस ने एनकाउंटर और गिरफ्तारियों के बाद ही खुलासा कर दिया था कि उमेश पाल की हत्या की योजना साबरमती जेल में बंद अतीक अहमद और बरेली जेल में बंद उसके भाई अशरफ ने बनाई थी। शूटरों ने 10 और 11 फरवरी को बरेली जेल में अशरफ से मुलाकात की थी। इनमें विजय चौधरी उर्फ उस्मान, गुलाम और अजहर समेत नौ लोग शामिल थे।

शिक्षा मंत्री के बजट भाषण पर भाजपा विधायकों ने किया हंगामा, सदन से भी बाहर निकले

पटना, 13 मार्च (एजेंसियां)। होली की छुट्टियों के बाद सोमवार को विधानसभा का सत्र फिर से शुरू हुआ। आज सातवें दिन की बैठक की शुरुआत ही हंगामे से हुई। इधर, शिक्षा बजट पर कटौती का प्रस्ताव भाजपा द्वारा लाया गया। इधर, शिक्षा मंत्री डॉ. चंद्रशेखर ने जैसे ही अपने विभाग की बजट भाषण की शुरूआत की, वैसे भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। भाजपा विधायकों ने वॉकआउट कर दिया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है जो पीयेगा वह दहाड़ेगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरसंघचालक ने ग्रंथों की समीक्षा की बात कही। यह बात मैंने नहीं कही। शिक्षा मंत्री गीताप्रेस गोरखपुर से प्रकाशित रामचरित मानस को सदन में दिखाया। कहा कि इसके पेज नंबर 855 में तारणा का अर्थ सीधे पर पर दंडित करना लिखा है। उन्होंने मनुस्मृति में लिखे कई श्लोकों का भी जिक्र किया। एक इतिहासकार ने तो नरबलि की चर्चा की है। अब यह आवाम नरबलि नहीं बल्कि जवाब देना चाहता है। उन्होंने कहा कि आज भी दलित वर्ग के लोग घोड़ी नहीं चढ़ सकते हैं, मंदिर नहीं जा सकते हैं। यह नफरत वालों के राज में ऐसा हुआ। यहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री मंदिर गए तो प्रांगण को धो दिया गया। एक पूर्व राष्ट्रपति को जगन्नाथ मंदिर में गर्भगृह में प्रवेश नहीं करने दिया गया। यह कौन लोग हैं जो नफरत फैला रहे। आज भी सुपन भगत और सबरी का बेटा मंदिर नहीं जा सकता है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा वाले आज हंगामा कर रहे हैं, मगर यह तो बताइए आज देश में नौ साल से किसकी सरकार है। तब क्यों नहीं विकास किया। साजिश रचकर गरीबों के विश्वविद्यालय JNU को भी इनलोगों ने नहीं छोड़ा। बिहार की शिक्षा पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां मानव संसाधन की कमी है। यह कितनी खुशी की बात है कि बिहार बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा का है। शिक्षा को गुणवत्तापूर्व बनाने के लिए हमलोग अभियान चला रहे हैं।

टीईटी पास अभ्यर्थी बिना नौकरी के रोड पर घूम रहे

बजट पर चर्चा करते हुए विधायकों ने कहा कि जीवेश कुमार ने कहा कि पहले हस्ताक्षर से 10 लाख युवाओं को रोजगार का दावा करने वाले के राज्य में टीईटी पास अभ्यर्थी बिना नौकरी के रोड पर घूम रहे हैं। कई नौकरियों की सारी प्रक्रिया होने के बाद भी नियुक्ति रुकी हुई है। उन्होंने कहा कि बजट में बताने के लिए सरकार के पास नया कुछ नहीं था। कई प्रावधान तक पिछले वाले ही दुहरा दिए गए कि फलां करेंगे। जीवेश कुमार ने पिछले बजट के दौरान राजद के विधायकों के बयानों का एक-एक कर जिक्र किया और पूछा कि उस समय आप विपक्ष में थे तो यह बातें कह रहे थे, अब तो सत्ता पक्ष में हैं...जवाब दीजिए।

लाखों शिक्षक अभ्यर्थी नौकरी की तलाश में है

माले विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि बिहार के लाखों शिक्षक अभ्यर्थी नौकरी की तलाश में है। सातवें चरण की शिक्षक बहाली सरकार कब और किस नियमावली के तहत करेगी। शिक्षकों को लिए समान काम के लिए समान वेतन दिया जाए। पटना विश्वविद्यालय में जो फीस वृद्धि हुई है। उसे कम किया जाए। केंद्र की तरफ से इस देश की शिक्षा को वॉर जोन की तरह ट्रट किया जा रहा है। शिक्षा में फीस, वृद्धि, आरक्षण कटौती मोदी सरकार का ट्रेड मार्क बन चुकी है। शिक्षा का भगवाकरण किया जा रहा है। वीसी से लेकर PhD स्कॉलर के चयन तक आरएसएस विचारधारा के प्रति वफादार होना देखा जा रहा है।

दो नाबालिग लड़कियों से 6 युवकों ने किया गैंगरेप

फतेहपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के हुसैनगंज थाना क्षेत्र में छह युवकों ने दो नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया है। एसपी फतेहपुर राजेश कुमार सिंह के मुताबिक, सभी छह युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर आईपीसी की धारा 376 डी, 342, 323, 504, 506 और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना उस समय हुई जब लड़कियां गांव के मेले से लौट रही थीं। पीड़िताओं के मेडिकल परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है।

बीजेपी नेता का शव गन्ने के खेत में मिला

परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, पुलिस जांच में जुटी

बेतिया, 13 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया जिले में सोमवार सुबह गन्ने के खेत में बीजेपी नेता का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र माधोपुर पंचायत के वार्ड नंबर 3 की है। इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सदर एसडीपीओ मुकुल परिमल पांडे पहुंचे। उन्होंने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल अस्पताल भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मृतक की पहचान माधोपुर पंचायत के वार्ड नंबर 2 निवासी भुनेश्वर भगत (60) के रूप में की गई है। मृतक के बेटे विजय भगत ने बताया कि उनके पिता भुनेश्वर भगत गांव के ही अपने दोस्त कौशल सिंह के घर रविवार रात खाना खाने गए थे। लेकिन देर रात तक जब वह नहीं लौटे तब हम लोग कौशल सिंह के घर पूछताछ करने गए। जहां बताया गया कि आपके पिताजी खाना खाकर चले गए हैं। लेकिन सोमवार सुबह कौशल सिंह के घर के पास ही गन्ने के खेत में उनके पिता का शव मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पिता की हत्या कौशल सिंह ने ही अपने परिजनों के साथ मिलकर की है। सदर एसडीपीओ मुकुल परिमल पांडे ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मैं खुद पहुंचा था। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल अस्पताल भेज दिया गया है।

कहीं जायज तो कहीं समलैंगिक शादी पर मिलती है मौत की सजा

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। समलैंगिक शादी का मुद्दा देश में एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर समलैंगिक जोड़ों की शादी का विरोध किया है। सरकार ने हलफनामे में कहा कि समान लिंग वाले लोगों का साथी के रूप में साथ रहना अपराध नहीं है लेकिन इसे पति-पत्नी और बच्चों की भारतीय परिवार की इकाई के समान नहीं माना जा सकता। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब मोदी सरकार समलैंगिक शादी का विरोध किया हो, इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट में भी इसके खिलाफ खड़ी हुई थी।

अभी यह मामला क्यों चर्चा में आया? समलैंगिक शादी के खिलाफ सरकार के क्या तर्क हैं? समलैंगिक शादी पर अन्य देशों में क्या स्थिति है? किन देशों में इसे मान्यता मिली हुई है? किन देशों में ऐसा करने पर सजा का प्रावधान है? क्या भारत में समलैंगिक विवाह को मंजूरी मिल सकती है? अभी यह मामला क्यों चर्चा में आया?

एक समलैंगिक जोड़े ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर समलैंगिक शादी को मान्यता देने की मांग की है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। जिस पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया। इस हलफनामे में सरकार ने समलैंगिक जोड़ों की शादी का विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल जनवरी में विभिन्न उच्च न्यायालयों से समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिलाने वाली विभिन्न याचिकाओं को अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। यह मामला मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था। पीठ ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस भेजते हुए 15 फरवरी तक जवाब भी मांगा था।

विरोध में सरकार ने क्या तर्क दिए?

सरकार ने समलैंगिक विवाह के विरोध में सुप्रीम कोर्ट के सामने कई तर्क रखे। केंद्र ने कहा कि समलैंगिकों का जोड़े के रूप में साथ रहने और शारीरिक संबंध बनाने की, भारत की पारिवारिक इकाई की अवधारणा से तुलना नहीं हो सकती। भारतीय पारिवारिक इकाई की अवधारणा में एक पुरुष और महिला शादी करते हैं, जिसमें पुरुष 'पति' और महिला 'पत्नी' होती है। दोनों विवाह के बाद बच्चे पैदा करते हैं और पुरुष 'पिता' और महिला 'माता' बनती है। सरकार ने आगे कहा कि शादी को हमारे समाज में संस्था का दर्जा प्राप्त है, जिसका अपना सार्वजनिक महत्व होता है। शादी संस्था के कई अधिकार और दायित्व भी होते हैं। सरकार ने कहा कि विशेष सामाजिक संबंध के लिए मान्यता लेना कोई मौलिक अधिकार नहीं है।

केंद्र सरकार ने कहा कि समान लिंग वाले लोगों की शादी को मान्यता देने से मौजूदा पर्सनल लॉ का उल्लंघन होगा, जिनमें निषिद्ध संबंधों की डिग्री, शादी की शर्तें और अनुष्ठान की आवश्यकताएं आदि शामिल हैं। साथ ही घरेलू हिंसा कानून समेत कई कानूनी प्रावधान समलैंगिक शादी में लागू करना संभव नहीं है।

पहले भी समलैंगिक शादी के विरोध में रही है केंद्र सरकार

इसी तरह के एक मामले में 2021 में दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दायर एक हलफनामे में, केंद्र सरकार ने समलैंगिक शादी को मान्यता देने का कड़ा विरोध किया था। केंद्र ने कहा था भारत में विवाह को केवल तभी मान्यता दी जा सकती है, जब वह जैविक पुरुष और जैविक महिला के बीच हो जो संतान पैदा करने में सक्षम हों।

कितने देशों में समलैंगिक विवाह को मंजूरी मिल चुकी है?

दुनिया में अभी 33 ऐसे देश हैं, जहां समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी मिली हुई है। हालांकि, ज्यादातर देशों में अदालत के फैसले के बाद ही समलैंगिकों को ये अधिकार मिला। समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला सबसे पहला देश नीदरलैंड बना। इसके अलावा ऑस्ट्रिया, ताइवान, कोलंबिया, अमेरिका, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, क्यूबा, डेनमार्क, स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, माल्टा, फिनलैंड, ब्रिटेन जैसे देशों में भी समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी मिली हुई है।

कितने देशों में समलैंगिकता अवैध है?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, कम से कम पांच अन्य देशों - पाकिस्तान, अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और मॉरिटानिया में शरिया अदालतों के तहत समलैंगिक संबंधों पर मौत की सजा तक दी जा सकती है। ईरान, सोमालिया और उत्तरी नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में भी यही बात लागू होती है। वहीं 71 देशों में समान-लिंग संबंध अप्राकृतिक संबंध कानूनों के तहत विभिन्न प्रकार के अपराध की श्रेणी में आते हैं। इन सभी में देशों में समलैंगिक संबंधों पर जेल की सजा हो सकती है।

इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता चंद्र प्रकाश पांडेय ने बताया, 'छह सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने समलैंगिकता को अपराध मानने वाले 158 साल पुराने कानून को रद्द कर दिया था। मौजूदा चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ उस समय कानून रद्द करने वाली बेंच में शामिल थे। इस कानून के रद्द होने के बाद समलैंगिकों के हितों की चर्चा काफी तेजी से होने लगी थी। समलैंगिक विवाह के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट का ये ऐतिहासिक फैसला एक बड़ा आधार हो सकता है।' पांडेय के अनुसार, 'भारत में अधिकतर लोग अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार ही शादियां करते हैं। अलग-अलग धर्म के मैरिज एक्ट भी हैं।

कैथल के एसपी की फेक आईडी बनाकर मांगे रुपए

साइबर ठग के खिलाफ एक्शन में पुलिस डीएसपी भी हो चुका शिकार

कैथल, 13 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल में साइबर ठगों ने एसपी मकसूद अहमद की फेक आईडी बनाकर लोगों से पैसे की डिमांड की है। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इससे पहले कलायत के डीएसपी सज्जन सिंह का वॉट्सऐप पर फेक अकाउंट बनाकर रुपए हड़पे गए थे।

बताया गया गया है कि एसपी मकसूद अहमद की फेसबुक आईडी से फ़ोटो उठाकर इंस्टाग्राम की नई आईडी बनाई है। इसमें हूबहू इंस्टाग्राम पर एसपी की तरफ से डाली गई फ़ोटो फेक आईडी पर डाली गई गई हैं। इस मामले में एसपी का कहना है कि उन्हें सूचना मिली है। इसके बाद अज्ञात की जांच शुरू कर दी गई है।

नकली आईडी से मैसेज कर मांग रहा रुपए

एसपी की नकली आईडी बनाने के मामले में अज्ञात व्यक्ति एसपी के नाम से रुपए मांग रहा है। इसमें नकली आईडी से अज्ञात बोला कि आपसे काम है। कुछ रुपयों की जरूरत है।

आप रुपए दे दें, वह एक दिन बाद रुपए वापस कर देगा। करीब एक महीने पहले ही कलायत के डीएसपी सज्जन सिंह की फोटो व्हाट्सएप पर लगा कर उनकी जान पहचान के एक व्यक्ति से 25 हजार रुपये ठगे थे। अब पुलिस ने इस मामले में तीन नाबालिग आरोपियों को कस्टडी में लिया है।

लोगों को किया सचेत

एसपी ने उनकी इंस्टाग्राम पर नकली आईडी बनाने को लेकर स्वयं जानकारी दी है। उसमें लिखा है कि किसी ने फेक आईडी बनाई है और वह अब रुपयों की मांग कर रहा है। इसलिए सचेत रहे। इस आईडी की रिपोर्ट करें।

पुलिस की सख्ती से रुका कश्मीरी युवाओं का पाक में प्रशिक्षण

घाटी में घुसपैठ कराने पर भी लगाई रोक

जम्मू-कश्मीर, 13 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की सख्ती से कश्मीरी युवाओं के पकिस्तान जाकर आतंकवाद के प्रशिक्षण पर रोक लग गई है। इन्हें पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी पासपोर्ट के जरिये आतंकवाद का प्रशिक्षण देकर भारत में घुसपैठ कराती थी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बाद में भाड़े के सैनिकों के साथ घाटी में घुसपैठ कराने के तरीके पर भी रोक लगाई है। अधिकारियों ने बताया कि घुसपैठ के बाद पकड़े गए कुछ युवकों से पूछताछ में यह पता चला कि पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई आतंकवादियों पर किसी भी तरह घाटी से युवकों को लाने का दबाव डाल रही है, फिर चाहे वह शैक्षणिक और धार्मिक उद्देश्य के लिए हो या फिर सामाजिक समारोहों के बहाने।

उन्होंने बताया कि अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए कानूनी माध्यमों से पाकिस्तान जाने वाले कुछ कश्मीरी युवकों को भी लक्षित किया गया और यहां तक कि विस्फोटकों को संभालने और करीब से गोलीबारी करने का दो सप्ताह का प्रशिक्षण भी कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा अतिरिक्त जांच-पड़ताल के साथ एक नई व्यवस्था लागू करने के बाद आतंकवादी प्रशिक्षण के लिए वैध यात्रा दस्तावेज पर किसी के पाकिस्तान जाने की कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत, पासपोर्ट के लिए जिन पुलिस अधिकारियों को पृष्ठभूमि सत्यापन की प्रक्रिया सौंपी गई है, उन्हें यह जांचने के लिए कहा गया है कि क्या कोई व्यक्ति पथराव जैसी किसी कानून व्यवस्था से जुड़ी घटना में शामिल रहा है।

कांग्रेस विधायक जंडेल का चैलेंज

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मेरे सामने चुनाव लड़कर दिखाएं

श्योपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव के दिन नजदीक आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे नेताओं की सक्रियता, बयान सामने आने लगे हैं। अब श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल का बयान सियासी पारा चढ़ा रहा है। उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा को चुनौती दी है कि वे भाजपा के टिकट पर मेरे सामने यहां से चुनाव लड़कर दिखा दें, जनता हकीकत बता देगी।

बता दें कि एक दिन पहले श्योपुर जेदा कृषि उपज मंडी में सीएम शिवराज सिंह चौहान और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे।

मंच से कांग्रेस को जमकर कोसा था। इस दौरान वीडी शर्मा ने कहा था कि बीजेपी सरकार ने जितना विकास किया है उतना किसी ने नहीं किया होगा। आप लोगों ने पिछले चुनाव में कांग्रेस विधायक को जिता कर जो गलती की थी वह फिर से नहीं करें। वीडी शर्मा जब यह बयान दे रहे थे तब कार्यक्रम के मंच पर कांग्रेस विधायक जंडेल भी मौजूद थे। इस दौरान वीडी शर्मा के द्वारा बयान दिया जा रहा था तब लोग हंस पड़े थे और कुछ ने सीटी तक बजा डाली थी। इसके बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान ने जब पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर निशाना साधा तो विधायक जंडेल मंच से उठकर चले भी गए थे, कार्यक्रम के बाद उन्होंने वीडी शर्मा को चैलेंज किया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जी आप स्पष्ट करो कि श्योपुर में शासकीय कार्यक्रम था या भारतीय जनता पार्टी का। वो तो हमारे संस्कार हैं कि हम घर आये मेहमान की इज्जत करते हैं, और अगर आपकी इच्छा हो तो आप श्योपुर से भाजपा टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ लेना।

संजय सिंह ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा सदन में उठाया

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता और सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत नोटिस दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा मनीष सिसोदिया समेत तमाम विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया। सांसद संजय सिंह ने सोमवार को सभापति को पत्र लिखकर अपने नोटिस में कहा, केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं की अवैध गिरफ्तारी करवाकर केंद्रीय जांच एजेंसियों का घोर दुरुपयोग कर रही है। इससे भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर चोट पहुंच रही है। वर्तमान में देश में किसी भी गैर-भाजपा सरकार को काम नहीं करने दिया जा रहा है। इसलिए सूचीबद्ध कार्यों को स्थगित कर लोकतंत्र के हनन से जुड़े इस अति गंभीर विषय पर सदन में चर्चा कराई जाए।

उन्होंने कहा, झूठे मुकदमे लगाकर कभी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तो कभी सीबीआई के जरिए विपक्षी पार्टियों के नेताओं को दबाया जा रहा है और उनके जनसेवा के कार्यों को बाधित किया जा रहा है। बिना किसी सबूत के जांच एजेंसियां राज्य सरकारों के मंत्रियों तक को गिरफ्तार कर रही हैं। केवल पूछताछ के लिए किसी भी व्यक्ति को गिरफतार करना पूरी तरह से भारतीय कानूनों के खिलाफ है। संजय सिंह ने दावा करते हुए कहा, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली में शिक्षा की क्रांति लाकर दिल्ली मॉडल को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया है। ऐसे में केवल राजनीतिक द्वेष की भावना से ग्रसित होकर बिना किसी सबूत के उन्हें गिरफ्तार किया जाना बेहद निंदनीय है। गत 9 वर्षों में केवल आम आदमी पार्टी के नेताओं पर ही नहीं बल्कि अन्य विपक्षी दलों के सैकड़ों प्रतिष्ठित जनसेवकों के खिलाफ जांच एजेन्सियों का दुरुपयोग किया गया है। यह भारत की लोकतांत्रिक परम्पराओं के खिलाफ होने के साथ ही जनता की आवाज को खत्म करने का एक अनैतिक एवं असंवैधानिक प्रयास है। हालांकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लंदन में दिए बयान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के राज्यसभा में हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित हो गई।

पंजाब पुलिस अब शादियों में बजाएगी बैंड

मुक्तसर एसएसपी ने सर्कुलर किया जारी, 1 घंटे का 7 हजार रुपए चार्ज-गाड़ी खर्च भी देना होगा

लुधियाना, 13 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब की पुलिस अब लोगों के विवाह समारोह में भी बैंड बजाएगा। पुलिस कर्मचारियों ने शादी समारोह की भी बुकिंग शुरू कर दी है। 1 घंटे का 7 हजार रुपए चार्ज किया जाएगा। श्री मुक्तसर साहिब के एसएसपी हरमनदीप सिंह गिल ने बाकायदा इसके लिए सर्कुलर भी जारी किया है।

अकसर स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और बड़े सरकारी कार्यक्रमों में पुलिस बैंड की धुन को लोग सुनते थे। पुलिस का बैंड सिर्फ खास मौकों पर बजाया जाता है, लेकिन अगर अब पंजाब पुलिस का बैंड किसी शादी या फिर अन्य कार्यक्रमों में बजता हुआ दिखाई दे तो कहीं न कहीं अजब है।

सर्कुलर जारी कर दी गई सूचना

मुक्तसर पुलिस की ओर से इसके लिए एक सर्कुलर जारी कर शहवासियों को इस बारे में सूचना दी गई है। जिसमें कहा गया है कि घरेलू समारोह के लिए भी मुक्तसर पुलिस का बैंड बुक करवा सकते हैं। सर्कुलर के अनुसार कोई भी सरकारी या निजी व्यक्ति पुलिस का बैंड बुक करवा सकता है।

पुलिस बैंड की बुकिंग का रेट

मुक्तसर पुलिस की ओर से जारी किए गए सर्कुलर के अनुसार पुलिस बैंड की बुकिंग के अलग-अलग रेट निर्धारित किए गए हैं। जो कि प्रति घंटे के हिसाब से हैं। सरकारी कर्मचारियों को जहां एक घंटे की बुकिंग के लिए पांच हजार रुपए देने होंगे। वही प्राइवेट कर्मचारियों और आम लोगों से एक घंटे के सात हजार रुपए चार्ज किए जाएंगे। इसी तरह सरकारी कर्मचारी से हर अतिरिक्त घंटे के लिए 2,500 रुपए और जनता से 3,500 रुपए वसूले जाएंगे।

प्रति किलोमीटर 80 रुपए लेगी पुलिस

इसके अलावा बुकिंग करने वाले से 80 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से गाड़ी का खर्च पुलिस लाइन से उस समारोह तक जाने के लिए चार्ज किया जाएगा। पुलिस बैंड की बुकिंग के लिए पुलिस कंट्रोल रूम या पुलिस लाइन में संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा बैंड बुकिंग के लिए एक मोबाइल नंबर भी दिया गया है। 80549-42100 नंबर पर संपर्क कर बैंड बुक किया जा सकता है।

अनुराग ठाकुर : अनुच्छेद 370 हटाकर बीजेपी ने कांग्रेस की गलतियों को सुधारा

कोलार, 13 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर भारत की धरती को भारत का हिस्सा नहीं बताते। ये वही लोग हैं, जिनके कारण आज कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में है। उनकी गलतियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटाकर सुधारा है। वह कर्नाटक के कोलार में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बंगलूरू में अनुसूचित जाति-जनजाति मोर्चा समावेश को भी संबोधित किया।

इस दौरान अनुराग ने कहा कि जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार थी तब राहुल गांधी और सोनिया गांधी इसे एटीएम के रूप में इस्तेमाल करते थे। पैसा यहीं से जाता था। वहीं, जेडीएस की सरकार में तो कर्नाटक एक परिवार का एटीएम बनकर रह जाता था। उन्होंने कहा, जिस हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. को राहुल बंद करने की बात करते थे वह आज हेलिकॉप्टर निर्माण की देश की सबसे बड़ी फैक्ट्री कर्नाटक में लगा रही है।

भारत-बांग्लादेश सीमा : 81 लाख के 12 सोने के बिस्कुट सहित तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता, 13 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत (उत्तर 24 परगना जिला) सीमा चौकी तराली, 112वीं वाहिनी के जवानों ने तस्करों के मंसूबों को नाकाम करते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा से 12 सोने के बिस्कुटों सहित तस्कर को दबोचा। इन बिस्कुटों को तस्कर बांग्लादेश से भारत में पार करने की फिराक में था। दक्षिण बंगाल सीमांत के प्रवक्ता ने बताया कि घटना रविवार की है।

जवानों को पुख्ता सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गांव तराली से तारबंदी की तरफ आ रहा था, दरअसल गांव तराली तारबंदी से आगे जीरो लाइन के पास स्थित है। जवानों ने उसकी तलाशी ली तो उसकी कमर पर प्लास्टिक में लिपटे हुए 12 सोने के बिस्कुट मिले। जवानों ने तुरंत उसे सोने के साथ दबोचा लिया। तस्कर की पहचान अब्दुल लतीफ सरदार, जिला उत्तर 24 परगना के रूप में हुई। जब्त किए गए सोने का वजन 1,394 ग्राम है जिसका बाजार मूल्य 80,93,424 रुपये है। पकड़े गए तस्कर ने बताया की ये सोने के बिस्कुट उसे गांव नित्यानंदकाठी के निवासी मोंटू ने दिए थे। इसके बाद बीएसएफ ड्यूटी प्वाइंट को पार करके तस्कर मोंटू को ही वापस सौंपने थे। इस काम के लिए उसे 300 रुपये मिलने थे, लेकिन बीएसएफ जवानों ने उसे रास्ते में ही पकड़ लिया। पकड़े गए तस्कर और जब्त सोने के बिस्कुटों को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु कस्टम विभाग, टेंटूलिया को सौंप दिया गया। दक्षिण बंगाल सीमांत के प्रवक्ता ने बताया की तस्कर नए-नए तरीकों से तस्करी करने की कोशिश करते हैं। लेकिन बीएसएफ के जवानों की सतर्कता से तस्कर नाकाम हो रहे हैं।

सतीश कौशिक डेथ केस- जांच करने दिल्ली फार्म हाउस पहुंची पुलिस

विकास मालू के स्टाफ से पूछताछ की; पत्नी के आरोपों पर मालू बोले-सबूत दिखाएं

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। एक्टर सतीश कौशिक की मौत की तहकीकात करने के लिए दिल्ली पुलिस रविवार देर रात उस फार्म हाउस पहुंची जहां सतीश होली खेलने गए थे। पुलिस ने यहां रजिस्टर की जांच की और फार्म हाउस के कर्मचारियों से पूछताछ की।

दरअसल इस फार्म हाउस के मालिक विकास मालू की पत्नी शानवी मालू ने दावा किया था कि सतीश कौशिक की मौत प्राकृतिक नहीं थी, उनकी हत्या की गई थी। शानवी ने हत्या का आरोप अपने पति पर ही लगाया था। जानकारी के मुताबिक, पुलिस अब शानवी का बयान लेगी।

विकास मालू ने कहा-शानवी के पास सबूत हैं तो दिखाएं

इस मामले में विकास मालू ने अपनी पत्नी के आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा, 'अगर मैं गलत हूं तो मैं कुछ भी झेलने को तैयार हूं। अगर शानवी के पास मेरे खिलाफ सबूत हैं तो दिखाएं।' दरअसल, शानवी ने कहा था कि उसके पति विकास मालू ने 15 करोड़ रुपए के लेनदेन को लेकर सतीश कौशिक की हत्या की है।

सतीश कौशिक की पत्नी बोलीं-विकास की पत्नी के आरोप बेबुनियाद

एक्टर सतीश कौशिक की हत्या करने के दावे को उनकी पत्नी शशि ने खारिज कर दिया है और शानवी से केस वापस लेने के लिए कहा है। शशि ने कहा कि उनके पति होली पार्टी में शामिल होने के लिए विकास मालू के दिल्ली स्थित फॉर्म हाउस गए थे। दोनों अच्छे दोस्त थे। विकास खुद ही बहुत अमीर हैं तो ऐसे में उन्हें सतीश से पैसा लेने की जरूरत क्यों पड़ेगी। शशि ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि सतीश कौशिक को 98% ब्लॉकेज था और उनके सैंपल में कोई दवा नहीं थी। वह कैसे दावा कर रही है कि उनको ड्रग्स देकर मारा गया। मेरे पति के गुजरने के बाद उन्हें क्यों बदनाम कर रही हैं। इसके पीछे उनका कोई एजेंडा है।

शानवी मालू के आरोप... दवा के जरिए की गई सतीश की हत्या

शानवी ने शनिवार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर ऑफिस में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शानवी का आरोप था कि सतीश ने उसके पति को 15 करोड़ रुपए दिए थे, जिसे वे वापस मांग रहे थे। उसका पति ये पैसे चुकाना नहीं चाहता था। सतीश कौशिक की हत्या कुछ दवाइयों के जरिए की गई, जिसका इंतजाम उसके पति ने किया था।

पति ने ही सतीश कौशिक से मुलाकात कराई थी

आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने कहा कि 13 मार्च 2019 को उसकी शादी बिजनेसमैन विकास से हुई थी। विकास ने ही उसे सतीश कौशिक से मिलवाया था। इतना ही नहीं सतीश अक्सर पति-पत्नी से दुबई और भारत में मुलाकात भी किया करते थे।

पैसों को लेकर सतीश और पति के बीच झगड़ा भी हुआ

महिला के मुताबिक, 23 अगस्त 2022 को सतीश कौशिक दुबई में उनके घर आए थे और इस दौरान उन्होंने उसके पति से 15 करोड़ रुपए मांगे थे। महिला ने कहा- मैं ड्रॉइंग रूम में मौजूद थी, जहां सतीश और विकास के बीच बहस हो गई थी। कौशिक ने कहा कि उन्होंने तीन साल पहले ये पैसे इन्वेस्टमेंट के लिए दिए थे, लेकिन न इनसे निवेश किया गया और न लौटाया गया, इसलिए वे ठगा महसूस कर रहे हैं। सतीश ने पैसे मांगे लेकिन विकास ने देने से मना कर दिया।

पति ने दुबई में पार्टी दी, दाऊद का बेटा वहां मौजूद था

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार महिला ने दुबई में हुई एक पार्टी की फोटो भी शेयर की। महिला ने दावा किया कि उस पार्टी में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का बेटा भी मौजूद था। उसने बताया कि जब मैंने अपने पति से पूछा कि क्या मामला है, तो उसने कहा कि सतीश के रुपए कोविड के दौरान खत्म हो चुके हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 14 मार्च- 2023

महिला आरक्षण

एक बार फिर महिला आरक्षण कानून बनाने का जिन्न बोतल से बाहर निकल आया है। बता दें कि यह बिल करीब सत्ताईस साल से लटका हुआ है। इसे लेकर जब-तब विपक्षी दल ही सक्रिय होते दिखाई देते हैं जबकि सत्तादल की दिलचस्पी कम ही देखी जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सत्ता में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। लेकिन सवाल है कि क्या यह केवल सैद्धांतिक तौर पर एकजुटता जाहिर करने से ही हो पाएगा या फिर खुद राजनीतिक दलों को इसे व्यवहार में उतारना भी जरूरी होगा। बहरहाल, कुछेक मौके ऐसे आए जब संसद में इसे पारित कराने की कोशिश की गई, लेकिन तब विपक्षी दलों की तरफ से ही कुछ ऐसी एडंगेबाजी की गई कि यह बिल लटक गया और वह ऐसे ठंडे बस्ते के हवाले कर दिया गया कि बाहर निकलने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस बार इस मांग की अगुआई तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी और भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता ने की है। संयोग ऐसा कि जिस दिन कविता को बुलाया, उसी दिन वह अनशन पर बैठ गईं। उन्होंने इसे लेकर एक दिन की भूख हड़ताल भी की। उनके समर्थन में तमाम विपक्षी दलों के नेता आए। अब इसे संयोग कहा जाए या फिर सोची-समझी रणनीति कि जिस दिन प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें कथित आबकारी नीति घोटाले में पूछताछ के लिए बुलाया था, वही दिन उन्होंने भूख हड़ताल के लिए चुना था। उनके कार्यक्रम को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने उनसे पूछताछ का समय एक दिन आगे बढ़ा दिया। देखा जाए तो ऐसी हड़तालें और किसी मसले को लेकर किए जाने वाले आंदोलन अब नेताओं के लिए अपना चेहरा चमकाने का अवसर बनते जा रहे हैं। के. कविता ने भी इसे एक अवसर के रूप में चुना। नतीजतन दो दिन खबरों की सुर्खियां उनके ही नाम रही। बता दें कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने की मांग वर्षों पुरानी है। इससे संबंधित विधेयक भी तैयार किया गया था, मगर उस पर आम सहमति न बन पाने की वजह से वह कानून का रूप नहीं ले सका है। देखा जाए तो यह मामला इतना सीधा है भी नहीं, जितना समझाया जा रहा है। उसमें विभिन्न वर्गों और समुदायों आदि की महिलाओं को जगह दिलाना सबसे बड़ी चुनौती है। इस विधेयक में सबसे बड़ा सवाल यही छुपा है कि कहीं इस आरक्षण का लाभ केवल कुछ संपन्न और प्रभुत्वशाली तबके की महिलाएं ही न उठाती रहें। बता दें कि सबसे पेचीदा काम यही है कि सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और समाज के हाशिये पर रह रही महिलाओं को शासन की मुख्यधारा से कैसे जोड़ा जाए? इसलिए यह सुझाव भी दिया गया कि अगर राजनीतिक दल खुद नेतृत्व में महिलाओं को जगह देना शुरू कर दें, तो आरक्षण की दरकार ही नहीं रह जाएगी। सैद्धांतिक रूप से सभी महिला आरक्षण की बात बेशक करते हैं, लेकिन शायद एक भी राजनीतिक दल नहीं है, जिसके नेतृत्व की अगली कतार में एक तिहाई महिलाएं हैं। कार्यकर्ता के रूप में भले महिलाएं दिख जाएं, लेकिन पार्टी के अंदरूनी नेतृत्व में उनकी दखलंदाजी कम ही दिखाई देती है। यही हाल चुनाव जीतने के बाद मंत्री पद के बंटवारे में भी देखा जाता है। निस्संदेह सत्ता में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। एक दिनी आंदोलन करने वाली के. कविता को इसे अपनी पार्टी के स्तर पर भी उतारना होगा, तभी विश्वास बनेगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के समय कांग्रेस ने पचास फीसद सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारने का फार्मूला बनाया था, मगर चुनाव के बाद पार्टी नेतृत्व के स्तर पर वहां भी यह सिद्धांत लागू नहीं दिखाई दे रहा है। अपने ऊपर लगे अनियमितता के आरोपों से ध्यान भटकाने के मकसद से अगर के. कविता ने यह मुद्दा एक बार फिर से उठाया और इस बहाने विपक्षी दलों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास किया है, तो इससे उन्हें कुछ हासिल नहीं होगा। महिला आरक्षण को लेकर सभी दलों को व्यावहारिक रूप से सोचने की जरूरत है, तभी बात आगे बढ़ेगी।

ममता बनर्जी : एकला चलो की मजबूरी या राजनीतिक हैसियत की चिंता ?

अशोक भाटिया

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक बयान पिछले कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में हैं। 2024 के लोक सभा चुनाव में एकला चलो की चुनावी रणनीति से जुड़े बयान पर तमाम तरह की सियासी अटकलें लगाई जा रही है। कुछ लोगों का मानना था कि ममता बनर्जी इसी बहाने केंद्र की राजनीति में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहती हैं और खुद को विपक्ष का प्रधानमंत्री चेहरा बनवाना चाहती हैं। लेकिन ममता बनर्जी जब कहती है कि टीएमसी आगामी लोगकसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन नहीं करने वाली, तो ये उनकी मजबूरी और पश्चिम बंगाल में टीएमसी की राजनीतिक हैसियत को बनाए रखने की चिंता है। दरअसल ममता बनर्जी के सामने 2024 में विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि अपने घर को बचाने का,उनके पास इससे भी बड़ी चुनौती है । 2024 में पश्चिम बंगाल में टीएमसी की राजनीतिक हैसियत दांव पर होगी और इसकी वजह है राज्य में भाजपा का बढ़ता जनाधार। यही वजह है कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की जनता को ऐसा कोई संदेश नहीं देना चाहती जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में टीएमसी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए। ममता बनर्जी कहती है कि जो भी लोग भाजपा को हराना चाहते हैं, वे टीएमसी को वोट करेंगे। आगे बढ़कर वे कहती हैं कि जो लोग प्रधानमंत्री और कांग्रेस को वोट दे रहे हैं, वास्तविक रूप से भाजपा को ही वोट दे रहे हैं। इसी के साथ ममता बनर्जी साफ कर देती हैं कि 2024 में टीएमसी किसी के साथ नहीं जाएगी और राज्य की जनता के समर्थन के बल पर अकेले चुनाव लड़ेंगी। ममता बेनर्जी के इतिहास को खंगाले तो साल 1997 था महीना था, दिसंबर। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के बड़े नेताओं में शामिल ममता बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें ऐलान किया कि वो और उनके समर्थक ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। ममता की प्रेस कॉन्फ्रेंस चल ही रही थी कि खबर आई कि उन्हें कांग्रेस से 6 साल के लिए बाहर कर दिया गया है। शायद पार्टी के इस फैसले का अंदाजा ममता को पहले ही हो चुका था।राजीव गांधी तक पहुंच रखने वालीं ममता को निकालने का फैसला तुरंत नहीं लिया गया था, बल्कि उनके और कांग्रेस के बीच कई साल से वैचारिक मतभेद चल रहे थे। पार्टी में उनके सबसे बड़े विरोधी उस वक्त के बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष सोमेंद्र नाथ मित्रा थे। ममता मित्रा को तरबूज कहकर बुलाती थीं, क्योंकि तरबूज अंदर से लाल होता है और वामपंथियों का रंग भी लाल है।ममता को लगता था कि मित्रा वामपंथियों के समर्थक हैं, और ममता वामपंथियों की सबसे बड़ी बड़ी दुश्मन थीं। बाद में ममता की सोनिया से भी कई मुद्दों पर असहमति रही और उन्होंने 1 जनवरी 1998 को नई पार्टी बना ली। तब से अब तक टीएमसी को 25 साल हो चुके हैं, लेकिन पार्टी पश्चिम बंगाल के बाहर कहीं भी सरकार नहीं बना सकी। सरकार बनाना तो दूर की बात है टीएमसी बंगाल के बाहर किसी भी राज्य में अपने दम पर दहाई के आंकड़े पर भी नहीं पहुंच पाई हैं। 2021 में मेघालय में जरूर टीएमसी के 12 विधायक हो गए थे, लेकिन वो सभी कांग्रेस से टीएमसी में आए थे। टीएमसी के टिकट पर जीते हुए विधायक नहीं थे।टीएमसी 2001 में असम, 2005 में यूपी, 2009 में अरुणाचल प्रदेश, 2009 में केरल, 2012 में मेघालय-मणिपुर, 2014 में तमिलनाडु, 2017 में पंजाब, 2018 में त्रिपुरा, 2021 में हरियाणा, 2021 में बिहार, 2022 में गोवा पहुंची। कहीं चुनाव लड़ा, तो कहीं पार्टी ने एक्टिविटी शुरू कीं, लेकिन इनमें से किसी भी राज्य में पार्टी सरकार नहीं बना सकी। 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में सागरदिघी सीट टीएमसी के सुब्रत साहा ने 50 हजार वोटों से जीती थी, लेकिन 22 महीने बाद ही यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई। कांग्रेस कैंडिडेट की जीत का मार्जिन भी 23 हजार वोटों का रहा। सागरदिघी में 64% मुस्लिम पॉपुलेशन है। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं क्या बंगाल का मुस्लिम भी दीदी से नाराज चल रहा है।पश्चिम बंगाल में मुस्लिमों की आबादी 27% है और चुनाव जीतने में ये तबका बड़ा रोल प्ले करता है। अब तक मुस्लिम ममता बनर्जी को एकतरफा जिताते आए हैं। लोकसभा चुनाव के पहले ममता को मिल रहे संकेत ठीक नहीं लग रहे। पश्चिम बंगाल में बड़े लेवल पर करप्शन के मामले सामने आए हैं।टीचर्स रिक्रूटमेंट में हजारों टीचर्स सड़क पर बैठे। हाईकोर्ट ने भी हायरिंग प्रॉसेस में करप्शन होने की बात कही। बीरभूम में जो हिंसा हुई, उसमें माइनॉरिटी कम्युनिटी के लोग ही मारे गए। ममता सरकार में नंबर दो रहे मंत्री से लेकर उनके खास अनुब्रत मंडल तक सलाखों के पीछे हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि ममता के लिए बंगाल को बचाना ही अभी चुनौती हो गया है। कहते हैं कि मौजूदा भारतीय राजनीति में शरद पवार को छोड़ दिया जाए तो ममता बनर्जी के बराबर सीनियर और अनुभवी नेता कोई नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी भी उनसे जूनियर हैं, क्योंकि ममता इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के दौर से राजनीति कर रही हैं और नरसिम्हा राव सरकार में भी मंत्री रहीं।आगे कहा जाता हैं कि 'मौजूदा दौर में कांग्रेस बिना किसी नीति के राजनीति कर रही है। वो केरल में वामपंथियों के खिलाफ लड़ते हैं।

उनके नेता राहुल गांधी वहां से वामपंथियों को हराकर चुनाव जीतते हैं, लेकिन बंगाल में वामपंथियों के साथ मिलकर टीएमसी के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। ऐसे में कांग्रेस पर कैसे भरोसा किया जाए। हां, यदि कांग्रेस अपनी दम पर 140 तक सीटें लाती है तो अपने आप उसकी जगह बड़ी हो जाएगी। 40-50 सीटें जीतकर आप खुद को बड़ा बाबू समझेंगे तो कैसे काम चलेगा।' टीएमसी ने लोकसभा में 40 सीटें जीतने का टारगेट रखा है। नई स्ट्रैटजी से काम शुरू कर दिया है। कहा जाता हैं कि, भाजपा आज इतनी मजबूत सिर्फ कांग्रेस की वजह से हुई है। कांग्रेस अपना काम सही तरीके से करती तो लोकसभा में स्थिति अलग होती है। ये भी तय है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दू-मुस्लिम के बीच वोटों के ध्रुवीकरण की वजह से भाजपा बड़ी ताकत बनते गई है। लेकिन सागरदिघी उपचुनाव के नतीजों से ममता बनर्जी को डर सता रहा है कि मुस्लिम वोट उसके पाले से निकलकर कांग्रेस के पास जा रहा है और अगर 2024 के चुनाव में भी ऐसा ही हुआ तो ये भाजपा के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा। ममता बनर्जी की असली चिंता ये है कि अगर 2024 के चुनाव में कांग्रेस और सीपीएम अगर मिलकर टीएमसी के परंपरागत वोट में से थोड़ा बहुत भी हासिल करने में कामयाब रही है, तो भाजपा बहुत आसानी से टीएमसी से ज्यादा सीटें जीत लेगी। इसलिए वो राज्य की जनता को ये संदेश दे रही हैं कि 2024 में तृणमूल कांग्रेस का सिर्फ पश्चिम बंगाल के लोगों के साथ चुनावी गठबंधन होगा। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में 2024 में मुकाबले को टीएमसी बनाम भाजपा ही बनाए रखना चाहती है। इसमें वो कांग्रेस या सीपीएम को हिस्सेदार कतई नहीं बनाना चाहती है। अगर वो इन दलों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी तरह के गठबंधन का हिस्सा बनने को राजी हो जाती हैं, तो पश्चिम बंगाल में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त धुर्वीकरण हो सकता है और इसी को रोकने के लिए ममता बनर्जी को बार-बार कहना पड़ रहा है कि वो टीएमसी एकला चलो की नीति पर ही 2024 के चुनाव में उतरेगी। सीपीएम और कांग्रेस के साथ दूरी बनाए रखना सिर्फ 2024 के लोकसभा चुनाव के नजरिए से ही ममता बनर्जी की मजबूरी नहीं है। जिस तरह से 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदर्शन किया है, ममता बनर्जी कतई नहीं चाहेंगी किआगामी लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा ऐसा प्रदर्शन कर दिखाए, जिससे यहां कि जनता आगामी विधानसभा चुनाव यानी 2026 में भाजपा को ही टीएमसी का विकल्प समझने लगे।

मासूमों के साथ दरिंदगी मानवता शर्मसार!

मनोज कुमार अग्रवाल

मासूमों के साथ दरिंदगी की बढ़ती वारदातें निश्चित तौर पर समूची मानवता को शर्मसार करती हैं। पिछले चौबीस घंटे में ही दर्जन भर वारदातें बता रही है कि यौन दुराग्रही समाज के भीतर छिपे है और समाज को यौन हिंसा से बर्बाद कर रहे हैं। मासूम बच्चों के साथ दरिंदगी की कुछ वारदातें जो महज चोबिस घंटों के भीतर सामने आई है यह बता रही हैं कि हर शहर में मासूमों को कुचलने वाले दरिंदे मौजूद हैं। उत्तरी दिल्ली के गुलाबी बाग इलाके में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने सात-वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी व्यक्ति (60) पीड़िता का पड़ोसी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार की रात नाबालिग लड़की अपनी मां के साथ थाने आई थी। बच्ची की मां के अनुसार, दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली उसकी बेटी ने शिकायत की थी कि उसका पड़ोसी पिछले आठ-दस दिनों से उसका यौन उत्पीड़न कर रहा है। पुलिस ने पीड़िता की मां के हवाले से बताया, आरोपी व्यक्ति ने किशोरी के कपड़े उतार दिए और उसके निजी अंगों को छुआ और जब लड़की ने अपनी मां को इसके बारे में बताया, तो वह (मां) आरोपी से भिड़ गई तथा उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया। रात के करीब साढ़े दस बजे पुलिस को झगड़े की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि थाने में दर्ज महिला के बयान के आधार पर, आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा-छह के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया गया वहीं उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद में ही मासूमों के साथ दरिंदगी के दो मामले सामने आए हैं। लोनी क्षेत्र में जहां 5 वर्षीय बच्ची से रेप हुआ है, वहीं भोजपुर इलाके में 9 साल के बच्चे के मुंह में कपड़ा ठूंसकर कुकर्म किया गया है। दोनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। लोनी थाना क्षेत्र के चिरौड़ी इलाके में राजमिस्त्री का परिवार रहता है। शुक्रवार को राजमिस्त्री और उनकी काम पर चले गए। घर में पांच साल की बच्ची अकेली मौजूद थी। पीछे से पड़ोस में रहने वाला 25 वर्षीय युवक आ गया और उसे बिस्किट खिलाने के बहाने अपने घर पर ले गया।वहां पर उसने बच्ची से दुष्कर्म किया। शाम को मां-बाप घर आए तो बच्ची ने रोते हुए सब बताया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गाजियाबाद जनपद के ही भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में भी 9 साल के मासूम से कुकर्म का मामला सामने आया है। दो नाबालिग अपने एक साथी को बहला-फुसलाकर ट्यूबवैल पर ले गए और वहां उसके साथ गंदा काम किया। विरोध करने पर आरोपियों ने बच्चे की पिटाई की।इतना ही नहीं, उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, जिससे वो शोर न मचाने पाए। वारदात के बाद बच्चा किसी तरह अपने घर पहुंचा और जानकारी दी। इसके बाद परिवार ने थाना भोजपुर पर आकर एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने 10 घंटे के भीतर ही दो बाल अपचारियों को हिरासत में ले लिया है। दोनों आरोपी 15 और 13 साल के बताएं गए हैं।

बढ़ती सुख-सुविधाएं रौंद रही मनुष्यता

डॉ सत्यवान सौरभ

नैतिक मूल्य एक व्यक्ति के भीतर स्थायी विश्वास और विचार हैं और अच्छे या बुरे के लिए प्राथमिकता को दर्शाते हैं। आधुनिक समय में कई समाजों ने मानव जीवन के प्राथमिक लक्ष्य के रूप में भौतिक संपदा, शक्ति और स्थिति के संचय पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है। इसने एक अच्छे जीवन की एक संकीर्ण परिभाषा को जन्म दिया है, जहाँ सफलता को दूसरों की कीमत पर अक्सर भौतिक संपत्ति जमा करने की क्षमता से मापा जाता है। अच्छे जीवन की एक संकीर्ण धारणा, नैतिक मूल्यों के संकट की ओर ले जा रही है। जैसे भ्रष्टाचार का मुद्दा अच्छे जीवन की संकीर्ण धारणा से पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा, सामाजिक उत्तरदायित्व और ईमानदारी जैसे मूल्यों का ह्रास होता है। इससे जनहित के स्थान पर निजी स्वार्थों को बढ़ावा मिला है। जलवायु परिवर्तन वर्षों से कभी न खत्म होने वाली मानव मांगों की पूर्ति ने ग्रह के संसाधनों पर जबरदस्त दबाव डाला है। ग्रह एक अभूतपूर्व दर से गर्म हो रहा है, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, और वन्य जीवन गायब हो रहा है। ये सभी आपदाएं अति-भौतिकवाद की आसक्ति से उत्पन्न हुई हैं। उदाहरण के लिए, जोशीमठ में संकट पारिस्थितिकी या पारिस्थितिकी तंत्र पर अर्थशास्त्र को चुनने का परिणाम है। अक्सर यह कहा जाता है कि ₹असीमित शक्ति उन लोगों के दिमाग को भ्रष्ट करने के लिए उपयुक्त होती है जिनके पास यह होता है₹। एक हालिया उदाहरण एक सिविल सेवक का है, जिसने खेल स्टेडियम को कुत्तों के टहलाने के लिए खाली करा दिया और वहाँ से एथलीटों को जाने के लिए कहा गया। आज किसी से यह पूछा जाए कि आपका लक्ष्य क्या है तो वह यही कहता है कि पैसा। उसको पाने के लिए कुछ भी कर गुजरने की ललक उनमें है। चाहे वह गलत रास्ते अपनाकर ही क्यों न पूरी करनी पड़े। न जाने कितने ही ऐसे उदाहरण देखने को मिल जाएंगे जो यह दर्शाते हैं कि युवा वर्ग खुद में नैतिक मूल्यों को कितना गिरा चुके हैं।

दुख तो इस बात पर होता है कि शिष्टाचार, संस्कार व नैतिकता की उन्हें पहचान ही नहीं और न ही वह इसको मानने को तैयार हैं। आज की युवा पीढ़ी तो पागल हाथी की तरह नैतिकता व संस्कारों को भुलाकर अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को रौंदते हुए चली जा रही है। वह इस बात से बेखबर हैं कि जब भी जमीन पर गिरेंगे तो क्या हाल होगा। यह सिर्फ नैतिक मूल्यों की कमी के कारण ही हो रहा है। जिस महान धरा पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम व अर्जुन जैसे महान विभूतियों का जन्म हुआ है। आज उसी धरा से शिष्टाचार, नैतिकता व संस्कार खोते जा रहे हैं। संस्कार हमें सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाते हैं। जब हम अपने आदर्श, संस्कार व उद्देश्य भूल जाते हैं तो असफलताएं ही हाथ लगती हैं। कड़वा सच यह है कि आज के युवाओं को संस्कार, आदर्श व सिद्धांत का पता ही नहीं है। अगर ईमानदारी से सोचें तो अनैतिकता व अशिष्टता को फैलाने वाले कोई और नहीं अपितु हम ही हैं। उनको सहेजने के लिए भी हमें ही कदम उठाने होंगे। अपने बच्चों को अच्छे संस्कार व शिक्षा दें। बच्चा कोरे कागज की तरह होता है उस कोरे कागज पर संस्कारों, नैतिक मूल्यों व शिष्टाचार की तहरीर लिखना हमारा फर्ज है। अभी तक भी समय है और आज से ही हमें शपथ लेनी होगी कि युवाओं पर दोष मढ़ने के बजाय बच्चों को संस्कार, नैतिक मूल्य व शिष्टाचार को सिखाएं। साधन के बजाय साध्य पर ध्यान देने से आज धन, आधुनिक विलासिता और कामुक सुख पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

इन साधनों को प्राप्त करने के लिए यथोचित माध्यम को महत्व नहीं दिया जाता है, जिससे नैतिक मूल्यों की उपेक्षा की जाती है। इससे क्रोनी कैपिटलिज्म, घोटाले, अपराध और समाज में बढ़ती असमानता बढ़ती है। गांधीवादी सिद्धांतों के खिलाफ होने से अच्छे जीवन की संकीर्ण धारणा, गांधीवादी 7 सामाजिक पापों की ओर ले जा रही है, जो समाज को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, काला धन और कर चोरी- 'बिना काम के धन' का परिणाम है, इसी प्रकार हिरोशिमा और नागासाकी में बमबारी- 'मानवता के बिना विज्ञान' को दर्शाता है। असंतोष, अलगाव, उपद्रव, आंदोलन, असमानता, असामंजस्य, अराजकता, आदर्श विहीनता, अन्याय, अत्याचार, अपमान, असफलता अवसाद, अस्थिरता, अनिश्चितता, संघर्ष, हिंसा... यही सब घेरे हुए है, आज हमारे जीवन को। व्यक्ति में एवं समाज में साम्प्रदायिकता, जातीयता, भाषावाद, क्षेत्रीयतावाद, हिंसा की संकीर्ण कुत्सित भावनाओं व समस्याओं के मूल में उत्तरदायी कारण है। यदि बच्चों के परिवेश में नैतिकता के तत्व पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं तो परिवेश में जिन तत्वों की प्रधानता होगी वे जीवन का अंश बन जायेंगे।इसीलिए कहा जाता है कि मूल्य पढ़ने नहीं जाते, अधिग्रहित किये जाते हैं। नैतिक मूल्यों के संकट का समाधान करने के लिए अच्छे जीवन की समग्र दृष्टि को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। जीवन का सही अर्थ खोजने के लिए, बुद्ध ने अपना घर और धन छोड़ दिया। राजा हरिश्चंद्र, महात्मा गांधी और डॉ. कलाम के जीवन से कोई भी व्यक्ति सच्चाई, धार्मिकता, ईमानदारी और करुणा के मूल्यों को सीख सकता है। नैतिक मूल्यों के व्यापक आयामों पर जोर देने से, विशेष रूप से व्यक्तियों और समग्र रूप से समाज के दीर्घकालिक कल्याण को सुनिश्चित किया जा सकता है।

सर्पदंश : पहचान और लक्षण

भारत में तीन सौ से ऊपर मिलने वाली सर्प प्रजातियों में ज्यादातर सांप विषहीन होते हैं। मतलब उनके काटने पर अज्ञानता और भय के कारण हार्ट अटैक भले हो जाय अन्यथा मृत्यु होने की कोई संभावना नहीं है। जबकि विषैले सांप जिनकी संख्या ऊंगलियों पर गिनी जा सकती है के काट लेने पर बिना ऐन्टीवेनम के उपचार दिये मृत्यु की संभावना अधिक होती है। कई बार विषैले सांप भी 'झूठा दंश' (ड्राई /फाल्स बाइट) करते हैं जिसमें वे विष नहीं इंजेक्ट करते। चूंकि सर्पविष में पाचक एंजाईम होते हैं इसलिये उसे बचा कर रखने की प्रवृत्ति सांपों में होती है। भारत के चार विषधर सांप - कोब्रा (नाग), करैत, रसेल वाईपर और सा स्केल्ड वाईपर ही बहुतायत मिलते हैं जिन्हें सर्प चौकड़ी (बिग फोर) के रुप में जाना जाता है। जिनमें कोब्रा और करैत का विष स्नायुविषैला (न्यूरोटाक्सिक) होता है जबकि रसेल और सा स्केल्ड वाईपर रक्त विषैले (हीमोटाक्सिक) होते हैं। स्नायुतंत्र पर घातक प्रभाव पड़ने से श्वसन तंत्र निष्क्रिय हो जाता है और मौत होती है जबकि हीमोटाक्सिक विष के प्रभाव से खून के थक्का बनने से ह्दयाघात हो जाता है। आईये इन सांपों के दंश की पहचान और लक्षणों के बारे में जानें।*कोब्रा - दंश स्थल कुछ मिनटों में ही सूज जाता है। हाथ पैर शक्तिहीन से होने लगते हैं। पलकें भारी हो उठती हैं जिन्हें ऊपर उठाना मुश्किल होता जाता है। मुंह से लार /झाग बाहर निकलने लगता है। पसीना होता है और उल्टी होती है। यदि समय से ऐन्टीवेनम उपचार न मिला तो श्वसन पेशियों के लकवाग्रस्त होने से मृत्यु हो जाती है।*करैत - यह भी न्यूरोटाक्सिक विषधर है। मगर कोब्रा के जहर से लगभग दुगुना अधिक घातक। खैरियत बस इतनी की एक बार के दंश में कोबरा की तुलना में विष की मात्रा बहुत कम। इनके विषदंत कोब्रा की तुलना में बहुत छोटे और महीन होते हैं। ज्यादातर लक्षण कोब्रा दंश ही जैसे मगर दंशस्थल पर सूजन नहीं होती। दंशस्थल पर जलन भी नहीं होती। अक्सर रात में काटता है। चारपाई पर चढ़कर काट सकता है यदि दब गया। रात में दंश होने पर स्पष्ट लक्षण के अभाव में लापरवाही के चलते मृत्यु होती है। हलांकि इसके काटने के कुछ समय बाद ही पेट में और हाथ पैर के जोड़ों में असहनीय दर्द हो सकता है। इस सांप को लेकर ही कहा जाता कि दंशित व्यक्ति सुबह का सूरज नहीं देख पाता।*रसेल वाईपर : हीमोटाक्सिक विष । काटने के स्थान अधिक दर्द और सूजन । कोब्रा की तुलना में बड़े विषदंत होने के कारण घाव स्पष्ट। दंशस्थल पर छाले(Blisters) पड़ते हैं। दंशग्रस्त की नाड़ी अनियमित हो जाती है। -नाक मुंह और मूत्र के जरिये रक्तस्राव। यह सांप पहले उत्तर प्रदेश से रिपोर्टेड नहीं था मगर पिछले कुछ सालों से पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों से मिलने की सूचना है। देखने में अजगर का भ्रम होने से कई लोग दंश का शिकार हो जाते हैं। वैसे यह कुंडली मारकर तेज कुकर की सीटी सा आवाज निकालता है। जिससे सावधान हो जाना चाहिए।*सा स्केल्ड वाईपर : दंशस्थल पर तीव्र जलन जो पूरे दंशित हाथ पांव तक फैलती जाती है। दंशस्थल से तीव्र रक्तस्राव। मसूड़ों और पेशाब से भी रक्तस्राव। तेज कमजोरी। इन पहचानों और लक्षणों से विषैले सांप के दंश की जानकारी हो जाती है। वैसे ज्यादातर मामलों में काटने वाला सांप दिखाई दे जाता है। करैत के मामले में कभी कभी भ्रम बना रह सकता है। इसलिए रात में किसी भी तरह के दंश की स्थिति में, भले ही लगे कि चूहा या छछूंदर ने काटा है तुरंत योग्य चिकित्सक या जिला अस्पताल दंशित व्यक्ति को ले जाना चाहिये।

-डॉ अरविन्द मिश्रा

पाकिस्तान में हिंदू जनसंख्या घटने के कारण ?

मुनीष त्रिपाठी

कभी आर्यावर्त अर्थात भारत के सप्तसैंधव प्रदेश आज के पाकिस्तान में वेदों की ऋचाओं के द्रष्टा और रचयिता निवास करते हो जहां वेदों की ऋचाओं का उदघोष और गायन होता रहा हो वहां उसी भूभाग में वेदों के अनुयाई हिंदुओं की दुर्दशा लगातार हो रही है। हाल ही में पाकिस्तान के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के 15 छात्रों को एक कट्टरपंथी इस्लामी छात्र संगठन के सदस्यों द्वारा कराची विश्वविद्यालय परिसर में होली मनाने से रोकने को लेकर हुए विवाद के दौरान घायल कर दिया गया। लगातार इस तरह की यह दूसरी घटना थी । इसके एक दिन पूर्व ही पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ कॉलेज में भी ऐसी ही घटना हुई थी जब करीब 30 हिंदू छात्र होली मनाने के लिए जमा हुए थे। इस दौरान उन पर हुए हमले में कई हिंदू छात्र घायल हो गए थे। कराची विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि सिंधी विभाग में एक घटना हुई थी जहां हिंदू और अन्य छात्र होली मना रहे थे और एक दूसरे पर रंग फेंक रहे थे और इसी दौरान कुछ छात्रों ने उन पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया । डर के कारण एक हिंदू छात्रा ने अन्य छात्रों के साथ मास्क पहनकर बाद में पूरी घटना को रेखांकित करते हुए ट्विटर पर एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा इस्लामी जमीयत तुलबा के कार्यकर्ता आए और परिसर में होली मना रहे छात्रों पर हमला किया उन्होंने कई छात्रों को पीटा। छात्रा ने कहा उन्होंने छात्राओं को भी परेशान किया और हमें उस जगह से जाना पड़ा। हम होली का त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए थे। मैं चाहती हूं कि सरकार और विश्वविद्यालय जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करे। होली के दौरान ही हिंदुओ के खिलाफ हुई हिंसा के बाद ही पाकिस्तान में एक प्रसिद्ध हिंदू चिकित्सक की हत्या कर दी गई। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक डॉक्टर की उन्हीं के ड्राइवर ने गला काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना के बाद से एक बार फिर से पाकिस्तान में अल्पसपंख्यकों में दहशत का माहौल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्किन स्पेशलिस्ट डॉ धर्मदेव राठी की उनके ही ड्राइवर ने हत्या कर दी थी। देर रात घर लौटने के बाद उनके ड्राइवर ने चाकू से उनका गला रेत दिया। पाकिस्तान के हैदराबाद शहर के रहने वाले डॉ धर्मदेव राठी के ड्राइवर ने उनके घर पहुंचने के बाद किचन से ही चाकू निकालकर राठी का गला काटकर हत्या कर दी। आरोपी ड्राइवर की पहचान हनीफ लेघारी के तौर पर हुई है और पुलिस ने उसे घटना के एक ही दिन बाद गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर के घर पर खाना बनाने वाले शख्स ने पुलिस को बताया कि डॉक्टर और ड्राइवर के बीच रास्ते में ही कहासुनी हो गई थी। ड्राइवर जब घर पहुंचा तो उसने किचन से चाकू लिया और घर के अंदर ही डॉक्टर की गला रेतकर हत्या कर दी। इस घटना को अंजाम देने के बाद ड्राइवर, डॉक्टर राठी की गाड़ी से फरार हो गया। मृतक डॉक्टर डॉ राठी हैदराबाद के जाने-माने और सम्मानित डॉक्टरों में शुमार थे। पाकिस्तान में लगभग लगातार प्रतिदिन किसी न किसी अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्तियों की प्रताड़ना और हिंसा की खबरें आती रहती है। हालात यह है कि वहाँ के अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देखते रहते है इसीलिए बीते सालों में पाकिस्तान से भारत की ओर अल्पसंख्यक समुदाय खासकर हिंदुओं का पलायन काफी बढ़ा है । पाकिस्तान में लगातार अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हो रही घटनाओं से बदतर हालात बनते जा रहे है। अल्पसंख्यक समुदाय खासकर हिंदुओं को हर समय ईशनिंदा कानून का भय सताता रहता है । हिंदू लड़कियों के अपहरण,जोर जबरदस्ती से शादी की घटनाएं दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ रही है । हिंदुओ का जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयास किये जा रहे है । इन प्रयासों के कारण हिंदुओं का धर्मान्तरण भी तेजी से हो रहा है।पाकिस्तान में बटवारे के पहले पाकिस्तान में हिंदुओ की जनसंख्या लगभग 22 प्रतिशत थी । परन्तु बटवारें के बाद पाकिस्तान में 1951 की जनगणना के अनुसार घटकर 14.20 रह गई । हिंदुओं का कुछ सालों में गिरता यह प्रतिशत हिंदुओं का बड़ी संख्या में पाकिस्तान से भारत में पलायन की ओर ही इंगित करता है। बीते सालों में लगातार पाकिस्तान से हिंदुओं की संख्या घटती ही रही वर्तमान में यह घटकर दो प्रतिशत से भी कम हो गई । आखिर हिंदुओं की जनसंख्या में भारी मत प्रतिशत में गिरावट का कारण क्या है ? इसके तीन ही कारण हो सकते है । प्रथम यह है कि उनका भारी मात्रा में कत्लेआम हुआ हो लेकिन यह प्रतीत नही होता। दूसरा कारण उनका अपने देश से पलायन हुआ हो यह सच है कि प्रताड़ना और हिंसा के चलते उनका पलायन पाकिस्तान से भारत की ओर हुआ हो परंतु इतना भी नही कि इस कारण से उनकी जनसंख्या में पाकिस्तान में इतनी कमी हो जाये । तीसरा सबसे महत्वपूर्ण कारण जो सबसे सटीक बैठता है वह है धर्मान्तरण का ।

चंडी मंदिर में दिनों दिन बढ़ रही देवी की महा प्रतिमा

महासमुंदः विकासखंड बागबाहरा के ग्राम घुंचपाली में चंडी माता का मंदिर स्थित है। जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर यह मंदिर काफी प्राचीन है। जानकर बताते हैं कि प्राचीन काल से मां चंडी माता आदिशक्ति का यह मंदिर तंत्रोक्त सिद्धि के लिए जाना जाता था। जहां सिर्फ तांत्रिक और अघोरियों का ही आना-जाना था। साल 1950-51 के आसपास लोगों के लिए चंडी माता मंदिर को खोल दिया गया।

मंदिर के पुजारी टुकेश्वर प्रसाद तिवारी दावा करते हैं कि चंडी माता की प्रतिमा की ऊंचाई दिनों दिन बढ़ रही है। शुरुआत के दिनों में यह प्रतिमा छोटी थी। वर्तमान में मूर्ति की ऊंचाई 23 फीट है। बताया कि चंडी माता की इस प्राकृतिक महा प्रतिमा को देखने के लिए विदेश से भी लोग आते हैं। यह मंदिर कई पहाड़ियों से घिरा हुआ है, इसलिए यहां का नजारा भी मनोरम है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को दो पहाड़ियों के बीच से होकर गुजरना पड़ता है।

दर्शन करने आते हैं भालू

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि मां आदिशक्ति चंडी माता मंदिर में सिर्फ भक्त ही नहीं, यहां जंगली जानवर भी मां का दर्शन करने आते हैं। प्रत्येक दिन दोपहर से शाम के बीच पांच भालुओं का एक परिवार मां के दर्शन करने आता है और यहां प्रसाद ग्रहण करता है। श्रद्धालु भी भालुओं को प्रसाद देते हैं। इस नजारे को देखने के लिए शाम को श्रद्धालुओं की संख्या मंदिर में अधिक बढ़ जाती है।

नालंदा जिले में 24 घंटे किसी घर में नहीं जलता चूल्हा, झाड़ू पर भी बैन

नालंदा. बिहार शरीफ से 3 किमी दूर स्थित मघड़ा गांव है, जहां मां शीतला का मंदिर है। मां शीतला की नगरी मघड़ा में चैत्र कृष्णपक्ष अष्टमी के दिन से नालंदा सहित सूबे और दूसरे राज्यों से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी, जो मां शीतला की पूजा अर्चना कर बसियोरा मनाया जाता है। इस दिन ज़िले के दर्जनों गांव में 24 घंटे घर में चूल्हा और झाड़ू का प्रयोग नहीं होता है।

चेचक रोग के लिए होता है रामबाण

इस संबंध में मंदिर के पुजारी धीरज कुमार पांडे बताते हैं कि मघड़ा में मां शीतला का सिद्धपीठ है। ऐसी मान्यता है कि चेचक सहित दाह अन्य बीमारियां इस तालाब में नहाकर पूजा अर्चना के बाद दूर हो जाती है। श्रद्धालुओं द्वारा मां पर चढ़ाए गए नीर को अपने साथ लेकर जाते हैं जो खासकर चेचक रोग के लिए रामबाण साबित होता है।

मां शीतला को स्वास्थ्य व स्वच्छता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन आग व अन्य गर्म चीज़ों का इस्तेमाल वर्जित है। यही कारण है इस दिन चूल्हा नहीं जलता है और बासी प्रसाद खाकर श्रद्धालु बेसियौरा मनाते हैं।

ऐसी है मान्यता

ऐसी मान्यता है कि गांव के एक ब्राह्मण को रात में स्वप्न आया कि उनकी मूर्ति नदी किनारे ज़मीन में है। उसे बाहर निकाल कर गांव के किसी जगह पर स्थापित कर पूजा अर्चना करें। इसके बाद ब्राह्मण ने कुएं की खुदाई कराकर मां शीतला की प्रतिमा को बाहर निकाला। उसे गांव के बगल में स्थित तालाब किनारे स्थापित कर दिया। उस कुएं को मीठी कुआं भी कहा जाता है। इस सप्तमी के दिन मां शीतला के नाम से अरवा चावल, चना दाल, साग, पुड़ी, हलवा पकवान बनाकर भोग लगाया जाता है।

घर के मुखिया में होने चाहिए 5 गुण

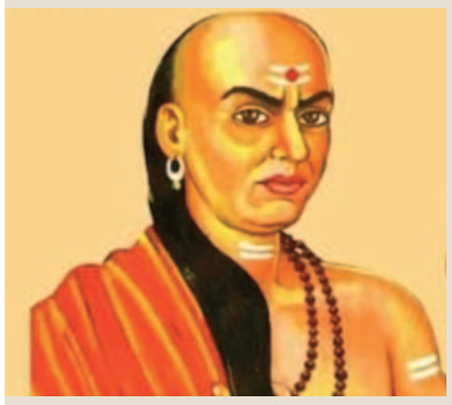

मशहूर अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और कूटनीतिज्ञ आचार्य चाणक्य किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। चाणक्य ने ही चंद्रगुप्त मौर्य की प्रतिभा को पहचाकर उन्हें सम्राट का ताज पहनाया था। चाणक्य ने अर्थशास्त्र पर लिखने के साथ नीति ग्रंथ नाम की भी एक किताब लिखी। इसमें वह व्यक्ति को सामाजिक, व्यावसायिक, आर्थिक और कूटनीतिज्ञ नीतियों के इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। चाणक्य के नीति शास्त्र पढ़कर आप यदि इसे फॉलो करते हैं तो जीवन में भी असफल नहीं हो सकते। चाणक्य कहते हैं कि घर की तरक्की उसे मुखिया पर निर्भर करती है। उन्होंने बताया है कि मुखिया में कुछ विशेष गुण होने जरूरी हैं। यदि गुण न हों तो उस घर में कभी बरकत नहीं होती।

पैसे की बचत

आचार्य चाणक्य के अनुसार, घर के मुखिया को पैसे की बचत करने वाला होना चाहिए। मुखिया की जिम्मेदारी बनती है कि वह पैसे की बचत करे ताकि भविष्य में जरूरत के समय किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े।

माहौल रखे अनुशासित

चाणक्य कहते हैं कि कोई परिवार तभी तरक्की करता है जब घर का मुखिया अपने लिए गए निर्णय पर अडिग रहे। वह घर का माहौल अनुशासित रखे।

कान का कच्चा न हो

घर के मुखिया को बिना किसी प्रमाण के हर किसी की बात पर यकीन नहीं करना चाहिए। घर का मुखिया को कान का कच्चा नहीं होना चाहिए। यदि घर में कोई मन मुटाव चल रहा है तो दोनों पक्षों की बात अच्छी तरह सुने और फिर सुलझाने का प्रयास करे।

खर्च पर रखे कंट्रोल

आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में लिखा है, घर के मुखिया की जिम्मेदारी है कि वह घर के खर्च को आय के हिसाब से करे। खर्च पर नियंत्रण रखे। घर का मुखिया खर्च नियंत्रित नहीं कर पाता है तो परिवार को आर्थिक संकट झेलना पड़ेगा।

फैसले लेते समय सावधानी

आचार्य चाणक्य के अनुसार, घर के मुखिया को कोई भी फैसला बहुत सोच समझकर लेना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि फैसले से घर के किसी सदस्य को कोई नुकसान नहीं होगा।

चैत्र नवरात्रि पर जरूर करें दिल्ली के 4 मंदिरों के दर्शन
मिलेगा माता रानी का आशीर्वाद

होली के बाद ज्यादातर लोग चैत्र नवरात्रि के पर्व का बेहद बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस वर्ष 22 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने जा रही है। नवरात्रि के दौरान कुछ लोग दुर्गा पूजा के भव्य पंडालों का भी दीदार करते हैं तो कई लोग नवरात्रि में देवी दुर्गा के दर्शन करने के लिए मंदिरों का रुख करना नहीं भूलते हैं। अगर आप चाहें तो दिल्ली के कुछ मंदिरों में शीश झुका कर नवरात्रि पर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। वैसे तो देश की राजधानी दिल्ली में कई खूबसूरत मंदिर मौजूद हैं मगर दिल्ली के कुछ मंदिर नवरात्रि के शानदार आयोजनों के लिए जाने जाते हैं। आइए हम आपको बताते हैं दिल्ली के कुछ फेमस मंदिरों के नाम, जहां पर दर्शन करके आप नवरात्रि का पूरा आनन्द उठा सकते हैं।

कालकाजी मंदिर

दक्षिणी दिल्ली में मौजूद कालकाजी मंदिर लगभग तीन हजार साल पुराना है। कालकाजी मंदिर जयंती पीठ और मनोकामना सिद्ध पीठ के नाम से भी मशहूर है। प्यूमिक पत्थरों और संगमरमर से बने कालकाजी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। खासकर नवरात्रि के दौरान कालकाजी मंदिर का दीदार आपके लिए बेस्ट हो सकता है।

झंडेवालान मंदिर

दिल्ली में स्थित झंडेवालान मंदिर हनुमान जी की विशाल मूर्ति के लिए मशहूर है। वहीं, झंडेवालान मंदिर माता आदिशक्ति को भी समर्पित है। मान्यता है कि मुगल बादशाह शाहजहां के शासनकाल के दौरान इस मंदिर में झंडा चढ़ाने का प्रथा थी, जिसके चलते इसका नाम झंडेवालान पड़ गया है। ऐसे में नवरात्रि पर झंडेवालान का दीदार

छतरपुर मंदिर

राजधानी के फेमस मंदिर में छतरपुर मंदिर का नाम भी शुमार है। माता कात्यायनी को समर्पित ये मंदिर साउथ वेस्ट दिल्ली में मौजूद है। छतरपुर मंदिर में अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। ऐसे में नवरात्रि के समय छतरपुर मंदिर का रुख करके आप माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

शीतला माता मंदिर

दिल्ली के शीतला माता रोड पर स्थित शीतला माता मंदिर भी लगभग 400 साल पुराना है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में शीतला माता के दर्शन करने से चेचक, खसरा और आंखों की बीमारियों से निजात मिलती है, जिसके चलते नवरात्रि पर माता रानी के भक्त देवी शीतला का आशीर्वाद लेने इस मंदिर में जरूर जाते हैं।

शीतला अष्टमी या बसोड़ा?

हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक वर्ष चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को माता शीतला की पूजा का विधान है। इसे शीतला अष्टमी और बसौड़ा अष्टमी भी कहा जाता है। बसौड़ा शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्योहार है। ये पर्व होली के आठवें दिन मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार इस दिन पूजा के समय माता शीतला को पर मीठे चावलों का भोग लगाया जाता है। ये चावल गुड़ या गन्ने के रस से बनाए जाते हैं। खासतौर पर इस दिन मां शीतला को बासी पकवानों का भोग लगाया जाता है। खुद भी बासी और ठंडा भोजन किया जाता है। मान्यता है कि शीतला अष्टमी के दिन पूरे विधि विधान के साथ पूजा करने से बीमारियों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख शांति बनी रहती है। इस साल शीतला अष्टमी 15 मार्च को है। ऐसे में चलिए जानते हैं शीतला अष्टमी या बसौड़ा की पूजा विधि और महत्व....

शीतला अष्टमी 2023 तिथि

पंचांग के अनुसार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 14 मार्च 2023 को रात 08 बजकर 22 मिनट से शुरू हो रही है। इसका समापन 15 मार्च 2023 को शाम 06 बजकर 45 मिनट पर होगा। इस तरह 15 मार्च को शीतला अष्टमी होगी।

शीतला अष्टमी 2023 मुहूर्त

15 मार्च को शीतला माता की पूजा का मुहूर्त 15 मार्च की सुबह 06 बजकर 30 मिनट से शाम 06 बजकर 29 मिनट तक है।

पूजा विधि

शीतला अष्टमी के दिन सुबह स्नान के साफ वस्त्र धारण करें।
पूजा के दौरान हाथ में फूल, अक्षत, जल और दक्षिणा लेकर व्रत का संकल्प लें।
माता को रोली, फूल, वस्त्र, धूप, दीप, दक्षिणा और बासा भोग अर्पित करें।
शीतला माता को दही, रबड़ी, चावल आदि चीजों का भी भोग लगाया जाता है।
पूजा के समय शीतला स्त्रोत का पाठ करें और पूजा के बाद आरती जरूर करें।
पूजा करने के बाद माता का भोग खाकर व्रत खोलें।

शीतला माता के खास मंदिर, 800 साल से नहीं भरा है घड़ा

वैसे तो प्रत्येक शहर और गांव में शीतला माता का मंदिर रहता ही है। एक वृक्ष के नीचे शीतला माता की मूर्ति आपको हर जगह मिल जाएगी। उनमें से ही कुछ मंदिरों ने अब भव्य रूप धारण कर लिया है और कुछ ऐसे मंदिर है जो कि चमत्कारिक है।

1. राजस्थान के पाली जिले में माता शीतला का बहुत ही प्राचनी और चमत्कारिक मंदिर है। कहते हैं कि यहां एक घड़ा है जो 800 साल से भर नहीं पाया है। यह घड़ा एक पत्थर से ढंका हुआ है। साल में दो बार चैत्र माह की शीतला अष्टमी और ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन इसके ढक्कन को हटाया जाता है जिसमें लोग पानी डालते हैं। भक्तों का मानना है कि इस चमत्कारी घड़े में अब तक कई लाख लीटर पानी डाला जा चुका है, लेकिन घड़ा है कि भरने का नाम ही नहीं ले रहा है।

किवदंतियों के अनुसार आठ सौ साल पहले बाबरा नाम का एक राक्षस था। उसके आतंक से सब परेशान थे। जब लोगों के घर में शादी होती तो राक्षस दूल्हे को मार देता था। तब वहां के ब्राह्मणों ने शीतला माता की पूजा की। शीतला माता गांव के एक ब्राह्मण के सपने में आईं। उन्होंने कहा कि जब उसकी बेटी की शादी होगी तब वह राक्षस को मार देगीं। शादी के समय शीतला माता एक छोटी कन्या के रूप में मौजूद थीं। माता ने अपने घुटनों से राक्षस को दबोचकर उसे मार डाला। इस दौरान राक्षस ने शीतला माता से वरदान मांगा कि गर्मी में उसे प्यास ज्यादा लगती है, इसलिए साल में दो बार उसे पानी पिलाना होगा। शीतला माता ने उसे यह वरदान दे दिया, तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

2. जबलपुर के पास पालन में

घमापुर-शीतलामाई मार्ग पर पुरातात्विक महत्व का एशिया का संभवतः एकमात्र विशालतम शीतलामाई मंदिर है।

3. गुड़गांव गुरुग्राम में शीतला माता का प्राचीन मंदिर स्थित है। देश के सभी प्रदेशों से श्रद्धालु यहां मन्नत मांगने आते हैं। गुड़गांव का शीतला माता मंदिर देश भर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां साल में दो बार एक-एक माह का मेला लगता है। यहां के शीतला माता मंदिर की कहानी महाभारत काल से जुड़ी हुई है।

महाभारत के समय में भारतवंशियों के कुल गुरु कृपाचार्य की बहन शीतला देवी (गुरु मां) के नाम से गुरु द्रोण की नगरी गुड़गांव में शीतला माता की पूजा होती है। लगभग 500 सालों से यह मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। लोगों की मान्यता है कि यहाँ पूजा करने से शरीर पर निकलने वाले दाने, जिन्हें स्थानीय बोलचाल में (माता) कहते हैं, नहीं निकलते।

4. भोपाल की बड़ी झील के किनारे वीआईपी रोड स्थित शीतला माता मंदिर शहर के प्राचीन मंदिरों में से एक है। इस मंदिर में करीब ढाई सौ वर्ष पुरानी माता शीतलादेवी एवं वीर महाराज की प्रतिमाएं आज भी उसी स्थान पर विराजमान हैं। तालाब के किनारे फतेहगढ़ क्षेत्र में स्थित यह मंदिर शुरू में खुले स्थान पर था। नीम, पीपल व बरगद के पेड़ के नीचे माता शीतलादेवी एवं वीर महाराज की प्रतिमाएं विराजमान थीं। बाद में जन सहयोग से मंदिर बनवाया गया।

5. लखनऊ के बाजारखाला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोहल्ला मेंहदीगंज में शीतला माता के एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक मंदिर है। यहां पर होली के 8वें दिन शीतला अष्टमी पर लखनऊ का मशहूर 'आठों का मेला' लगता है।

तू झूठी मैं मक्कार ने बॉक्स ऑफिस पर पकड़ी रफ्तार, सुपरहिट बनने की तरफ बढ़ रही है फिल्म

पहले वीकेंड पर 70.24 करोड़ का कलेक्शन

तू झूठी मैं मक्कार ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई की रफ्तार पकड़ ली है। फिल्म ने पहले वीकेंड पर 70.24 करोड़ की कमाई कर ली है। 12 मार्च यानी रविवार को फिल्म ने 17.08 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया है।

फिल्म को लेकर ऑडियंस में अच्छा रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। तू झूठी मैं मक्कार, 2023 में रिलीज सभी फिल्मों में दूसरी सबसे बड़ी ओपनिग हासिल करने वाली भी फिल्म है। ये फिल्म 8 मार्च को थिएटर्स में रिलीज हुई थी।

तू झूठी मैं मक्कार रणबीर कपूर की पिछले दो सालों में रिलीज दूसरी सुपरहिट फिल्म बनने जा रही है। इससे पहले 2022 में ब्रह्मास्त्र ने ताबड़तोड़ कमाई की थी। 2022 में ही रिलीज शमशेरा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी। अब तू झूठी मैं मक्कार के पहले वीकेंड के कलेक्शन को देखते हुए कहा जा सकता है फिल्म जल्द ही सुपरहिट का तमगा हासिल कर लेगी। रणबीर ने अपने करियर में संजू और ब्रह्मास्त्र जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है, हालांकि तू झूठी मैं मक्कार के शुरुआती आंकड़ों पर नजर डालें तो इस फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 150 करोड़ के आस-पास रह सकता है।

पठान के बाद दूसरी हाइएस्ट ओपनिंग वाली फिल्म

तू झूठी मैं मक्कार को रिलीज के बाद से ही क्रिटिक्स और ऑडियंस का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसका असर फिल्म की कमाई पर भी पड़ा। फिल्म ने पहले ही दिन 15.73 करोड़ की अच्छी ओपनिंग की। खास बात ये है कि TJMM 2023 में पठान (55 करोड़) के बाद हाइएस्ट ओपनिंग करने वाली दूसरी फिल्म है।

110 करोड़ में बनी है फिल्म

फिल्म ने भले ही पहले वीकेंड पर 70 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है लेकिन अभी भी ये अपनी लागत से दूर है। रिपोर्ट्स की माने को इस फिल्म का बजट तकरीबन 110 करोड़ है। हालांकि उम्मीद है कि अगले वीकेंड पर फिल्म अपनी पूरी लागत निकाल सकती है।

सेल्फी और शहजादा को पछाड़ा

तू झूठी मैं मक्कार ने अक्षय कुमार की फिल्म सेल्फी और कार्तिक आर्यन की फिल्म शहजादा को भी पछाड़ दिया है। सेल्फी ने जहां अभी तक सिर्फ 16.79 करोड़ की कमाई की है।

वहीं शहजादा भी सिर्फ 31.59 करोड़ का कलेक्शन कर पाई है। 2023 की बात करें तो पठान और तू झूठी मैं मक्कार को छोड़ दिया जाए तो कोई भी बॉलीवुड फिल्म उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

पहली बार देखने को मिली रणबीर और श्रद्धा की जोड़ी

फिल्म के स्टार कास्ट की बात करें रणबीर कपूर एक बार फिर से चॉकलेटी बॉय की भूमिका में वापस लौटे हैं। उनके अपोजिट श्रद्धा कपूर हैं। इस फिल्म के जरिए बोनी कपूर ने भी एक्टिंग करियर में डेब्यू किया है। वहीं डिंपल कपाड़िया ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का डायरेक्शन प्यार का पंचनामा और सोनू के टूटी की स्वीटी बनाने वाले डायरेक्टर लव रंजन ने किया है।

उमराह करने को पूरी तरह तैयार हैं राखी सावंत, इस्लाम धर्म को लेकर कही यह बड़ी बात

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में चल रही हैं। शादी के बाद से ही राखी और उनके शौहर आदिल के बीच काफी तनातनी देखने को मिली है। राखी अब अपनी जिंदगी में आगे बढ़ती हुईं नजर आ रही हैं। राखी ने अपना नया गाना लॉन्च किया है और दुबई में अपना एक्टिंग सेंटर भी खोला है। अब राखी ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए बताया है कि वह उमराह करना चाहती हैं और रमजान में रोजे भी रखना चाहती हैं।

हाल ही में, राखी मीडिया में स्पॉट हुईं और इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी सारी जानकारी मीडिया से साझा की है। इस दौरान उन्होंने अपनी दिली इच्छा भी जाहिर की और बताया वह और क्या नई-नई चीजें करना चाहती हैं। राखी ने कहा, 'मैं उमराह जा सकूं और मैं रोज़े अच्छी तरह से करूं ताकि हमारे पिछले किए हुए सारे पाप मिट जाए। अगर मैं उमराह जाती हूं और रमजान में रोजे रखती हूं तो मेरा तो नसीब ही खुल जाएगा।'

राखी ने आगे कहा, 'मैंने तो पूरी तरह से इस्लाम कुबूल किया है और मैं रोजे भी रखूंगी। मैं पांच टाइम नमाज भी पढ़ती हूं। इसलिए मैं यह कहती हूं कि मेरा कनेक्शन सीधे ऊपर वाले से है। इस खुदा से है। अगर उन्हें लगता है कि तहे दिल से नमाज पढ़ रही हूं, सच्चाई से इस्लाम फॉलो कर रही हूं, तो मेरा उमराह जाना बिल्कुल होगा।'

राखी की यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। लोग अपने तरह-तरह के रिएक्शन भी दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए कहा, 'इसकी नौटंकी हमेशा चालू रहती है। एक नंबर की नौटंकीबाज है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'इमोशन के नाम पर बस अपने व्यूज बढ़ाती है।' एक और यूजर ने कमेंट करते हुए कहा, 'कभी महाराष्ट्रीयन, कभी क्रिश्चियन और अब मुस्लिम धर्म अब पंजाबी को भी अपना लो। मजहब का कितना मजाक उड़ाती है।'

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से राखी की जिंदगी में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं। पहले उनकी मां इस दुनिया को छोड़कर चली गई, जिसके बाद राखी पूरी तरह से टूट गई, उसके बाद आदिल के साथ भी उनका रिश्ता काफी उलझनों से भरा हुआ निलका। अब राखी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं और एक नई शुरुआत कर रही हैं। उन्होंने दुबई में अपना एक्टिंग ट्रेनिंग सेंटर ओपन किया है।

'कब्रिस्तान में दफनाने की जगह नहीं' कहने वाले को उर्फी जावेद का दो टूक जवाब

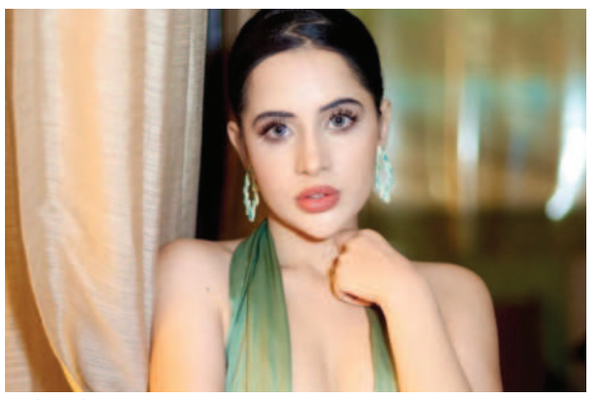

लैक्मे फैशन वीक में उर्फी जावेद का अब तक का सबसे बोल्ड लुक देखा गया. जिसके बाद सोशल मीडिया में उन्हें जमकर ट्रोल किया जाने लगा. एक यूजर ने तो ये कह डाला कि उर्फी जावेद को मुंबई में मौत के बाद कहीं भी दफनाने की जगह नहीं मिली. हैरानी की बात ये है कि मुंबई के कई कब्रिस्तानों में ऐसा पत्र दिया गया है. इस पर उर्फी जावेद ने रिएक्ट किया है. उर्फी ने कहा कि क्या वाकई लोगों के पास इतना फालतू का टाइम होता है. जिसने भी चिट्ठी भेजी है वो सिर्फ और सिर्फ अटेंशन के भूखे हैं. उर्फी के इस वीडियो से पता है कि उनपर इस बात का कोई फर्क नहीं पड़ता है.

उर्फी जावेद को हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में देखा गया था. इसमें उन्होंने स्विमिंग वियर से बनी ड्रेस पहनी हुई थी, जिसके लिए उन्हें काफी ट्रोल किया गया था. वह बेहद बोल्ड लग रही थीं. इसी ड्रेस में उर्फी ने रैंप वॉक भी किया. हालांकि ऐसा करना उनके लिए कोई पहली बात नहीं थी. उर्फी का ये वीडियो वायरल हो गया. इस पर कई लोगों ने दिल और आग वाली इमोजी भी शेयर की थी.

महीनों तक काम न मिलने से टीवी एक्ट्रेस रिया शुक्ला की हो गई थी हालत खराब, बोलीं- 'जो भी मिलता कर लेती'

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रिया शुक्ला को डेलीसोप लवर्स ने 'सात फोरों की हेरा फेरी' में देखा होगा. हाल ही में उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में अपने पांच साल पूरे किए. इस सफर के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब उनके पास कई महीनों तक कोई काम नहीं था और वो डिप्रेशन में चली गई थीं. हालांकि अब वो फिर से एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव हैं और अपना छठा शो कर रही हैं. रिया शुक्ला को घर पर खाली बैठना बिल्कुल पसंद नहीं है. अपने एक इंटरव्यू में उन्होंने उन दिनों के बारे में बताया जब उनके पास काम नहीं था.

काम न होने से डिप्रेशन होने लगा

रिया ने कहा, 'जब आप महीने में 27 से 30 दिन शूटिंग कर रहे होते हैं, तो अपने लिए समय निकालना मुश्किल होता है, लेकिन अब मैं व्यस्त शूटिंग शेड्यूल का आदी हो गई हूं और अपने लिए कुछ समय निकालने की कोशिश करती हूं. लेकिन, मेरा यकीन करिए, ये बिना काम के रहने से कहीं बेहतर है. मैं उस फेज में रही हूं जहां कुछ ही हफ्तों में मुझे टेंशन होने लगी थी. चार महीने के गैप में, मैं इतनी परेशान हो गई कि मैं एक तरह से डिप्रेशन में चली गई थी.'

'जो भी काम मिलता उसे पकड़ लेती'

उन दिनों को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'मेरा शो 'महाराज की जय हो' (2020) में कोरोना वायरस के चलते बंद हो गया था, लेकिन उन दिनों मैं नागपुर में अपने परिवार के साथ थी, इसलिए मुझे ज्यादा परेशानी नहीं हुई. फिर मुझे शो 'पिंजरा खूबसुरती का' (2021) मिला और जैसे-जैसे शो खत्म हुआ, मैं बहुत हताश हो गई. मैंने खुद को मोटिवेटेड रखने की बहुत कोशिश की, दोस्तों के साथ मेल-जोल बढ़ाया और पागलों की तरह ऑडिशन दिए. कंडिशन ऐसी थी कि मैंने फ्यूटर में सेलेक्टिव न होने की बजाए जो भी काम मेरे पास आता उसे करने का फैसला किया था. मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं, क्योंकि मेरे लिए बिजी रहना ही खुशी से जीने का एकमात्र तरीका है.'

डायरेक्टर एस.एस. राजामौली ने 22 साल में बनाई सभी 12 फिल्में हिट

जूनियर एनटीआर से रामचरण तक साउथ को 4 सुपरस्टार दिए

फिल्म आरआरआर के गाने नाटू-नाटू ने आज ऑस्कर जीता है। मणिकर्णिका, थलाइवी, मगधीरा और

आरआरआर डायरेक्टर एस.एस. राजामौली की 12वीं फिल्म हैं। राजामौली एकमात्र डायरेक्टर हैं जिनकी सारी फिल्में हिट रही हैं। 2001 में आई स्टूडेंट नंबर 1 से लेकर RRR तक राजामौली ने हर बार अपनी फिल्म के लिए कोई नया सब्जेक्ट चुना। सिर्फ फिल्में ही हिट नहीं हुई हैं, इन फिल्मों से साउथ फिल्म इंडस्ट्री को कई सुपरस्टार्स भी मिले हैं।

जिनमें जूनियर एनटीआर, रामचरण तेजा, रवि तेजा और नितिन जैसे 4 सुपरस्टार्स भी दिए हैं। राजामौली ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन शोज डायरेक्ट करने से की थी, जिसके बाद आज वो मगधीरा, ईगा, बाहुबली: द बिगनिंग, बाहुबली: द कॉन्क्लूजन जैसी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्में दे चुके हैं।

एसएस राजामौली के पिता केवी विजयेंद्र प्रसाद इंडियन स्क्रीन राइटर और डायरेक्टर हैं जो हिंदी, तमिल, तेलुगु भाषा का कई फिल्मों की कहानी लिख चुके हैं। 1988 से लेकर अब तक विजयेंद्र प्रसाद ने 20 से ज्यादा ब्लॉकबस्टर फिल्में लिखी हैं, जिनमें **बाहुबली सीरीज, बजरंगी भाईजान, आरआरआर** भी शामिल हैं।

करियर की शुरुआत राजामौली ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। उनके हुनर से उन्हें तेलुगु टीवी शो डायरेक्टर करने का मौका मिला था। शुरुआती समय में राजामौली ने राघवेंद्र राव के साथ तेलुगु ड्रामा सीरीज शांति निवासन डायरेक्ट की थी।

पहली फिल्म ने 2001 में कमाए थे 12 करोड़

राजामौली ने साल 2001 में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म स्टूडेंट नं 1 थी, जिसमें जूनियर एनटीआर लीड हीरो थे। 1.80 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 12.09 करोड़ की कमाई की थी। ये फिल्म के राघवेंद्र राव ने ही प्रोड्यूस की थी। राजामौली के निर्देशन में बनी ये फिल्म जूनियर एनटीआर की पहली सुपरहिट फिल्म थी। इसके दो साल बाद राजामौली और जूनियर एनटीआर ने सिमहाद्री (2003) के लिए हाथ मिलाया। ये फिल्म भी एक बड़ी हिट साबित हुई थी।

निर्देशक की तीसरी फिल्म थी साई (2004), जिसमें नितिन और जेनेलिया डिसूजा लीड रोल में थे। ये पहली बार था जब टॉलीवुड की हिस्ट्री में रग्बी फिल्म पर कोई फिल्म बनी थी। 8 करोड़ के बजट में तैयार हुई ये फिल्म राजामौली के करियर की सबसे महंगी फिल्म थी जो एक साल तक थिएटर्स से नहीं उतरी थी। फिल्म ने 13 करोड़ का बिजनेस किया था। फिल्म को 4 नंदी अवॉर्ड से नवाजा गया था।

फिल्म मगधीरा एक हजार दिनों तक सिनेमाघरों में चली थी

साल 2006 की फिल्म विक्रमार्कुडू राजामौली के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। रवि तेजा स्टारर इस फिल्म को कन्नड़, तमिल और हिंदी भाषा (राउडी राठोड़) में रीमेक किया गया। साल 2009 की फिल्म मगधीरा ने राजामौली को साउथ इंडस्ट्री के अलावा देशभर में पहचान दिलाई। काजल अग्रवाल, रामचरण स्टारर इस फिल्म को 35 करोड़ के बड़े बजट में तैयार किया गया था, जिसने 150 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था। ये फिल्म 1,000 दिनों तक सिनेमाघरों में लगी रही थी, जिसने सबसे ज्यादा चलने वाली फिल्म चंद्रमुखी का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। ये साउथ की सबसे हिट फिल्म बन गई थी, जिसने दो नेशनल अवॉर्ड, 6 फिल्मफेयर और 9 नंदी अवॉर्ड हासिल किए थे। ये वही फिल्म है जिनसे लीड एक्टर रामचरण और काजल अग्रवाल को स्टारडम दिलवाया था। मगधीरा ही साउथ इंडस्ट्री में पीरियड ड्रामा और सोशियो-फैंटेसी का ट्रेंड लेकर आई थी।

इसके बाद राजामौली ने मर्यादा रामन्ना (हिंदी रीमेक सन ऑफ सरदार), ईगा (मक्खी) डायरेक्ट की। मर्यादा रामन्ना ने 60 करोड़ और ईगा ने 130 करोड़ कलेक्शन किया था।

साल 2015 में आई इतिहास रचने वाली बाहुबली

एसएस राजामौली ने साल 2015 में भारत की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म दी, जिसका नाम है बाहुबली। इस फिल्म ने राजामौली को दुनियाभर में पहचान दिलाई।

फिल्म ने रिलीज के पहले ही दिन दुनियाभर में 75 करोड़ रुपए कमाई की थी। जो भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग थी। बाद में इस फिल्म का रिकॉर्ड 2016 की कबाली ने 82 करोड़ कलेक्शन करके तोड़ा था। ये पहली साउथ फिल्म थी जिसने 300 करोड़ से ज्यादा कमाई की थी, जिसमें से 263 करोड़ महज एक दिन का ही कलेक्शन था। इसके बाद से ही भारत में पैन इंडिया फिल्मों का चलन शुरू हुआ था। फिल्म ने दुनियाभर में 650 करोड़ का बॉक्स ऑफिस किया था, जबकि इसके दूसरे पार्ट बाहुबली: द कन्क्लूजन (2017) ने 1800 करोड़ की कमाई कर नया रिकॉर्ड बनाया था।

पत्नी हैं राजामौली की फिल्मों की कॉस्ट्यूम डिजाइनर

एक फिल्म की शूटिंग के दौरान राजामौली अपने कॉस्ट्यूम डिजाइन से संतुष्ट नहीं थे। जब रमा ने उनकी परेशानी देखी तो उन्होंने खुद राजामौली के डिजाइन करने का फैसला किया।

एक इंटरव्यू के दौरान रमा ने कहा है कि वो कभी डिजाइनर नहीं बनना चाहती थीं, लेकिन वो राजामौली का दिमाग पढ़ सकती हैं, इसलिए उनके लिए डिजाइन करती हैं।

पांच साल में बनी 39 मिनट की द एलिफेंट व्हिस्परर्स

डॉक्यूमेंट्री में दिखी इंसान-जानवरों की बॉन्डिंग, शूटिंग से ऑस्कर विनिंग फिल्म तक का सफर...

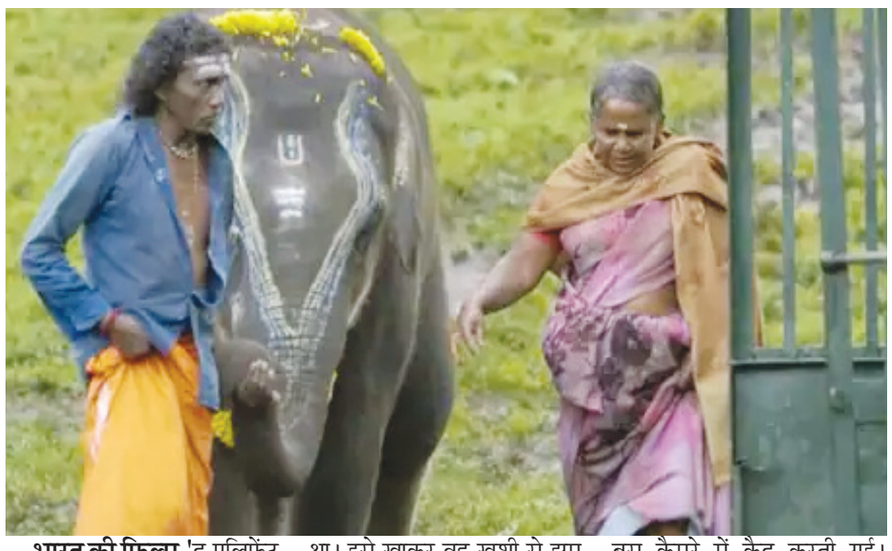

भारत की फिल्म 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। इस फिल्म की डायरेक्टर कार्तिकी गोंजाल्विस और प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा हैं। 39 मिनट की इस शार्ट फिल्म में इंसान और जानवरों के बीच की बॉन्डिंग को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी दक्षिण भारतीय कपल बोमन और बेली की है, जो रघु नाम के एक छोटे अनाथ हाथी की देखभाल करते हैं। इस डॉक्यूमेंट्री को ओरिजनली तमिल भाषा में बनाया गया था। 8 दिसंबर 2022 को यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की गई थी।

पांच साल में शूट हुई थी फिल्म, कुल 450 घंटों के फुटेज कैप्चर किए गए

'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री है। इस कैटेगरी की फिल्में बनाने के लिए लोगों की असली जिंदगी को फॉलो किया जाता है। फिल्म की डायरेक्टर कार्तिकी ने पांच साल तक बोमन और बेली की जिंदगी को करीब से देखा। कार्तिकी ने बेबी एलिफेंट रघु के साथ जो भी पल बिताए वे सब कैप्चर किए गए। रघु के शॉट कैप्चर करने के लिए उसे कोकोनट मिक्सचर खिलाया जाता था। इसे खाकर वह खुशी से झूम उठता था और ये मोमेंट्स रिकॉर्ड कर लिए जाते थे। इस तरीके से साढ़े चार सौ घंटे के फुटेज कैप्चर हुए।

फिल्म में नेचर कंजर्वेशन की अहमियत समझाई

फिल्म तमिलनाडु के मदुमलाई रिजर्व में सेट है। इसमें लोकेशन की प्राकृतिक सुंदरता दिखाई गई है। साथ ही प्रकृति के लिए आदिवासियों का प्यार दर्शाया गया है। इसमें बताया गया है कि कैसे आदिवासी प्रकृति को सहेजे हुए हैं। ये फिल्म पर्यावरण संरक्षण की भारतीय संस्कृति और परंपरा को भी दिखाती है।

रघु को बेटा मानते हैं बोमन-बेली, ऐसे मिली कहानी...

दैनिक भास्कर को दिए एक इंटरव्यू में डायरेक्टर कार्तिकी ने कहा था- मैं बस रघु से दोस्ती करने की अपनी जर्नी शूट कर रही थी। मेरे मन में नहीं था कि मुझे डॉक्यूमेंट्री बनानी है। लेकिन, जो प्यारे पल कैप्चर हुए उन्हें देखकर लगा कि 15 मिनट की कोई छोटी सी डॉक्यूमेंट्री बना ही लेते हैं।

उन्होंने कहा था- कुछ फुटेज कैमरे में शूट किए थे, कुछ फोन में रिकॉर्ड किए थे। मैं बोमन, बेली और रघु की हर सिंगल चीज को बस कैमरे में कैद करती गई। तीनों के बीच मुझे कमाल का फैमिली डायनामिक यानी परिवार वाला रिश्ता महसूस हुआ। वो दोनों रघु को अपने बेटे के समान मानकर चल रहे थे। इन बातों से मुझे स्ट्राइक हुआ कि ये तो कमाल की कहानी है।

फिल्म का नेटफ्लिक्स तक पहुंचने का सफर...

प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में कहा था- डायरेक्टर कार्तिकी ने कहानी ढूंढी। वो बोमन, बेली और रघु के बारे में जानती थीं। फिल्म बनाने के लिए उन्होंने बेबी एलिफेंट रघु से दोस्ती की। दोस्ती करने में एक साल लग गया। बेबी एलिफेंट बड़े प्यारे होते हैं। उनमें काफी हद तक इंसानों की तरह दिल टूटने से लेकर, हंसी, खुशी सब फीलिंग होती है। कार्तिकी ने सब कुछ शूट किया। उसका ट्रेलर बनाया। उनकी विजुअल स्ट्रेंथ भी कमाल की है। फिर कार्तिकी ने ट्रेलर नेटफ्लिक्स के साथ शेयर किया, जो नेटफ्लिक्स को पसंद आया। ऐसे ये कहानी नेटफ्लिक्स तक पहुंची।

डायरेक्टर की आधी लाइफ जंगलों में बीती है

इंटरव्यू के दौरान 'द एलिफेंट विस्परर्स' की डायरेक्टर कार्तिकी गोंजाल्विसने बताया था कि उनकी आधी जिंदगी जंगल में बीती है। उन्होंने कहा था- 18 महीने की उम्र से मेरा जंगलों में आना जाना लगा रहा है। मेरा बचपन घुड़सवारी, नदियों के किनारे बीता है। उन्होंने कहा था- मेरी मां भी नेचुरल हिस्ट्री और कल्चरल फोटोग्राफी में रही हैं। मेरी ग्रैंडमदर नेचुरल रिजर्व्स में रही हैं, और उस बारे में पढ़ाती भी रही हैं। तो मुझे काफी छोटी उम्र में ही एनिमल बिहेवियर के बारे में काफी जानकारी मिल गई थी। मैं एनिमल प्लैनेट और डिस्कवरी चैनल के शो के लिए कैमराविमेन भी रही हूं। मेरा ज्यादातर वक्त उजाड़ जगहों में बीतता है।

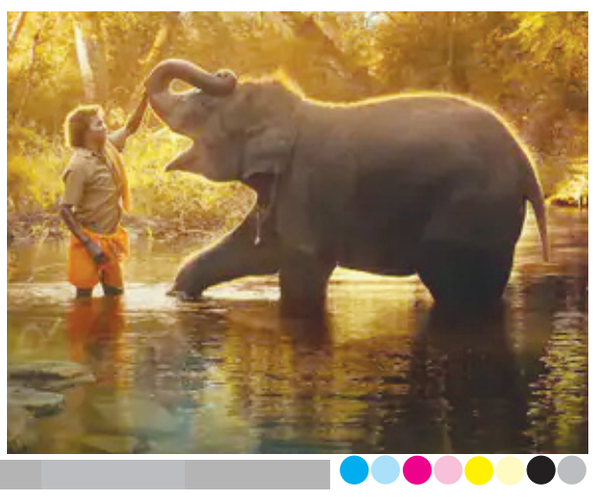

विटामिन D की कमी को पूरा करने के लिए पिएं ये चीजें, जानें अन्य उपाय

जब शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है तो व्यक्ति को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसे में विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में किया गया कुछ बदलाव आपके बेहद काम आ सकता है. आज का हमारा लेख इस विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए कौन से घरेलू उपाय आपके काम आ सकते हैं.

विटामिन डी की कमी को पूरा करने के उपाय

आप अपनी डाइट में गाय के दूध को जोड़ सकते हैं. गाय के दूध के अंदर विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो न केवल विटामिन डी की कमी को पूरा करने में उपयोगी है. बल्कि इसके अंदर प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं तो सेहत को बचा सकते हैं.

आप अपनी डाइट में संतरे के जूस को जोड़ सकते हैं. उसके अंदर विटामिन सी और विटामिन डी भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं. वहीं इसके अंदर कुछ जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं जो सेहत के लिए बेहद उपयोगी होते हैं. ऐसे में यदि आप सुबह या शाम के वक्त एक गिलास संतरे का जूस नियमित रूप से पीते हैं तो इससे कई फायदा हो सकता है.

यदि धूप में एक्सरसाइज की जाए या व्यायाम किया जाए तो इससे भी विटामिन डी की कमी को पूरा किया जा सकता है. सुबह सूर्य उदय के बाद जोगिंग करना या व्यायाम करना सेहत के उपयोगी होता है. वहीं धूप के सामने व्यायाम करने से कई फायदे हो सकते हैं. साथ ही शरीर में विटामिन डी की कमी पूरी हो जाती है.

जब भी आप घर से बाहर निकलें तो सूर्य की हानिकारक किरणों से बचने के लिए यदि आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो कुछ समय के लिए यह इस्तेमाल करना छोड़ दें क्योंकि सनस्क्रीन के इस्तेमाल से सूर्य की किरने आपके शरीर में प्रवेश नहीं कर पाती हैं जिससे आपको भी विटामिन डी नहीं मिल पाता है.

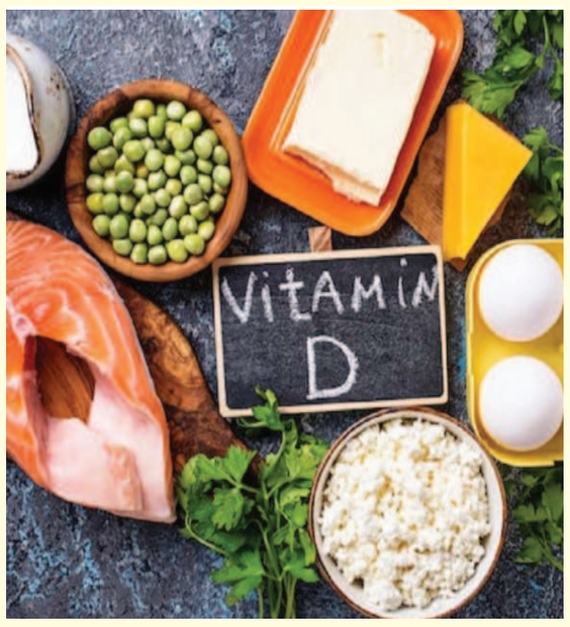

अधिक एक्सरसाइज से डिहाइड्रेशन तक किडनी के लिए बुरी हैं ये चीजें

'ज्यादा नमक मत खाओ बीमार बना देगा'। यह बात अब तक आप कई लोगों से सुन चुके होंगे। बात बिल्कुल सही भी है। नमक को इसलिए ही 'सफेद जहर' के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि इसका मतलब ये कतई नहीं कि आप नमक खाना ही छोड़ दें। क्योंकि नमक की कुछ मात्रा शरीर के लिए बहुत जरूरी होती है। लेकिन लगातार ज्यादा मात्रा में नमक खाने से दिक्कत हो सकती है। खासकर किडनी को। किडनी इस अतिरिक्त नमक के दबाव को झेल नहीं पातीं। केवल नमक ही नहीं, ऐसी और भी कई स्थितियां हैं जो किडनियों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इससे भी बड़ी बात यह है कि इन चीजों और स्थितियों के बारे में आप जानते भी हैं लेकिन इनपर ज्यादा विचार नहीं करते, जैसे- पेन किलर्स और डिहाइड्रेशन। इनके जैसी कई और चीजें हैं जो धीरे धीरे आपकी किडनी पर बुरा असर डालते हुए उन्हें बिल्कुल डैमेज कर डालती हैं।

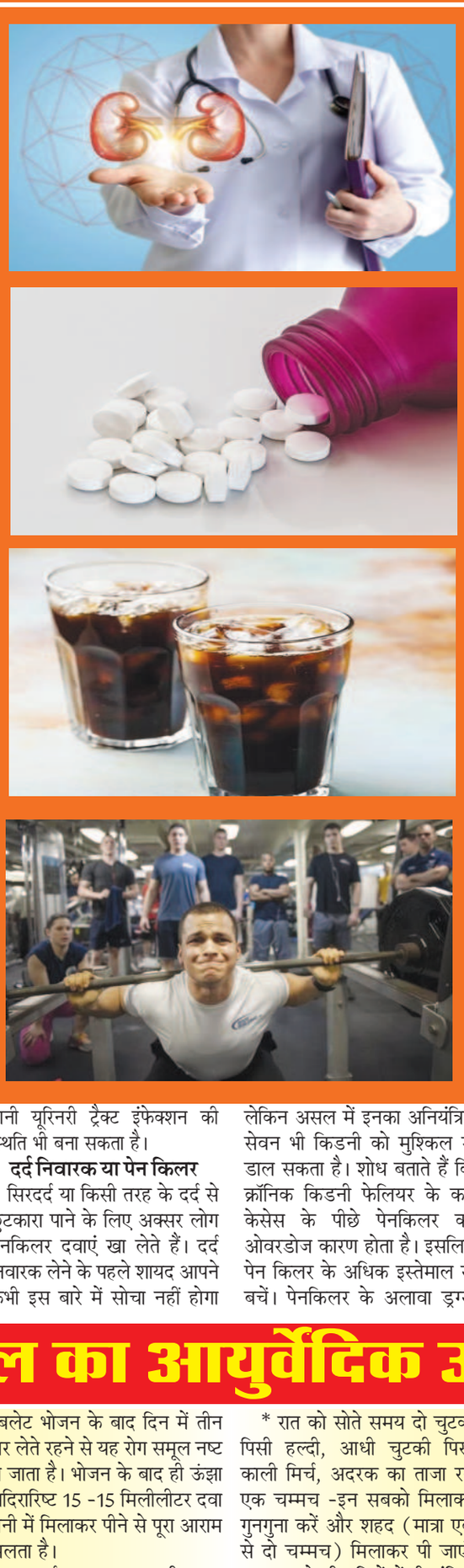

डिहाइड्रेशन से किडनी पर बुरा असर

डिहाइड्रेशन की स्थिति को भले ही लोग बहुत गम्भीरता से न लेते हों, लेकिन असल में ध्यान न देने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकती है। शरीर में पानी की कमी दस्त, उल्टी और पसीने जैसे कई कारणों से हो सकती है। इसके अलावा डायबिटीज जैसी स्थिति पर नियंत्रण न रहने से भी पेशाब के साथ पानी की ज्यादा मात्रा शरीर से बाहर निकल सकती है। पानी शरीर के भीतर से गंदगी को बाहर निकालने में किडनी की बहुत मदद करता है। पानी ब्लड वेसल्स यानी रक्त वाहिकाओं को खुला रखने में भी मदद करता है, जिससे खून सभी पौष्टिक तत्वों के साथ किडनी तक पहुंच सकता है। डिहाइड्रेशन की स्थिति में इस कार्य में रुकावट आती है और गंभीर डिहाइड्रेशन की स्थिति में किडनी के क्षतिग्रस्त होने की आशंका भी हो सकती है। इतना ही नहीं डिहाइड्रेशन, पथरी और यूटीआई यानी यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन की स्थिति भी बना सकता है।

दर्द निवारक या पेन किलर

सिरदर्द या किसी तरह के दर्द से छुटकारा पाने के लिए अक्सर लोग पेनकिलर दवाएं खा लेते हैं। दर्द निवारक लेने के पहले शायद आपने कभी इस बारे में सोचा नहीं होगा लेकिन असल में इनका अनियंत्रित सेवन भी किडनी को मुश्किल में डाल सकता है। शोध बताते हैं कि क्रॉनिक किडनी फेलियर के कई केसेस के पीछे पेनकिलर का ओवरडोज कारण होता है। इसलिए पेन किलर के अधिक इस्तेमाल से बचें। पेनकिलर के अलावा ड्रग्स (नशीली दवाएं) का उपयोग भी किडनी को बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।

कोल्ड ड्रिंक्स का अधिक सेवन

कोल्डड्रिंक्स को कई लोग पानी की तरह भी उपयोग में ले आते हैं। खासकर नौजवानों के लिए यह आदत बन जाता है। शोध की मानें तो प्रतिदिन 2 या इससे अधिक कोल्डड्रिंक (केन्स/बॉटल) पीने वालों में क्रॉनिक किडनी डिसीज की आशंका बढ़ जाती है। यह आशंका डाइट सोडा पीने पर भी बढ़ सकती है। इसका असर नमक और शकर के अधिक सेवन के समान ही बुरा हो सकता है।

ज्यादा व्यायाम करना

जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज भी किडनियों के लिए तकलीफदायक हो सकती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि एक्सरसाइज, रीनल हीमोडायनामिक्स और इलेक्ट्रोलाइट व प्रोटीन के उत्सर्जन को प्रभावित करती है। सीधे शब्दों में कहें तो इससे किडनियों के काम काज पर असर पड़ता है। व्यायाम से यूरीन, पसीना और शरीर की हार्मोनल गतिविधियों आदि सभी पर असर पड़ता है। ऐसे में किडनियों पर भी बोझ बढ़ता है। इसलिए जरूरी है कि एक्सरसाइज नियंत्रित भी रहे और संतुलित भी। जो लोग पेशेवर एथलीट या स्पोर्ट्स से जुड़े होते हैं वे विशेषज्ञों की देखभाल में एक्सरसाइज करते हैं और उसके साथ अपनी डाइट और हाइड्रेशन पर भी पूरा कंट्रोल रखते हैं।

उक्त चीजों और स्थितियों के अलावा अधिक नमक का सेवन, सिगरेट और अल्कोहल का निरंतर प्रयोग, एसिडिटी के लिए ली जाने वाली दवाएं, सामान्य संक्रमण, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर का अनियंत्रित होना, पथरी जैसी समस्याएं आदि भी किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि नियंत्रण के साथ ही नियमित चैकअप को लेकर भी सतर्कता रखी जाए।

एक गिलास दूध में मिलाएं ये एक ड्राईफ्रूट, घटने लगेगा आपका वजन

अक्सर आपने सुना होगा कि दूध पीने से सेहत को कई फायदे हो सकते हैं. वहीं यदि दूध के साथ कुछ चीजों को मिलाकर खाया जाए तो सेहत को कई तरीकों से फायदा हो सकते हैं. आज हम बात कर रहे हैं बादाम की. यदि बादाम को दूध में मिलाकर पिया जाए तो सेहत को कई समस्याओं से बचाया जा सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि बादाम के दूध को पीने से सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं. पढ़ते हैं आगे

बादाम के दूध के फायदे

यदि आप अपनी इम्यूनिटी को मजबूत करना चाहते हैं तो बता दें कि बादाम के दूध के अंदर कैल्शियम, प्रोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं जो इम्यूनिटी को मजबूत करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं.

यदि आप तनाव को कम करना चाहते हैं तो ऐसे में आप बादाम के दूध का सेवन कर सकते हैं यह नर्वस सिस्टम को हील करने के साथ-साथ दिमाग को शांत करने में भी बेहद उपयोगी है.

यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो ऐसे में आप बादाम के दूध को अपनी डाइट में जोड़ सकते हैं. बादाम का दूध मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के साथ-साथ फैट बर्न करने में भी उपयोगी है. यह दूध नियमित रूप से पिया जाए तो मोटापे की समस्या से भी राहत मिल सकती है.

त्वचा की कई समस्याओं को दूर करने में बादाम का दूध आपके बेहद काम आ सकता है. यह त्वचा संबंधित कई समस्याओं को दूर करने में उपयोगी है. यदि आप हड्डियों को मजबूत करना चाहते हैं तो बता दें बादाम की दूध के अंदर विटामिन डी पाया जाता है. वहीं इसके अंदर कैल्शियम भी मौजूद होता है जो हड्डी के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है.

कुछ गलत आदतों से छोटी उम्र में सुनने की क्षमता हो सकती है प्रभावित

बहरेपन की वजह और बचाव

इन दिनों गलत जीवनशैली और जाने-अनजाने होने वाली लापरवाहियों के कारण लोगों में कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याएं बढ़ रही हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि कई ऐसी बीमारियों से भी लोग ग्रसित होने लगे हैं, जो पहले बूढ़े लोगों यानी उम्र बढ़ने के साथ होती थीं। कम उम्र में ही लोगों की आंखे कमजोर और श्रवण क्षमता पर असर पड़ना शुरू हो गया है। घंटो गाने सुनने, फोन पर बातें करने से सुनने की क्षमता प्रभावित होने लगी है। मीडिया रिपोर्ट के

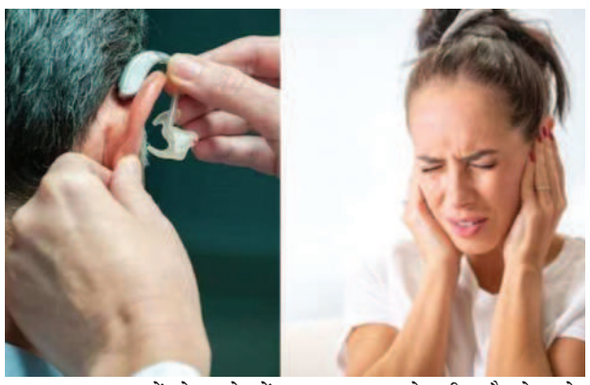

मुताबिक, भारत में बधिर और सुनने में अक्षमता वाले लोगों का आंकड़ा 63 मिलियन के करीब है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि खराब जीवनशैली और आहार में पौष्टिकता की कमी इस बढ़ते आंकड़े की वजह है। कान शरीर के बहुत नाजुक अंगों में से एक है। कानों की देखभाल सावधानी से करने की जरूरत होती है। लेकिन लोगों की कुछ गलत आदतों के कारण पिछले कुछ वर्षों में लोगों की सुनने की क्षमता काफी प्रभावित हुई है। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि उन गलत आदतों के बारे में, जिससे इंसान उम्र से पहले बहरा हो सकता है और सुनने की क्षमता को बनाए रखने के लिए क्या सावधानियां बरतने की जरूरत है।

धूम्रपान से सुनने की क्षमता पर प्रभाव

धूम्रपान को शरीर और सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। धूम्रपान हृदय और फेफड़ों को तो प्रभावित करता ही है, साथ ही कानो को भी नुकसान पहुंचाता है। अध्ययनों के मुताबिक, धूम्रपान में पाया जाने वाला निकोटिन कानों में रक्त संचार पर असर करता है, जिससे कान की नाजुक कोशिकाओं को नुकसान हो सकता है। स्टडी रिपोर्ट के मुताबिक सेकेंड हैंड स्मोक के संपर्क में आने वाले किशोरों के श्रवण हानि के मामले अधिक पाए गए हैं। टिनिटस यानी कानों के बजने की समस्या भी धूम्रपान की वजह से बढ़ रही है।

ईयरफोन-हेडफोन का अधिक इस्तेमाल

इन दिनों लोग ईयरफोन-हेडफोन का इस्तेमाल जरूरत से ज्यादा करने लगे हैं। तेज संगीत कानों के पर्दे को नुकसान पहुंचाता है। वहीं कानों में लगातार ईयरफोन लगे रहने से ध्वनि तेज वॉल्यूम में कानों तक पहुंचती है। हालांकि ईयरफोन या ईयरबड्स की तुलना में हेडफोन ज्यादा सुरक्षित होता है, क्योंकि 60 प्रतिशत या उससे कम वॉल्यूम स्तर पर ही हेडफोन का इस्तेमाल करना चाहिए।

कॉटन इयरबड्स नुकसानदायक

अगर आप रुई लेकर अक्सर ही अपने कानों की साफ सफाई करते रहते हैं, तो इससे आपके कान भले ही साफ हो जाएं लेकिन श्रवण क्षमता को हानि पहुंचती है। कॉटन इयरबड्स का अधिक इस्तेमाल और असावधानी से प्रयोग करना नुकसानदायक हो सकता है। इसके कारण ईयरड्रम में छेद हो सकता है और सुनने की

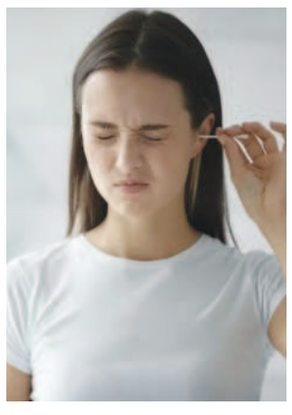

क्षमता प्रभावित होती है। इसलिए कानों की सफाई खुद करने से बचें और हर वक्त कान में रूई डालकर सफाई न करें।

कानों की समस्या न करें नजरअंदाज

कई बार लोगों के कान में दर्द, तेज आवाज सुनाई देना, कानों में आवाज गूंजना या इसी तरह की कान संबंधी समस्याएं होती है लेकिन लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। इस तरह की लापरवाही भविष्य में कानों के लिए नुकसानदायक हो सकती है। कान संबंधी समस्याओं का आभास होने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। खुद से कोई दवा या ईयर ड्रॉप का इस्तेमाल न करें।

टांसिल का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। अचानक पिछले एक सप्ताह से खाज खुजली से परेशान हूं। एटेरेक्स लेने पर थोड़ा आराम मिलता है पर फिर थोड़े समय के बाद खाज चालू हो जाती है। कृपा कर सरल घरेलू आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- ए. प्रसाद राव, मंचिर्याल

उत्तर : यह शीघ्र फैलने वाला चर्म रोग है। इसमें छोटी-छोटी फुंसियां निकलती है। यह फुंसियां हाथ पैर की अंगुलियों की घाइयों में, कलाई के पीछे तथा बगल में निकलती है। और धीरे-धीरे पूरे शरीर में फैलने लगती है। यह संक्रमण से, किसी वस्तु की एलर्जी -अनूर्जता से या गंदगी से होती है।

घरेलू उपचार में:

* नीम की छाल को घिसकर लगाने से आराम मिलता है।

* तिल तेल में तुलसी का रस मिलाकर कुछ दिन लगाने से आराम मिलता है। * नीम के पत्तों को पानी में उबालें, इससे स्नान किया करें। इससे भी आराम मिलता है ।

*नीम या निंबोली का तेल खाज पर लगाने से आराम मिलता है। * गुनगुने पानी में अजवाइन पीसकर लगाने से खुजली चली जाती है।

आयुर्वेदिक औषधियों में: ऊंझा महामंजिष्ठादि घनवटी, ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टिकिया या औरा एलेक्सी टिकिया- भोजन के बाद दिन में तीन बार लेने से आराम मिलता है। * भोजन के पहले ऊंझा रक्तशोधक सिरप 15 -15 मिलीलीटर दोगुने पानी में मिलाकर पीने से रक्तदुष्टिजन्य खाज में तुरंत आराम मिलता है। * ऊंझा महामारिचयादी तैल खाज पर लगाने से काफी आराम मिलता है। * ऊंझा पंचतिक्तघृत गुग्गुलु टेबलेट, गंधक रसायन टिकिया, औरा लिविंझ टेबलेट भोजन के बाद दिन में तीन बार लेते रहने से यह रोग समूल नष्ट हो जाता है। भोजन के बाद ही ऊंझा खदिरारिष्ट 15 -15 मिलीलीटर दवा पानी में मिलाकर पीने से पूरा आराम मिलता है।

खटाई, नमक, नमकीन का निषेध है । अचार, मसाले वाले पदार्थ, मांसाहारी भोजन न करें। ताजा सुपाच्य भोजन लेवें। साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। अवश्य आराम मिलेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 25 वर्ष है। टांसिल बढ़ गए हैं, जिसके कारण गले में दर्द, निगलने में दर्द, बुखार और पूरे शरीर में दर्द होने लगता है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- ए रामा राव, पेद्दापल्ली

उत्तर : टॉन्सिल के बढ़ने को 'टॉन्सिलाइटिस' या 'तुंडीकेरीशोथ' कहते हैं। टॉन्सिल एक प्रकार की लसीका ग्रंथि हैं, जो गले के प्रवेश द्वार के दोनों और मांस की गांठ की तरह होती है। यह अन्नवह स्रोतस की प्रथम रक्षा पंक्ति है। अधिक ठंडा, अधिक खट्टा, चटपटा, आलू - चीनी के पदार्थ खाने, दूषित वातावरण में रहने से यह बढ़ जाती है। इसके बढ़ने से गले में दर्द, बदबूदार श्वास, जीभ पर मैल, सिरदर्द, बदनदर्द, स्वरभंग, बेचैनी, सुस्ती व बुखार भी आ जाता है।

घरेलू इलाज में आप इन नुस्खों को आजमा सकते हैं।

* एक गिलास पानी में पान का पत्ता, दो लौंग, मुलेठी का चूर्ण एक चम्मच व पिपरमेंट के 4 दाने डालकर इसका काढ़ा बनाएं और पिएं। * गर्म पानी में चुटकी भर फिटकरी, इतना ही नमक डालकर गरारे करें। * एक चम्मच अजवाइन को एक गिलास पानी में डालकर उबालें और गुनगुना होने पर इस पानी से कुल्ला करें।

* रात को सोते समय दो चुटकी पिसी हल्दी, आधी चुटकी पिसी काली मिर्च, अदरक का ताजा रस एक चम्मच -इन सबको मिलाकर गुनगुना करें और शहद (मात्रा एक से दो चम्मच) मिलाकर पी जाएं। यह दवा दो-तीन दिनों में ही टांसिल की सूजन को कम कर देती है।

आयुर्वेदिक औषधि में ऊंझा कांचनार गुग्गुलु दो-दो गोली, औरा एलेक्झी टिकिया एक- एक गोली गुनगुने पानी से दिन में तीन बार भोजन के बाद लेने से लाभ होता है।

* ऊंझा तालीसदी चूर्ण 2 ग्राम, कफकेतु रस दो गोली , अभ्रक भस्म 100पुटी 120 मिलीग्राम- तीनों मिलाकर खुराक बनाएं। ऐसी खुराक शहद में मिलाकर दिन में तीन बार लेने से जल्दी आराम मिलता है।

* ऊंझा कंठसुधार वटी या ऊंझा खदिरादि वटी दिन में आठ से दस गोली चूसने से आराम मिलता है।

ज्यादा ठंडी, मीठी, तीखी, तेज मसालेदार चीजें ना खाएं । मूली, टमाटर, गाजर, पालक आदि न लें। हल्का, संतुलित, ताजा आहार ही लेवें। अवश्य आराम मिलेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है पहले अम्लपित्त की शिकायत थी। अब मल के साथ सफेद चिकना पदार्थ जाता है । कृपया इसका इलाज बताए ।

- सदाशिव शर्मा, महबूबनगर

उत्तर : आमाशय में पाचन क्रिया हाइड्रोक्लोरिक एसिड के माध्यम में होती है । प्रकृति ने जीवाणु संक्रमण को रोकने और पाचन क्रिया में सहयोग देने के लिए ही अम्ल बनाया । लेकिन जब यह अम्ल खाद्य पदार्थों द्वारा बढ़ जाता है तो आमाशय की सुरक्षा झिल्ली नष्ट होकर एवं कोशिकाओं के द्वारा जब बड़ा वहां छाला (अल्सर) बन जाता है। मानसिक तनाव और आहार संबंधी अनियमिताएं धूम्रपान, कुछ तेज अंग्रेजी दवाओं का सेवन व संक्रमण इत्यादि इसके प्रमुख कारण है। इसको रोकने के लिए पथ्य आवश्यक है। धूम्रपान , मद्य सेवन, मिर्च - मसाले, तीखे- खट्टे पदार्थ, तले खाद्य पदार्थ का सेवन बंद कर देने देना चाहिए। मल के साथ जो चिकना पदार्थ आता है - वह म्यूकस या आँव है। यह अधिकतर एक परजीवी प्रोटोजोन ' अमीबा ' के संक्रमण के कारण होता है। औरा ट्रायोगोन टिकिया या ऊंझा डायरेंड टिकिया ऊंझा कुटजघन वटी, पंचामृत पर्पटी का प्रयोग तुरंत लाभ करता है। भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव या ऊंझा कुटजारिष्ट का १५ से २० मिलीलीटर को दुगुने पानी में मिलाकर लेना आंव दूर कर देता है। बेल का मुरब्बा या बेल घनवटी, गंगाधर रस से भी इसमें आराम मिलता है।

भोजन सुपाच्य, ताजा और संतुलित हो। दही और छांछ विशेष रूप से हितकारी है। किसी भी प्रकार गरिष्ठ भोजन से बचना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

फ्री में भरवा सकते हैं पेट्रोल-डीजल, इंडियन ऑयल और कोटक महिंद्रा ने लॉन्च किया फ्यूल केडिट कार्ड

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। कोटक महिंद्रा बैंक के साथ इंडियन ऑयल ने मिलकर एक नया फ्यूल क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। इस कार्ड की मदद से पेट्रोल-डीजल भरवाने पर आपको रिवॉर्ड मिलेगा, जिसका उपयोग करके आप ईंधन पर छूट पा सकते हैं या फिर पैसों की बचत कर सकते हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के कस्टमर्स इस कार्ड को किसी भी इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप यूज करके रिवॉर्ड प्वाइंट जुटा सकते हैं। अगर आपको पास ज्यादा रिवॉड प्वाइंट्स इकठ्ठा हो जाते हैं तो आप फ्री में पेट्रोल भी पा सकते हैं। हालांकि उस पेट्रोल के कीमत के बराबर आपको पेट्रोल-डीजल मिलेंगे। अगर आप इस क्रेडिट कार्ड की मदद से फ्यूल भरवाते हैं तो आपको 300 रुपये तक प्रत्येक महीने रिवॉर्ड मिल सकते हैं। हालांकि आपको ये फ्यूल इंडियन ऑयल के ही स्टेशन पर भरवाना होगा। वहीं अगर 200 रुपये तक मंथली या 2 फीसदी की छूट किराने का सामान, रेस्तरां और अन्य वस्तुओं की खरीद पर पा सकते हैं। वहीं सरचार्ज में भी छूट दिया जाएगा। सरचार्ज में 1 फीसदी की छूट के साथ मंथली 100 रुपये तक छूट पा सकते हैं। 48 दिनों तक ब्याज मुक्त कर्ज की अनुमति दी जाएगी। स्मार्ट ईएमआई की सुविधा है। वहीं अगर कार्ड खो गया है तो आपके लिए शुन्य देयता है। वहीं टैप एंड पे की सुविधा भी दी गई है। इंडियन ऑयल दुनिया का सबसे बड़ा फ्यूल सप्लाई करने वाली कंपनी है, जिसके पास देशभर में 34 हजार गैस स्टेशन है। बिजनेस को और बढ़ाने के लिए और ऑनलाइन को बढ़ावा देने के लिए कंपनी ने फ्यूल केडिट कार्ड को पेश किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को सिंडिकेट लोन देने के लिए 10 और बैंक तैयार, 3 अरब डॉलर होगी कर्ज की राशि

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और रिलायंस जियो इंफोकॉम को 3 अरब डॉलर का लोन देने के लिए 10 और बैंक शामिल हो चुके हैं। इन बैंकों की रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ चर्चा चल रही है। अगर ये डील होती है तो ये सबसे बड़ा सिंडिकेट टर्म लोन होगा। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, जब रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ सिंडिकेशन पूरा होगा तो कम से कम दर्जनों बैंक ये लोन का अमाउंट देंगे।

ईटी के सूत्रों ने बताया कि सभी बैंक लोन देने के लिए तैयार हैं और इस लोन को देने के लिए केवल औपचारिकता पूरी कर रहे हैं। बैंकों के बीच इस सिंडिकेशन में शामिल होने की मजबूत डिमांड है।

कौन कौन से बैंक हैं शामिल

अभी तक रिलायंस इंडस्ट्रीज को लोन देने के लिए 15 बैंक तैयार हैं और इनकी चर्चा अंबानी की कंपनी के साथ चल रही है। इसमें सिटीबैंक, बैंक ऑफ अमेरिका, बीएनपी पारिबास, एचएसबीसी, स्टैंडर्ड चार्टर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जैसे बैंकों ने डॉलर करेंसी में लोन के लिए साइन किया है। इसके बाद अब 10 और बैंक बार्कलेज, जेपी मॉर्गन, आईएनजी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ ताइवान और सुमिटोमो मिट्सुई ट्रस्ट बैंक शामिल हुए हैं।

पांच साल से ज्यादा सिंडिकेशन की उम्मीद

रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल 3 बिलियन डॉलर लोन में से जनवरी के दौरान इन बैंकों ने 1.3 अरब डॉलर सिंडिकेशन लोन को सब्सक्राइब किया है। अब एक और सब्सक्रिप्शन की डिमांड हो रही है, जो 1.5 अरब डॉलर की होगी। इसमें से ज्यादातर एशियन बैंक पांच साल से ज्यादा के सिंडिकेशन की उम्मीद कर रहे हैं।

कहां खर्च होंगे लोन के पैसे

रिलायंस इंडस्ट्रीजज इस लोन अमाउंट को कैपिटल बिजनेस में खर्च और जियो 5जी के विस्तार के लिए खर्च किए जा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये किसी भी इंडियन कॉरपोरेट हाउस को पांच साल के लिए दिया जाने वाला सबसे बड़ा लोन अमाउंट होगा।

एडवांस टैक्स के भुगतान को लेकर टैक्स विभाग के मैसेज से टैक्सपेयर्स में डर! टैक्स एक्सपर्ट्स ने दी नसीहत

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। 15 मार्च 2023 वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एडवांस टैक्स की चौथी किस्त जमा करने की आखिरी तारीख है। इनकम टैक्स विभाग टैक्सपेयर्स को एडवांस टैक्स जमा करने के लिए लगातार मैसेज भेज रहा है। लेकिन कुछ टैक्सपेयर्स के पास टैक्स विभाग ने ऐसे मैसेज भेजे हैं जिसकी शब्दावली को लेकर घोर आपत्ति जाहिर की जा रही है। टैक्स जानकारों का मानना है कि टैक्स विभाग के इस मैसेज से टैक्सपेयर्स में भय का माहौल पैदा हो रहा है। सोशल मीडिया पर टैक्स विभाग का ये मैसेज वायरल भी हो रहा है। इनकम टैक्स विभाग ने टैक्सपेयर्स को एडवांस टैक्स जमा करने के लिए मैसेज भेजे हैं। टैक्सपेयर्स को सावधान करते हुए इनकम टैक्स विभाग लिखता है, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को वित्त वर्ष 2022-23 (एसेसमेंट ईयर 2023-24) के दौरान कुछ महत्वपूर्ण फाइनैंशियल ट्रांजैक्शन की जानकारी मिली है। इन ट्रांजैक्शन को कम्पलॉयंस पोर्टल के ई-कैंपेन टैब पर जाकर आप देख सकते हैं और ध्यान से समूचित एडवांस टैक्स जमा करायें। टैक्स विभाग के मुताबिक आप https://eportal lincometax lgov lin/ में लॉगिन कर सर्विसेस टैब में एनुअल इंफॉरमेशन स्टेटमेंट पर क्लिक कर कम्पलॉयंस पोर्टल को एक्सेस कर सकते हैं।

सोना और चांदी के दाम में जोरदार उछाल

ज्यादा खर्च करने के लिए रहें तैयार

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दाम आज जोरदार बढ़त के साथ बने हुए हैं। सोना 56500 रुपये के ऊपर ट्रेड कर रहा है। सोने और चांदी दोनों में ग्लोबल बढ़ी हुई डिमांड का असर देखा जा रहा है। घरेलू कमोडिटी मार्केट में कीमती मेटल्स के दाम उछाल पर हैं। अगर आप आज सर्राफा बाजार में सोना खरीदने निकले हैं तो आपको ज्यादा खर्च करने के लिए तैयार रहना होगा।

सोने के क्या हैं दाम

आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना अच्छी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है और 56500 रुपये के पार निकल गया है। एमसीक्स पर सोना 365 रुपये या 0.65 फीसदी की उछाल के साथ 56515 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बना हुआ था. सोने के सबसे उच्च स्तर देखें तो आज इसमें 56667 रुपये प्रति 10 ग्राम का रेट बना हुआ था. वहीं आज के सबसे निचले स्तर देखें तो सोना 56412 रुपये तक नीचे गया था. सोने के दाम इसके अप्रैल वायदा के लिए हैं।

चांदी के कैसे हैं दाम

चमकीली मेटल चांदी के रेट में भी जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है और 645 रुपये या 1.03 फीसदी की बढ़त के साथ 63535 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। चांदी में नीचे की तरफ 63531 रुपये प्रति किलो और ऊपर में 63749 रुपये प्रति किलो के रेट देखे गए।

ग्लोबल बाजार में सोने के दाम

ग्लोबल बाजार में सोने के दाम 1,877 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहे हैं और इसमें 10.85 डॉलर की बढ़त दर्ज की जा रही है जो कुल 0.55 फीसदी की तेजी दिखाता है।

ग्लोबल बाजार में चांदी के दाम

ग्लोबल बाजार में चांदी के दाम 20.785 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहे हैं और इसमें 0.55 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार दिखा रहा है। सोना और चांदी अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उछाल ही दिखा रहे हैं।

इस कंपनी ने एक साल में कमाया इतना मुनाफा

पीछे छूट गई 135 देशों की जीडीपी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। आपको अगर बताएं कि एक कंपनी ने महज साल भर में इतना मुनाफा कूट दिया, जो करीब 135 देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है, तो आप शायद यकीन न करें। हालांकि यह सच है। सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको ने यह कारनामा किया है।

इतना हुआ 2022 में मुनाफा

सऊदी अरामको को पिछले साल यानी 2022 में 161.1 बिलियन डॉलर का मुनाफा हुआ। कंपनी का यह मुनाफा एक साल पहले यानी 2021 की तुलना में 46 फीसदी ज्यादा है। दूसरी ओर वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों को देखें तो अभी दुनिया के 190 देशों में से महज 55 देश की ऐसे हैं, जिनकी जीडीपी 161 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। दूसरे शब्दों में कहें तो साल 2022 में सऊदी अरामको ने जो मुनाफा कमाया है, वह 135 देशों की जीडीपी से ज्यादा है।

पीछे छूट गई ये दिग्गज कंपनियां

कंपनी को हुआ मुनाफा किस कदर भारी-भरकम है, उसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि अकेले सऊदी अरामको के मुनाफे की बराबरी गूगल , अमेजन , टेस्ला और माइक्रोसॉफ्ट जैसी नामी अमेरिकी कंपनियां मिलकर भी नहीं कर सकती हैं। इन चारों दिग्गज कंपनियों का साल 2022 का कुल मुनाफा मिलाकर भी 161 बिलियन डॉलर नहीं हो पाता है।

इस युद्ध ने कराया फायदा

दरअसल साल 2022 के दौरान दुनिया ने कई उठा-पठक का सामना किया। साल के दूसरे महीने में ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। पूर्वी यूरोप में तब शुरू हुआ युद्ध साल भर से ज्यादा समय हो जाने के बाद भी जारी ही है। इस युद्ध ने पूरी दुनिया पर असर डाला है। इसके चलते पिछले साल दुनिया के कई देशों ने गंभीर खाद्य संकट का सामना किया था। खाने-पीने की चीजों के बढ़े दाम के चलते कई विकसित देशों में अब भी महंगाई दशकों के सबसे ऊंचे स्तर पर है। दूसरी ओर इस युद्ध के चलते लाभ में रहने वाले भी बहुत हैं। खासकर तेल के बिजनेस में लगी कंपनियों ने तो खूब मुनाफा कमाया है।

इन कारणों से हुआ रिकॉर्ड मुनाफा

सऊदी अरामको को हुए रिकॉर्ड मुनाफे की वजह कच्चे तेल की बढ़ी कीमतें, बिक्री में उछाल और रिफाइन किए गए पेट्रोलियम उत्पादों पर बढ़ा मार्जिन रहा। इन्हीं कारणों ने तेल के व्यवसाय से जुड़ी अन्य कंपनियों को भी भारी मुनाफा कराया। पिछले साल इस सेक्टर की बीपी , शेल और शेवरॉन जैसी सभी टॉप कंपनियों ने रिकॉर्ड मुनाफा कमाया। इसी सेक्टर की एक्सॉन को 2022 के दौरान 56 बिलियन डॉलर का मोटा मुनाफा हुआ।

कंपनी के इन्वेस्टर्स भी हुए मालामाल

सऊदी अरामको की बात करें तो साल 2022 में कंपनी का पूंजीगत व्यय 18 फीसदी बढ़कर 37.6 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। कंपनी को इस साल पूंजीगत व्यय 45 बिलियन से 55 बिलियन डॉलर के बीच रहने की उम्मीद है। रिकॉर्ड मुनाफे के कारण कंपनी के बोर्ड ने साल 2022 की चौथी तिमाही यानी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए 19.5 बिलियन डॉलर इन्वेस्टर्स को डिविडेंड के रूप में देने की घोषणा की है। यह डिविडेंड जुलाई-सितंबर 2022 तिमाही की तुलना में 4 फीसदी ज्यादा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ -	04-52 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	मीन...	06-30 बजे
मंगल	मिथुन में	मेष--	08-06 बजे
बुध-	कुंभ में	वृष--	09-50 बजे
गुरु-	मीन में	मिथुन.	11-50 बजे
शुक्र-	मेष में	कर्क...	14-03 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	16-15 बजे
राहु-	मेष में	कन्या..	18-22 बजे
केतु-	तुला में	तुला..	20-28 बजे
		वृश्चिक.	22-39 बजे
		धनु.....	00-51 बजे
		मकर..	02-58 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत -**1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549,**हिजरी सन् -**1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **20 -22** उपरान्त अष्टमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , मंगलवार **Mar 14**
नक्षत्र - अनुराधा - **08 -12** तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - वज्र - **15 - 13** - तक उप सिद्ध
करण- विष्टि -**08 - 58** - तक उप- बव
विशेष:- शील रंगसप्तमी
व्रत -त्योहार -शीतला सप्तमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग.	06:28 - 07:56 अशुभ	काल	18:22 - 19:55 अशुभ
उत्पात	07:56 - 09:26 अशुभ	लाभ	19:55 - 21:25 शुभ
चंचल	09:26 - 10:56 शुभ	उत्पात	21:25 - 22:55 अशुभ
लाभ	10:56 - 12:25 शुभ	शुभ	22:55 - 00:25 शुभ
अमृत	12:25 - 13:55 शुभ	अमृत	00:25 - 01:55 शुभ
काल	13:55 - 15:25 अशुभ	चंचल	01:55 - 03:25 शुभ
शुभ	15:25 - 16:55 शुभ	रोग	03:25 - 04:56 अशुभ
रोग	16:55 - 18:22 अशुभ	काल.	04:56 - 06:28 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आज कोई लेनदार आपके पास आ सकता है और आपसे कर्ज चुकाने के लिए कह सकता है। हालाँकि आप राशि चुका देंगे, लेकिन यह जीवन में आर्थिक तंगी पैदा कर सकता है। इसलिए आपको उधार लेने से बचने की सलाह दी जाती है। दूसरों पर अपनी राय न थोपें- झगड़ों से बचने के लिए आपको दूसरों की बातें सुननी चाहिए।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

दांत दर्द या पेट खराब होना आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकता है। तुरंत राहत पाने के लिए चिकित्सक की सलाह लें। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना पैसा किसी सुरक्षित स्थान पर जमा करके रखना चाहिए, चोरी होने की संभावना है। दूर के रिश्तेदारों से अप्रत्याशित ख़ुशख़बरी पूरे परिवार के लिए ख़ुशनुमा पल लेकर आएगी।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आप अपने आस-पास के लोगों को अत्यधिक मांग करने वाले पाएंगे- जितना आप कर सकते हैं उससे अधिक का वादा न करें- और केवल दूसरों को खुश करने के लिए खुद को थकाने के लिए तनाव न दें। आज के दिन आपको पैसों से जुड़ी समस्या आ सकती है और अपने पिता या पिता तुल्य व्यक्ति से सुझाव मांग सकते हैं।

कर्क ही, हू ,हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

लंबे समय से जीवन में चल रहे तनाव और तनाव से आपको राहत मिलेगी। उन्हें स्थायी रूप से दूर रखने के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का सही समय है। इस राशि के कुछ जातकों को आज संतान के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व होगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा इसलिए अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए लंबी सैर पर निकलें। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं और उसका सही इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके बच्चे के पुरस्कार समारोह में निमंत्रण खुशी का स्रोत होगा। आप अपने सपने को सच होते हुए देख सकते हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

समय-समय पर टूटने से आपको कुछ परेशानी हो सकती है। अपने तंत्रिका तंत्र को क्रियाशील रखने के लिए पूरा आराम करें। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, जिससे आपको स्थिति को संभालना होगा और काफी धन खर्च करना होगा। गृह-सुधार परियोजनाओं पर विचार किया जाना चाहिए।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपका बच्चों जैसा स्वभाव सामने आएगा और आप चंचलता के मूड में रहेंगे। अप्रत्याशित बिल आर्थिक बोझ बढ़ाएंगे। परिजनों के बीच पैसों के मामले में विवाद होने की संभावना है। आपको परिवार के सभी सदस्यों को वित्त और नकदी प्रवाह के बारे में स्पष्ट रहने की सलाह देनी चाहिए। आपके आंसू किसी खास दोस्त द्वारा पोंछे जा सकते हैं।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आपकी जबरदस्त बौद्धिक क्षमता आपको विकलांगता से लड़ने में मदद करेगी। सकारात्मक विचार रखकर ही आप इस समस्या से लड़ सकते हैं। संयुक्त उद्यमों और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं में निवेश न करें। पुराने संपर्कों और संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए दिन अच्छा है। रोमांटिक अफेयर आज मार खा सकता है।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

कुछ अपरिहार्य परिस्थितियां आपको कुछ बेचैनी दे सकती हैं। लेकिन आपको अपना संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। आज आपके सामने कई नई वित्तीय योजनाएँ आएंगी- कोई भी वादा करने से पहले अच्छे-बुरे पर विचार कर लें।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

तनाव दूर करने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। अगर आपको लगता है कि आपका पैसा बिना किसी अच्छे कारण के खर्च हो रहा है तो आज आपको एक सही और प्रभावी बजट योजना बनाने की जरूरत है। आपका कोई करीबी बेहद अप्रत्याशित मूड में रहेगा। आप प्यार के दर्द का अनुभव कर सकते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

जैसे-जैसे आप दूसरों के साथ खुशी के पल साझा करेंगे, आपका स्वास्थ्य भी खिलेगा। लेकिन सावधान रहें क्योंकि इसे नज़रअंदाज करना बाद में आपको परेशान कर सकता है। जैसा कि आपने अतीत में बहुत खर्च किया है, आपको अपने वर्तमान में इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

मोतियाबिंद के रोगियों को प्रदूषित वातावरण में जाने से बचना चाहिए क्योंकि धूम्रपान आपकी आँखों को और नुकसान पहुँचा सकता है। हो सके तो धूप के ज्यादा संपर्क में आने से बचें। यदि आपने अपने परिवार के किसी सदस्य से कुछ धन उधार लिया था तो उसे आज ही लौटा देना उत्तम होगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गौतम अडानी के इस शेयर को खरीदने के लिए टूट पड़े निवेशक धड़ाधड़ लग रहा अपर सर्किट, बेचने को कोई तैयार नहीं

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में अभी कमजोरी देखने को मिल रही है। आज भी सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई है। इस बीच अडानी ग्रुप की एक कंपनी के शेयर को खरीदने की निवेशकों में होड़ मच गई है। पिछले आठ दिनों से इस शेयर में धड़ाधड़ अपर सर्किट लग रहे हैं। यह शेयर अडानी पॉवर लिमिटेड का है। अमेरिकी रिचर्स फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से इसी शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली थी। 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी और इसके बाद से अडानी पॉवर के शेयरों में एक के बाद एक लोअर सर्किट लग रहे थे। यह शेयर लगातार गिरावट के साथ अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। अब पिछले एक सप्ताह से अडानी ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। इस बीच अडानी पॉवर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी आई है। अडानी पॉवर के शेयर में पिछले 27 फरवरी से अभी तक 40 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखने को मिला है। एक महीने में शेयर का भाव 37.88 फीसदी तक बढ़ चुका है। आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन भी शेयर में बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह शेयर सुबह करीब पांच फीसदी की उछाल के साथ 215.10 रुपये के अपर सर्किट पर लग गया है। यह शेयर सुबह 211.70 रुपये के स्तर पर खुला था। इसके बाद इसमें अपर सर्किट देखने को मिला है। शेयर में लगातार तेजी के चलते निवेशक गदगद हैं। अडानी पॉवर का 52 वीक का हाई 432.50 और लो 119.60 रुपये प्रति शेयर है।शेयर में बंपर तेजी के चलते निवेशकों को उम्मीद है कि अडानी पॉवर जल्द ही अपने अपर सर्किट को छू सकता है। अडानी पॉवर के शेयरों में तेजी आने के बाद से कोई इसका स्टॉक बेचना नहीं चाहता है। यह शेयर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अडानी पॉवर के साथ अडानी ग्रुप के बाकी शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है। आज सुबह भी अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है।

इस आईपीओ से मिलेगा कमाने का मौका?

सब्सक्रिप्शन खुलते ही 25 फीसदी हुआ जीएमपी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। प्राकृतिक पत्थरों का प्रसंस्करण और इंजीनियर्ड क्वार्ट्ज का विनिर्माण करने वाली कंपनी ग्लोबल सर्फेसेज लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल चुका है। इसे बाजार में ठीक-ठाक रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। आइए जानते हैं कि यह आईपीओ इन्वेस्टर्स के लिए कैसा साबित हो सकता है। सबसे पहले आपको बता दें कि महीनों की सुस्ती के बाद आईपीओ बाजार में फिर से रौनक लौटने लगी है और शेयर मार्केट में पैसे लगाने वाले इन्वेस्टर्स को कमाई करने के मौके मिलने लगे हैं। पिछले सप्ताह ही सुदर्शन फार्मा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड एसएमई का आईपीओ आया, जो अभी सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन है। अब ग्लोबल सर्फेसेज लिमिटेड का आईपीओ बाजार में आ चुका है। ग्लोबल सर्फेसेज लिमिटेड के आईपीओ का साइज करीब 155 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ आज से यानी 13 मार्च से सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ है और इसके लिए 15 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। 20 मार्च को इसके शेयर अलॉट किए जाएंगे, जबकि असफल बोली वालों को 21 मार्च से रिफंड मिलने लगेंगे। जिनकी बोलियां चुनी जाएंगी, उनके डीमैट खाते में ग्लोबल सर्फेसेज लिमिटेड के शेयर 22 मार्च को क्रेडिट होंगे। कंपनी के शेयर 23 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।ग्लोबल सर्फेसेज लिमिटेड के आईपीओ में 10 रुपये अंकित मूल्य के कुल 1,10,70,000 शेयर हैं। इनमें से 85,20,000 शेयरों का फ्रेश इश्यू और 25,50,000 शेयरों का ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस शामिल है। अभी कंपनी में प्रवर्तक मयंक शाह की 99.35 फीसदी हिस्सेदारी है।

भारतीय शेयर बाजार में छाई मायूसी, सेंसेक्स 900 अंक नीचे गिरकर हुआ बंद

बैंक निफ्टी में भी 2.27% की गिरावट

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार और उनके निवेशकों के लिए बेहद निराशाजनक साबित हुआ है। मुनाफावसूली के दबाव के चलते बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 897 अंकों की गिरावट के साथ 58,237 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 258 अंकों की गिरावट के साथ 17,154 अंकों पर बंद हुआ है।गिरावट की आंधी से कोई भी सेक्टर आज बच नहीं सका। बैंक निफ्टी 920 अंकों नीचे गिरकर बंद हुआ है। स्मॉल कैप और मिड कैप शेयरों में भी भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसके अलावा ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर का शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 29 शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ है और एक शेयर हरे निशान में बंद हुआ है। निफ्टी के 50 शेयरों में 47 शेयर गिरावट के साथ तो 3 शेयर हरे निशान में बंद हुआ है। दिन के ट्रेडिंग के दौरान बाजार एक समय हरे निशान में कारोबार कर रहा था और सेंसेक्स में 300 से ज्यादा अंकों की तेजी थी। लेकिन अपने हाई से सेंसेक्स 1270 अंक तो निफ्टी में 375 अंकों की गिरावट आई है। आज का कारोबार में टेक महिंद्रा 6.84 फीसदी, ओपोलो हॉस्पिटल 0.64 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि इंडसइंड बैंक 7.40 फीसदी, एसबीआई 3.17 फीसदी, टाटा मोटर्स 3.09 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.71 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 258.70 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जो शुक्रवार को 262.61 लाख करोड़ रुपये पर था। यानि निवेशकों को करीब 3.90 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

2024 के लिए ममता ने रखा 40 सीटों का टारगेट

23 साल में 12 राज्यों में गईं, लेकिन फेल, अब बंगाल की मुस्लिम बहुल सीट भी हारीं

कोलकाता, 13 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। वो साल 1997 था। महीना था, दिसंबर। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के बड़े नेताओं में शामिल ममता बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें ऐलान किया कि वो और उनके समर्थक ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। ममता की प्रेस कॉन्फ्रेंस चल ही रही थी कि खबर आई कि उन्हें कांग्रेस से 6 साल के लिए बाहर कर दिया गया है। शायद पार्टी के इस फैसले का अंदाजा ममता को पहले ही हो चुका था। राजीव गांधी तक पहुंच रखने वालीं ममता को निकालने का फैसला तुरंत नहीं लिया गया था, बल्कि उनके और कांग्रेस के बीच कई साल से वैचारिक मतभेद चल रहे थे। पार्टी में उनके सबसे बड़े विरोधी उस वक्त के बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष सोमेंद्र नाथ मित्रा थे। ममता मित्रा को तरबूज कहकर बुलाती थीं, क्योंकि तरबूज अंदर से लाल होता है और वामपंथियों का रंग भी लाल है।

ममता को लगता था कि मित्रा वामपंथियों के समर्थक हैं, और ममता वामपंथियों की सबसे बड़ी बड़ी दुश्मन थीं। बाद में ममता की सोनिया से भी कई मुद्दों पर असहमति रही और उन्होंने 1 जनवरी 1998 को नई पार्टी बना ली। तब से अब तक टीएमसी को 25 साल हो चुके हैं, लेकिन पार्टी पश्चिम बंगाल के बाहर कहीं भी सरकार नहीं बना सकी।

बंगाल के बाहर दीदी फेल

सरकार बनाना तो दूर की बात है टीएमसी बंगाल के बाहर किसी भी राज्य में अपने दम पर दहाई के आंकड़े पर भी नहीं पहुंच पाई हैं। 2021 में मेघालय में जरूर टीएमसी के 12 विधायक हो गए थे, लेकिन वो सभी कांग्रेस से टीएमसी में आए थे। टीएमसी के टिकट पर जीते हुए विधायक नहीं थे। टीएमसी 2001 में असम, 2005 में यूपी, 2009 में अरुणाचल प्रदेश, 2009 में केरल, 2012 में मेघालय-मणिपुर, 2014 में तमिलनाडु, 2017 में पंजाब, 2018 में त्रिपुरा, 2021 में हरियाणा, 2021 में बिहार, 2022 में गोवा पहुंची। कहीं चुनाव लड़ा, तो कहीं पार्टी ने एक्टिविटी शुरू कीं, लेकिन इनमें से किसी भी राज्य में पार्टी सरकार नहीं बना सकी।

मेघालय के थोड़े से वक्त को छोड़ दिया जाए तो कहीं मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं बन पाई। सिर्फ बंगाल में ही ममता लगातार तीन बार जीती हैं।

हाल में बंगाल की सागरदिघी सीट के उपचुनाव में हुई हार के बाद टीएमसी के लिए बंगाल भी लोकसभा चुनाव में एकतरफा होते नहीं दिख रहा। 2019 में ही बीजेपी ने बंगाल की 42 में से 18 लोकसभा सीटें जीती हैं।

46 सीटों के साथ देवगौड़ा पीएम बन सकते हैं तो ममता क्यों नहीं

ममता बनर्जी ने 2024 का चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया है। सागरदिघी में 23 हजार वोटों से हार पर उन्होंने कहा कि ऐसा बीजेपी, सीपीएम और कांग्रेस के एक साथ होने से हुआ। टीएमसी की ताकत के बारे में बताते हुए उसके स्टेट वॉइस प्रेसिडेंट जयप्रकाश मजूमदार कहते हैं कि 'टीएमसी लोकसभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी है। राज्यसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। भारत में सबसे ज्यादा विधायकों वाली तीसरे नंबर की पार्टी है। यूपी और महाराष्ट्र के बाद पश्चिम बंगाल से ही सबसे ज्यादा (42) सांसद संसद पहुंचते हैं।

ऐसे में पार्टी को उम्मीद है कि बंगाल में क्लीन स्वीप करने पर विपक्षी पार्टियों के बीच बड़ा रोल निभा सकती है। मजूमदार के मुताबिक, 'पार्टी ने 40 लोकसभा सीटें जीतने का टारगेट रखा है। बंगाल के बाहर उन सीटों पर ही कैंडिडेट्स उतारे जाएंगे, जहां पार्टी का बेस अच्छा है। टीएमसी नेताओं को लगता है कि अगर 1996 में 46 सीटों के साथ जनता दल के देवगौड़ा प्रधानमंत्री बन

सकते हैं तो फिर 2024 में ममता ऐसा क्यों नहीं कर सकतीं।'

त्रिपुरा में 60% आबादी बांग्ला बोलने वाली, पर टीएमसी को 1% वोट भी नहीं मिले

ममता बनर्जी की त्रिपुरा में पुरजोर ताकत लगाने की एक बड़ी वजह ये थी कि राज्य में 60% लोग बांग्ला भाषा बोलते हैं। मेघालय और गोवा में भी पार्टी इसलिए गई थी कि उसे लग रहा था कि ये छोटे राज्य हैं और यहां का कल्चर बंगाल से मिलता-जुलता है। ऐसे में हो सकता है उसे कामयाबी मिल जाए। तीनों ही राज्यों के नतीजों ने टीएमसी को बुरी तरह निराश किया है।

टीएमसी ने त्रिपुरा की 60 में से 28 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत सकी। वोटिंग परसेंटेज 1% से भी कम रहा। टीएमसी ने 2021 में मेघालय में कांग्रेस पार्टी में सेंधमारी कर दी और दो बार के सीएम मुकुल संगमा अपने 11 साथी विधायकों के साथ टीएमसी में आ गए। इसके बाद टीएमसी मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई। ऐसे में उसे पूरी उम्मीद थी कि 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी सत्ता में आ सकती है, पर मेघालय में पार्टी को महज 5 सीटें मिलीं। यानी कांग्रेस से जो 12 विधायक टीएमसी में शामिल हुए थे, उतनी संख्या तक भी टीएमसी नहीं पहुंच सकी।

मैंने टीएमसी के स्टेट वाइस प्रेसिडेंट जयप्रकाश मजूमदार से पूछा कि, बंगाल के बाहर आप हर जगह हार रहे हैं और दावा बीजेपी को सत्ता से हटाने का करते हैं? इस पर वे बोले, 'किसी दूसरे राज्य में जाकर पार्टी का एक्सपेंशन करना दुकान खोलने जैसा नहीं है कि गए और बिजनेस चालू हो गया। इलेक्टोरल सिस्टम है। इसमें लोगों तक अपनी बात पहुंचाने और पैठ बनाने में वक्त लगता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेघालय में हम बीजेपी से तीन सीटें ज्यादा जीते और कांग्रेस के बराबर सीटें लाए। जबकि पहली बार चुनाव लड़े थे। त्रिपुरा में लोकल इलेक्शन में हमें जीत मिली थी। 20% वोट मिले थे, लेकिन विधानसभा चुनाव बीजेपी बनाम कांग्रेस-सीपीएम हो गया था। त्रिपुरा में हिल्स में तो बीजेपी को भी कामयाबी नहीं मिली। वो मैदानी इलाकों में ही जीत पाए। आने वाले टाइम में हम त्रिपुरा-मेघालय में जरूर चुनाव जीतेंगे।

क्या बंगाल के मुस्लिम भी ममता बनर्जी से नाराज हैं

2021 में हुए विधानसभा चुनाव में सागरदिघी सीट टीएमसी के सुब्रत साहा ने 50 हजार वोटों से जीती थी, लेकिन 22 महीने बाद ही यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई। कांग्रेस कैंडिडेट की जीत का मार्जिन भी 23 हजार वोटों का रहा। सागरदिघी में 64% मुस्लिम पॉपुलेशन है। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं क्या बंगाल का मुस्लिम भी दीदी से नाराज चल रहा है।

पश्चिम बंगाल में मुस्लिमों की आबादी 27% है और चुनाव जीतने में ये तबका बड़ा रोल प्ले करता है। अब तक मुस्लिम ममता बनर्जी को एकतरफा जिताते आए हैं। लोकसभा चुनाव के पहले ममता को मिल रहे संकेत ठीक नहीं लग रहे। पश्चिम बंगाल में बड़े लेवल पर करप्शन के मामले सामने आए हैं।

टीचर्स रिक्रूटमेंट में हजारों टीचर्स सड़क पर बैठे। हाईकोर्ट ने भी हायरिंग प्रॉसेस में करप्शन होने की बात कही। बीरभूम में जो हिंसा हुई, उसमें माइनॉरिटी कम्युनिटी के लोग ही मारे गए। ममता सरकार में नंबर दो रहे मंत्री से लेकर उनके खास अनुब्रत मंडल तक सलाखों के पीछे हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि ममता के लिए बंगाल को बचाना ही अभी चुनौती हो गया है।

कांग्रेस कभी लेफ्ट के साथ, कभी खिलाफ, यकीन कैसे करें

मजूमदार कहते हैं, मौजूदा भारतीय राजनीति में शरद पवार को छोड़ दिया जाए तो ममता बनर्जी के बराबर सीनियर और अनुभवी नेता कोई नहीं है। पीएम मोदी भी उनसे जूनियर हैं, क्योंकि ममता इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के दौर से राजनीति कर रही हैं और नरसिम्हा राव सरकार में भी मंत्री रहीं।

वे आगे कहते हैं, 'मौजूदा दौर में कांग्रेस बिना किसी नीति के राजनीति कर रही है। वो केरल में वामपंथियों के खिलाफ लड़ते हैं। उनके नेता राहुल गांधी वहां से वामपंथियों को हराकर चुनाव जीतते हैं, लेकिन बंगाल में वामपंथियों के साथ मिलकर टीएमसी के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं। ऐसे में कांग्रेस पर कैसे भरोसा किया जाए। हां, यदि कांग्रेस अपनी दम पर 140 तक सीटें लाती है तो अपने आप उसकी जगह बड़ी हो जाएगी। 40-50 सीटें जीतकर आप खुद को बड़ा बाबू समझेंगे तो कैसे काम चलेगा।'

लोकसभा चुनाव में 40 सीटों का टारगेट

टीएमसी ने लोकसभा में 40 सीटें जीतने का टारगेट रखा है। नई स्ट्रैटजी से काम शुरू कर दिया है। मजूमदार कहते हैं कि, बीजेपी आज इतनी मजबूत सिर्फ कांग्रेस की वजह से हुई है। कांग्रेस अपना काम सही तरीके से करती तो लोकसभा में स्थिति अलग होती है। अब हम देख रहे हैं कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और कर्नाटक में कांग्रेस किस तरह से चुनाव लड़ती है। इसके काफी कुछ साफ हो जाएगा।

पीसीसी चीफ मरकाम ने अपनी ही सरकार को घेरा

डीएमएफ फंड में बंदरबांट का लगाया आरोप

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में सोमवार को बजट सत्र की कार्यवाही हंगामेदार रही। कार्यवाही शुरू होते ही पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने प्रश्नकाल में अपनी ही सरकार को घेरा। कोंडागांव में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग में जिला निर्माण समिति के तहत कराए गए कार्यों में डीएमएफ फंड के बंटवारे में बंदरबांट का आरोप लगाया। सवाल करते हुए पूछा कि जब आरईएस निर्माण एजेंसी है, तो कब से सरकार में सप्लाई का काम करने लगी।

मरकाम ने कहा कि 7 करोड़ रुपये डीएमएफ के पैसे का बंदरबांट हुआ है। एक ही अधिकारी कई विभागों के पदों पर डटे हुए हैं। मामले में विधानसभा की समिति से जांच कराने की मांग की। इस पर नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेले ने भी सदन की कमेटी से जांच की मांग की। मंत्री रविन्द्र

चौबे ने कहा कि आपने गंभीर मामले को उठाया है। इस केस में स्टेट लेवल के अधिकारी से एक महीने में जांच कराने और इसके बाद दोषियों पर कार्रवाई की घोषणा की।

7 करोड़ का बंदरबांट

पीसीसी चीफ ने कहा कि 7 करोड़ का बंदरबांट हुआ है। क्या अधिकारी पर कार्रवाई होगी? विधानसभा की कमेटी से जांच कराएंगे क्या? इस पर मंत्री ने कहा कि कलेक्टर किसी को भी नोडल अधिकारी बना सकते हैं। राज्य स्तर के अधिकारी को भेजकर जांच कराई जाएगी। एक महीने के अंदर जांच रिपोर्ट आने पर दोषी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में 50 फीसदी से ज्यादा डीएमएम की राशि का बंदरबांट हुआ। पहले भी डीएमएफ की राशि में गड़बड़ी का मामला उठ चुका है। जांच कराना जरूरी है।

आईपीएस समेत राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों का तबादला

नीरज को एएसपी रायपुर की जिम्मेदारी

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों का नवीन तबादला आदेश जारी किया है। इस सूची में कुल 8 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। जारी आदेश के मुताबिक, कीर्तन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी मुख्यालय की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं वीरेंद्र चतुर्वेदी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा का दायित्व देखेंगे। मनोज ध्रुव को सीएसपी सिविल लाइन की जिम्मेदारी मिली है।

इसके अलावा नीरज चंद्राकर को एएसपी रायपुर की जिम्मेदारी दी गई है। छत्तीसगढ़ शासन गृह (पुलिस विभाग) ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

लौट रहा है चेहरे पर मास्क

हांगकांग फ्लू के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए तैयार सरकार, लोगों से अपील लगाएं मास्क

रांची, 13 मार्च (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों के साथ- साथ झारखंड में भी एच3 एन2 (हांगकांग फ्लू) का खतरा बढ़ रहा है। झारखंड में भी लोगों से मास्क लगाने और निश्चित दूरी रखने की अपील की गयी है। कई राज्यों में हांगकांग फ्लू के बढ़ते खतरे ने मास्क को दोबारा लौटा दिया है।

साधारण सर्दी खांसी या वायरल

मौसम बदलने की वजह से हो रही सर्दी खांसी को भले ही लोग गंभीरता से नहीं ले रहे लेकिन यह फ्लू हो सकता है। बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने सभी राज्यों के उपायुक्तों को अलर्ट जारी किया है। राज्य के सभी अस्पतालों में ऐसे मरीजों की पहचान करने और हर दिन के आंकड़े की जानकारी रखने की

हिदायत दी है। ऐसे मरीज जिन्हें लंबे समय से सर्दी, खांसी, गले में दर्द, बुखार जैसी समस्या है उनकी पहचान करके नमूने इकट्ठा कराए जाएं और इन्फ्लुएंजा, कोविड और एडेनोवायरस का टेस्ट कराया जाए। कई जिलों में इसके मामले देख जा रहे हैं लेकिन यह पुष्टि नहीं हो रही है कि क्या यह इन्फ्लुएंजा ए वायरस या साधारण समस्या है। उपायुक्तों को दिए गये निर्देश में उनसे कहा गया है कि अस्पताल में बिस्तर, दवा, बेड, ऑक्सीजन जैसी जरूरी चीजों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। सभी जिलों को इस संक्रमण के संबंध में जागरुक करने का निर्देश दिया गया है। रिम्स, रांची और एमजीएम, जमशेदपुर के वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैब को इन्फ्लूएंजा की जांच के लिए नामित किया गया है।

हम संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार

स्वास्थ्य मंत्री ने बन्ना गुप्ता ने बढ़ते हांगकांग फ्लू के खतरे कहा था कि राज्यवासियों को घबराने की जरूरत नहीं है।

सरकार बुनियादी सुविधाओं पर पूरा ध्यान दे रही है। हम पूरी तरह तैयार हैं। हमारे पास पर्याप्त मात्रा में संसाधन है। अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में आईसीयू और ऑक्सीजन बेड है। ऑक्सीजन की व्यवस्था है। जांच की सुविधा भी उपलब्ध है।

तेजाब से नहलाने की धमकी देकर महिला से किया दुष्कर्म

कई घंटे लॉज में बनाए रहा बंधक, आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, 13 मार्च (एजेंसियां)। मोहन नगर थाना क्षेत्र में महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। होली के दिन शंकर नगर निवासी आरोपी ने महिला को तेजाब से जलाने की धमकी देकर भिलाई के होटल में लेकर पहुंचा। जहां आरोपी ने महिला से दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले महिला ने मोहन नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित महिला की शिकायत पर मोहन नगर पुलिस ने धारा 342, 366, 376, 377, 506(बी) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी सुनील महोबे को गिरफ्तार कर लिया है।

मोहन नगर थाना प्रभारी विपिन रंगारी ने बताया कि 12 मार्च को पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी शंकर नगर दुर्ग निवासी सुनील महोबे (48) ने होली के दिन उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी सुनील महोबे ने महिला को अकेला पाकर तेजाब फेंककर जला देने की धमकी दी। धमकी देने के साथ ही उसने अपनी मोटर साइकिल में बिठाया और भिलाई पावर हाउस स्थित एक निजी लॉज में ले जाकर महिला से जबरन शरीरिक संबंध बनाया और अमानवीय कृत्य किया साथ ही आरोपी ने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने लॉज में कई घंटा बंधक बनाकर रखने का आरोप भी लगाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी पहले भी दुष्कर्म के मामले में जा चुका है जेल

पीड़िता महिला अपने बच्चों के साथ घर में अकेली रहती है उसके पति ने उसे छोड़ दिया है। जिसका फायदा उठाकर आरोपी शंकर नगर निवासी सुनील महोबे ने वर्ष 2021 में उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले में आरोपी जेल चला गया। इसके बाद वह जमानत पर छूटा। जिसके बाद दुबारा महिला का पीछा करता और बात करने की कोशिश करता था। महिला उससे बात नहीं करती थी। उसके धमकी के डर से महिला ने पुलिस में शिकायत नहीं की। आरोपी सुनील महोबे ने महिला पर गलत काम के लिए दबाव बनाने लगा।

अडाणी के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

प्रदेश अध्यक्ष बोले प्रधानमंत्री मोदी जी यारी है ईमान मेरा यार मेरी जिंदगी आपकी यारी देश की जनता को बर्दाश्त नहीं

रांची, 13 मार्च (एजेंसियां)। राज्यभर से कांग्रेस कार्यकर्ता रांची पहुंचे हैं। उद्योगपति गौतम अडाणी के विरोध में कांग्रेस राजभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस विरोध प्रदर्शन के बाद कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपेगा। राजभवन के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने कांग्रेस के कई दिग्गज नेता भी पहुंचे हैं जिनमें कार्यकर्ताओं के साथ- साथ सुखदेव भगत, बादल पत्रलेख, इरफान अंसारी, दीपिका पांडे सिंह, ददई दुबे, योगेंद्र साव और आलमगीर आलम सहित कई दिग्गज नेता शामिल हैं।

हमने बनाया हम ही बचायेंगे

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा, कांग्रेस ने देश के लिए कई बड़ी संपत्तियां खड़ी की

है। कांग्रेस चुप कैसे रहेगी। हम तानाशाही नहीं चलने देंगे। यारी है ईमान मेरा यार मेरी जिंदगी, प्रधानमंत्री जी जो चाहते हैं वो नहीं होने देंगे। एसबीआई, एलाआईसी हमने बनाया है। उसे बचाने की जिम्मेदारी भी हमारी है। कांग्रेस राज्यभर में इसके चरणबद्ध तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रही है। हमारी आवाज दबाई जाती है। सदन में जब कांग्रेस नेता अपनी बात रखते हैं तो स्पीकर महोदय के द्वारा स्पीकर बंद कर दिया जाता है। हम अपनी इन मांगों के साथ ही सदन के बाहर सड़क पर उतरे हैं। हम यह बता देना चाहते हैं कि मोदी जी आपकी यारी देश की जनता को बर्दाश्त नहीं है। आपकी यारी एलाआईसी और एसबीआई को भारी पड़ रही है। हमने एलआईसी और एसबीआई बनाया है इसे बचायेंगे भी हम ही।

यार से यारी देश से गद्दारी नहीं चलेगी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव भगत ने कहा कि यार से यारी देश से गद्दारी नहीं चलेगी। यहां अडाणी की सरकार चल रही। सारा कुछ अडाणी समूह के लिए ही हो रहा। गरीब के खून पसीने से जमा किये पैसों का दुरूपयोग हो रहा है।

राज्यपाल को सौंपा जायेगा ज्ञापन

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अडानी हिंडनबर्ग प्रकरण में आम आदमी के पसीने की करोड़ों रुपये की कमाई के डूब जाने के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। इस विरोध प्रदर्शन के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ता राज्यपाल से मिलेंगे राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे। जिसमें अडाणी हिंदनबर्ग प्रकरण की जांच जेपीसी से कराने की मांग करेंगे।

युवक को शराब पिलाई, फिर रॉड से पीट-पीटकर मार डाला

रायगढ़, 13 मार्च (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले में हुई युवक की हत्या का राज खुल गया है। उसकी हत्या गांव के ही 2 लोगों ने मिलकर की थी। दोनों ने पहले मिलकर युवक को शराब पिलाई थी। फिर रॉड से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को फेंक दिया था। मगर अब पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई है। पुलिस ने 2.5 महीने बाद पूरे मामले का खुलासा किया है। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। कोतरा के पावर ग्रिड के पास एक युवक की लाश 17 दिसंबर 2022 को मिली थी। आस-पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव की पहचान बायंग निवासी कमल दास(20) के रूप में की थी। युवक के शरीर में काफी जगह चोट के निशान भी मिले थी। इसी वजह से पुलिस को उसकी हत्या का संदेह था। पीएम रिपोर्ट में भी हत्या की बात सामने आई थी।

इसके बाद पुलिस ने कमल के परिजनों से पूछताछ की। गांव के लोगों से भी बातचीत की थी। जिसमें पुलिस को पता चला कि कमल का देवदास महंत के साथ उठना, बैठना था। कमल देवदास के साथ मिलकर ही शराब गांजा बेचा करता था। वहीं कमल का गांव के ही कैलाश सिदार की नजदीकी रिश्तेदार के साथ प्रेम संबंध भी था। ये जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अपनी पड़ताल और तेज की। जांच में यह भी पता चला कि युवक के प्रेम संबंध के चलते कैलाश सिदार नाराज था। कैलाश ने कमल को कई बार जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसके अलावा देवदास महंत से भी कमल की बहस हुई थी। धंधे में पैसों को लेकर दोनों में झगड़ा हो चुका था। इस बात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया था और पूछताछ शुरू की थी।

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगी गर्मी

सबसे गर्म शहर रायगढ़

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब हर दिन गर्मी बढ़ती जा रही है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर का तापमान बढ़ा है। 37.3 डिग्री के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रायगढ़ है। जबकि रात में हल्की ठंड रहती है। मौसम एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये अचानक नहीं बल्कि बेहद धीमी गति से हो रहा है। कुछ हिस्सों से आ रही ठंडी हवाओं ने गर्मी बढ़ने की रफ्तार को थाम रखा है। लेकिन मार्च के आखिरी में सूरज तकलीफ बढ़ाएगा। बदलते मौसम को लेकर मौसम विभाग के एक्सपर्ट एचपी चंद्रा ने कहा, 13 मार्च सोमवार को उत्तर, उत्तर पश्चिम की ओर से हवाएं छत्तीसगढ़ आने की संभावना है।

प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इसके कारण अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है लेकिन तापमान में बढ़ोतरी का क्रम लगातार बने रहने की संभावना है।

सीवरेज ने 14 साल में छीनी 12 जिंदगियां, अब जांच

180 करोड़ से 400 करोड़ रुपए तक पहुंची योजना पर विधानसभा में हंगामे के बाद आदेश

बिलासपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सीवरेज परियोजना का मामला एक बार फिर विधानसभा में उठा है। 180 करोड़ रुपए से शुरू हुई इस परियोजना की लागत 14 साल में 400 करोड़ रुपए हो गई है। फिर भी अब तक काम पूरा नहीं हो सका है। वहीं, कंपनी की लापरवाही से लगातार इस परियोजना से लोगों की जानें जा रही है। दो दिन पहले ही सीवरेज के गड्ढे में गिरकर 17 साल के लड़के की मौत हो गई थी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत के आदेश पर संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे ने इस मामले की जांच की घोषणा की है।

विधानसभा की कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि दो दिन पहले सीवरेज के गड्ढे में 17 साल का लड़का गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सीवरेज परियोजना की शुरुआत 180 करोड़ रुपए की लागत से 2008 में शुरू हुआ था, जिसे 24 माह में पूरा होना था।

लेकिन, यह परियोजना अब बिलासपुर के लोगों के लिए अभिशाप बन गई है। उन्होंने मांग की कि कंपनी प्रबंधन और उसके अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और मृतक के परिवार को 10 लाख रुपए मुआवजा राशि दी जाए। विधायक धर्मजीत सिंह के साथ ही बिलासपुर विधायक शैलेष पांडेय, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले ने भी इस मुद्दे को उठाया। नेताओं ने कहा कि 14 साल से यह योजना अधूरी है और इस बीच इसकी लागत 180 करोड़ रुपए से बढ़कर 400 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

पुतिन के सबसे बड़े आलोचक पर बनी फिल्म को मिला 'ऑस्कर'

पत्नी ने मंच से सबको कर दिया भावुक

मास्को, 13 मार्च (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े आलोचक एलेक्सी नवलिनी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म को ऑस्कर 2023 का बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड मिला है। इस दौरान नवलिनी की पत्नी यूलिया नवलानया ने ऑस्कर के मंच से एक भावुक भाषण भी दिया। ये सुनकर समारोह में शामिल सभी लोग भावुक हो गए।

ऑस्कर मिलने के बाद नवलिनी की पत्नी यूलिया ने कहा कि उनके पति को सिर्फ इसलिए जेल में रखा गया है क्योंकि उन्होंने सच बोला था। उनके पति को लोकतंत्र बचाने की सजा मिल रही है। यूलिया ने अपने पति को मजबूत रहने के लिए कहा और उम्मीद जताई कि एक दिन वह जरूर बाहर आएंगे।

नवलिनी को जहर देने के लिए पुतिन ने बनाई थी टीम

46 साल के नवलिनी दावा करते हैं कि उनके पास राष्ट्रपति पुतिन के भ्रष्टाचार और सारे काले कारनामों के सबूत हैं। पिछले दो साल से पुतिन ने उन्हें जेल में डाल रखा है। नवलिनी पेशे से वकील हैं और रूसी सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाते रहे हैं। नवलिनी रूस की विपक्ष सहयोग परिषद के सदस्य हैं और रशिया ऑफ द फ्यूचर पार्टी के नेता हैं। साल 2021 तक यू-ट्यूब पर उनके चैनल के छह मिलियन से ज्यादा सब्रस्क्राइबर्स थे।

उन्हें रूस के अगले राष्ट्रपति के तौर पर देखा जाता है। साल 2018 में उन्होंने राष्ट्रपति का चुनाव भी लड़ा था। डॉक्यूमेंट्री में ये दावा किया गया है कि पुतिन ने रूस में नवलिनी के नाम तक को बैन कर दिया। यहां तक की उन्हें जहर देकर मारने के लिए एक टीम भी बनाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल अगस्त 2020 में तो नवलिनी को सर्बिया में सबसे खतरनाक जहर नोविचोक दिया गया था, जिससे वह कोमा में चले गए थे। इलाज के लिए उनकी टीम उन्हें जर्मनी लेकर गई। यहां से उन्हें रूस वापस भेज दिया गया था। 17 जनवरी 2021 को जैसे ही वह मॉस्को लौटे राष्ट्रपति पुतिन के आदेश पर उन्हें तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया गया।

अमेरिकी युवा सोशल मीडिया से सीखकर कार चुरा रहे

कई शहरों में ऐसी घटनाएं बढ़ीं, जिन कंपनियों की कारें चोरी हुईं उनके खिलाफ मामले दर्ज

वॉशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। मेम्फिस शहर में एक पुरानी फैक्टरी के पास ट्रक ड्राइवर छह घंटे से कतार में बैठे हैं ताकि वे सामान उतार सकें। कुछ लोग अपने चोरी गए वाहनों के वापस मिलने का इंतजार कर रहे हैं। लगभग 2700 कारें मैदान में रखी हैं। कारों की यह भीड़ मेम्फिस और अमेरिका के अन्य शहरों में वाहन चोरी की घटनाओं में आए उछाल का नतीजा है।

कम से कम दो कंपनियों-किया और हुंडई के वाहन ज्यादा चोरी हुए हैं। इस वजह से कुछ शहरों ने कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर किए हैं। एक राज्य के अटॉर्नी जनरल ने कंपनियों की जांच शुरू कर दी है। पिछले साल मेम्फिस में 11 हजार कारें चोरी हुई थीं। ये 2021 से दोगुनी हैं। इनमें से एक तिहाई कारें किया और ह्युंडई के नए मॉडल हैं। इन्हें खोलने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करना पड़ती है। सोशल मीडिया पर कारों के लॉक खोलने के वीडियो की भरमार है। इसके लिए एक स्क्रूड्राइवर, यूएसबी कार्ड

और हॉट वायरिंग जानकारी की जरूरत होती है। पुलिस का कहना है, कई अपराधी टीनएजर्स या युवा हैं। वे सैर-सपाटे, डकैतियों जैसे अन्य अपराधों के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं।

मेम्फिस में कार चोरी के आरोप में गिरफ्तार 175 लोगों में आधे से अधिक टीनएजर हैं। वे अक्सर कुछ समय तक घूमने के बाद वाहन सड़क किनारे छोड़ देते हैं।

कोरोना काल में बढ़े चोरी के मामले

अमेरिका के शहरों में कोरोना वायरस महामारी के बीच कार चोरी की घटनाएं बढ़ी थी। क्रिमिनल जस्टिस संगठन के अनुसार 2020 और 2021 में देशभर में कुछ अपराध बढ़े थे। पिछले साल इनमें थोड़ी गिरावट आ गई। लेकिन, ये महामारी के दिनों से ज्यादा हैं। अपराध विशेषज्ञों का कहना है, महामारी की शुरुआत में वाहनों की चोरियां ज्यादा हुई क्योंकि लोग घरों के अंदर थे। दिन के समय कारें ऑफिस के पास सुरक्षित पार्किंग की बजाय सड़कों पर रहती थीं। लेकिन, चोरियों में बढ़ोतरी जारी रही। इसमें सोशल मीडिया वीडियो की भी भूमिका है। वीडियो में बताया जाता है कि किया और ह्युंडई कारें कैसे चुराई जाएं।

अमेरिका में दोनों दक्षिण कोरियाई कारों की लोकप्रियता बढ़ी है। पिछले साल अमेरिका में कुल वाहन बिक्री में इनकी हिस्सेदारी दस प्रतिशत रही। कंपनियों ने अभी हाल में बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने नए मॉडलों को आसानी से चोरी किए जाने की समस्या का हल कर लिया है। 45 लाख किया और 38 लाख ह्युंडई कारों में सॉफ्टवेयर अपग्रेड किए हैं।

स्मार्टफोन की दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स जरुरी

वॉशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। स्मार्टफोन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में लोग इसकी लत से बचने के लिए डिजिटल डिटॉक्स पर जाते हैं। इसमें निश्चित समय के लिए लोग मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बना लेते हैं, पर एक्सपर्ट के मुताबिक डिजिटल डिटॉक्स के जरिए इस लत को काबू करना आसान नहीं। इससे छुटकारा पाने के लिए कुछ और तरीके निकालने होंगे। मार्क बेनिऑफ सेल्सफोर्स चीफ एग्जीक्यूटिव 10 दिन के डिजिटल डिटॉक्स(डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाना) पर गए। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा, हमें स्मार्ट डिवाइस की लत लग चुकी है। इसे छोड़ने पर वे बेहतर महसूस कर रहे हैं। किताब 'द शालोस' के लेखक निकोल कैर मानते हैं कि डिजिटल डिटॉक्स नशे की लत छुड़ाने जैसा है। खुद को डिजिटल डिवाइस से दूर रखने से जुड़े विषयों पर लिखने वाले सूजंग-किम पैंग कहते हैं, फोन से कुछ दिनों के लिए दूरी बनाना काफी नहीं है। परेशानी उससे बड़ी है, क्योंकि 10 दिनों तक डिवाइस से दूर रहने के बाद 11वें दिन उन्हीं के बीच लौट जाओगे।

भारत अगर कर सकता है तो हम क्यों नहीं

पाकिस्तानी नेता बोले- तरक्की के लिए जनसंख्या नियंत्रण जरूरी

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। जिसके चलते पाकिस्तान में बहस शुरू हो गई है कि उनसे कहां गलती हुई कि आज भारत इतना आगे निकल गया है और वह तबाही के मुहाने पर आ गए हैं। अब पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री ने बड़ी बात कही है। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपनी जनसंख्या नियंत्रित करने की जरूरत है, साथ ही शिक्षा व्यवस्था को भी बेहतर करने की जरूरत है। आइए जानते हैं कि क्या बोले पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री-

जनसंख्या दर नियंत्रित करने की जरूरत

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने 'पाकिस्तान की पुनर्कल्पना' सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत, बांग्लादेश और कई अन्य इस्लामिक देशों में जन्म दर पाकिस्तान के मुकाबले काफी कम है। पाकिस्तान में हर साल करीब 55 लाख बच्चे पैदा होते हैं और पाकिस्तान में जन्मदर दुनिया में सबसे ज्यादा है। मिफ्ताह इस्माइल ने कहा कि अगर पाकिस्तान की जन्म दर बीते दस सालों में बांग्लादेश के बराबर होती तो पाकिस्तान की प्रति व्यक्ति जीडीपी 10 प्रतिशत ज्यादा होती। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के चलते ही पाकिस्तान मानव विकास सूचकांक में निचले पायदान पर है। यहां तक की अफ्रीकी देशों से भी नीचे है। पाकिस्तान को सतत और तेज विकास के लिए जनसंख्या पर नियंत्रण करना ही होगा।

शिक्षा पर फोकस

पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री ने देश के विकास के लिए शिक्षा पर फोकस करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में 50 प्रतिशत बच्चे स्कूलों में नहीं पढ़ते। पाकिस्तान में 44 प्रतिशत बच्चे ही हाईस्कूल में दाखिला लेते हैं जबकि भारत में यह आंकड़ा 85 प्रतिशत है। भारत की आईआईटी संस्थानों का दुनिया लोहा मानती है। अब पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने भी माना है कि भारत के आईआईटी संस्थान दुनिया के टॉप संस्थानों में शामिल हैं और इनसे पढ़े लोग आज दुनिया की टॉप कंपनियों में सीईओ हैं।

मिफ्ताह इस्माइल ने कहा कि भारत में जहां तमाम बेहतरीन यूनिवर्सिटीज खुल रही हैं, वहीं पाकिस्तान के औसत युवा तीन महीने का डिप्लोमा कर रहे हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि शिक्षा के स्तर को सुधारे बिना पाकिस्तान तरक्की नहीं कर सकता।

महिला सशक्तिकरण की जरूरत

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर भी जोर दिया। बांग्लादेश के निर्यात में बढ़ोतरी का श्रेय उन्होंने महिला शिक्षा को दिया और कहा कि देश की 50 फीसदी जनसंख्या को नजरअंदाज करके पाकिस्तान आगे नहीं बढ़ सकता। मिफ्ताह इस्माइल ने कहा कि अगर भारत और बांग्लादेश कर सकते हैं तो हम भी अच्छे नेतृत्व के दम पर ऐसा कर सकते हैं।

ट्रंप बोले- मैं राष्ट्रपति होता तो एक दिन में खत्म हो जाता रूस-यूक्रेन युद्ध

वाशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अगर वह सत्ता में होते तो ये युद्ध एक दिन में ही खत्म करवा देते। ट्रंप ने कहा कि इसके लिए वह एक डील करवाते। जिसमें यूक्रेन के कुछ हिस्सों पर रूस का कब्जा करवा देते। इससे युद्ध नहीं होता। ट्रंप ने कहा कि ये 'सबसे खराब' स्थिति होती। ट्रंप ने कहा कि अगर वो अमेरिका के राष्ट्रपति होते तो व्लादिमीर पुतिन कभी भी आक्रमण शुरू नहीं करते।

ट्रंप एक रेडियो शो में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'मत भूलो, बुश के रहते उन्होंने जॉर्जिया पर कब्जा कर लिया। ओबामा के रहते उन्होंने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया और बाइडेन के रहते वे सब कुछ ले रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि वे सब कुछ लेने जा रहे हैं। पूरी तरह से। वे पूरे एनचिलाडा ले रहे हैं। वे सबकुछ लिए जा रहे हैं। मुझे तो यही दिखता है।'

ट्रंप ने और क्या कहा?

डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्ज बुश, बराक ओबामा और अब जो बाइडेन के कार्यकाल में रूस की ओर से यूक्रेन पर किए गए कब्जे का उदाहरण देते हुए खुद का भी जिक्र किया। बोले, इन लोगों के समय रूस ने एक-एक करके यूक्रेन को ले लिया लेकिन मेरे राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने यूक्रेन का क्या लिया? कुछ नहीं पहली बार ऐसा हुआ। लंबे समय बाद ये हुआ था। वह (राष्ट्रपति पुतिन) मुझे समझ गए थे। इसलिए उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया।

ट्रंप ने आगे कहा, 'अगर मैं राष्ट्रपति रहता तो ये युद्ध एक दिन से अधिक नहीं चलता। मैं दोनों के बीच एक सौदा कराता। मैं बातचीत कर सकता था।

भले ही ऐसा सबसे खराब स्थिति होता, लेकिन मैं यूक्रेन के कुछ ऐसे क्षेत्र पर रूस का कब्जा करवाने की डील कराता, जहां के लोग सिर्फ रूसी भाषा बोलते हैं। लेकिन अभी क्या हो रहा है? अब रूस पूरे यूक्रेन को टुकड़ों में लिए जा रहा है।'

भारत की बदौलत पढ़ पाएंगे श्रीलंका के 40 लाख बच्चे

पिछले साल दिए लोन से छपेंगी किताबें, इंडिया से ही लिया पेपर

कोलंबो, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत की मदद से आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे श्रीलंका में 40 लाख बच्चों को किताबें मिल पाएंगी। इसकी जानकारी खुद भारतीय हाई कमिशन ने दी है। दरअसल पिछली साल मार्च में इकोनॉमिक क्राइसिस से गुजर रहे श्रीलंका को भारत ने 8 हजार 196 करोड़ रुपए की क्रेडिट फैसिलिटी दी थी ।

ताकि वहां जरूरी सामान की सप्लाई जारी रहे सके। इसी क्रेडिट फैसिलिटी में से 8 करोड़ रुपए का इस्तेमाल करते हुए श्रीलंका, भारत से प्रिंटिंग पेपर और उससे जुड़ा मैटिरियल खरीदेगा। जिससे वहां के बच्चों की किताबे छपेंगी।

भारत ने अब तक श्रीलंका को दी 32 हजार करोड़ रुपए की मदद

भारत ने नेबरहूड फर्स्ट पॉलिसी के तहत कई तरह से श्रीलंका को मदद भेजी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने अब तक श्रीलंका को 32 हजार करोड़ रुपए का लोन दिया है। इसे जरूरी सामान, पेट्रोल, फर्टिलाइजर्स, रेलवे और एनर्जी से जुड़े कामों में खर्च किया गया है।

दरअसल, कुछ महीने पहले श्रीलंका दिवालिया हो गया था। इसके बाद वहां सिविल वॉर के हालात बन गए थे। इस दौर में भारत सरकार ने फूड, फ्यूल और मेडिसिन के साथ करीब 3 अरब डॉलर का फॉरेन डिपॉजिट भी अपने इस पड़ोसी को दिया था।

'श्रीलंका हमेशा भारत का शुक्रगुजार रहेगा'

तीन दिन पहले ही श्रीलंका के विदेश मंत्री ने एक पॉडकास्ट को दिए इंटरव्यू में कहा था कि मुश्किल वक्त में भारत ने उनके देश की सबसे ज्यादा मदद की है और इसके लिए श्रीलंका हमेशा भारत का शुक्रगुजार और अहसानमंद रहेगा। श्रीलंकाई फॉरेन मिनिस्टर अली साब्रे ने कहा- सच्चा दोस्त वही होता है, जो मुश्किल वक्त और खराब हालात में आपका हाथ थामे और मदद करे। भारत ने यही किया है। एक दशक के दौरान श्रीलंका की सरकारों ने जमकर कर्ज लिए, लेकिन इसका सही तरीके से इस्तेमाल करने के बजाय दुरुपयोग ही किया। 2010 के बाद से ही लगातार श्रीलंका का विदेशी कर्ज बढ़ता गया। श्रीलंका ने अपने ज्यादातर कर्ज चीन, जापान और भारत से लिए।

2018 से 2019 तक श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे रानिल विक्रमसिंघे ने हंबनटोटा पोर्ट को चीन को 99 साल की लीज पर दे दिया था। ऐसा चीन के लोन के पेमेंट के बदले किया गया था। ऐसी नीतियों ने उसके पतन की शुरुआत की।

उस पर वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलेपमेंट बैंक जैसे ऑर्गेनाइजेशन का भी पैसा बकाया है। साथ ही उसने इंटरनेशनल मार्केट से भी उधार लिया है। श्रीलंका की एक्सपोर्ट से अनुमानित आय 12 अरब डॉलर है, जबकि इम्पोर्ट से उसका खर्च करीब 22 अरब डॉलर है, यानी उसका व्यापार घाटा 10 अरब डॉलर है।

श्रीलंका जरूरत की लगभग सभी चीजें, जैसे-दवाएं, खाने के सामान और फ्यूल के लिए बुरी तरह इम्पोर्ट पर निर्भर है। ऐसे में विदेशी मुद्रा की कमी की वजह से वह ये जरूरी चीजें नहीं खरीद पा रहा है।

सोलर सिस्टम में सूर्य से पहले पानी मौजूद था

तारे की बाहरी परत पर रिसर्च से खुलासा, साइंटिस्ट बोले- तारों से ही प्लैनेट्स तक आया पानी

वॉशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। सोलर सिस्टम में सूरज से पहले पानी की मौजूदगी थी। ऐसा सौर मंडल के निर्माण को समझने में लगे साइंटिस्ट का कहना है। साइंटिस्ट कई साल से इस बात का पता लगा रहे हैं कि आखिर ब्रह्मांड (यूनिवर्स) में सबसे पहले किसका अस्तित्व था- सूर्य, पानी, धरती, आकाश या कुछ और। अब एक शोध में दावा किया गया है कि सूर्य से पहले पानी का अस्तित्व मौजूद था। अमेरिका की नेशनल रेडियो एस्ट्रोनॉमी ऑब्जर्वेट्री के साइंटिस्ट जॉन जे टॉबिन का ने कहा- हमने एक तारे की डिस्क पर रिसर्च की। इससे हमें सौर मंडल में सूर्य के निर्माण से पहले पानी की उत्पत्ति का पता चला है। इस तारे का नाम वी883 ओरीओनिस है। ये धरती से 1300 लाइट ईयर दूर है। हमें इसके चारों ओर बनी डिस्क से पता लगा कि यहां पानी गैस के रूप में मौजूद था।

तारे की डिस्क पर हुई रिसर्च

जॉन जे टॉबिन ने कहा- जब गैस और डस्ट से बना बादल फटता है तो एक तारा बनता है। इस तारे के चारों ओर इसी बादल की डिस्क भी बनती है। वी 883 ओरीओनिस की डिस्क में हमें जो पानी मिला है उसमें कुछ कैमिकल्स हैं। इनसे पता चलता है कि पानी, तारों से प्लैनेट्स तक कैसे पहुंचा। ये इस थ्योरी का भी समर्थन करता है कि धरती पर पानी सूर्य से भी पुराना है।

पानी अलग-अलग तरह की कंडीशन में बनता है

उन्होंने कहा- तारे के चारों ओर बनी इस डिस्क में मौजूद पदार्थ हजारों साल बाद चिपक जाते हैं। ये बाद में कॉमेट, एस्ट्रोइड और प्लेनेट बन जाते हैं। हम जानते हैं कि पानी अलग-अलग तरह की कंडीशन में बनता है। इनका अनुपात अलग-अलग होता है।

उदाहरण के लिए सोलर सिस्टम के कुछ कॉमेट्स में रेशो धरती पर मौजूद पानी के समान दिखाया गया है। इससे ऐसा लगता है कि धरती पर पानी कॉमेट्स के जरिए पहुंचा। वी 883 ओरीओनिस की डिस्क में पानी की संरचना हमारे सोलर सिस्टम में मौजूद कॉमेट्स के समान ही है। इससे हम कह सकते हैं कि पानी अरबों साल पहले बना। सूर्य से भी पहले, अंतरिक्ष में बना।

झमाझम होती बारिश हो, केतली से निकलती भाप हो या सिल्ली घिसकर तैयार बर्फ का रसीला गोला। पानी के इन तीनों रूपों को कैमिस्ट्री में एच2ओ कहते हैं। एच2ओ यानी पानी का अणु। और अणु किसी भी पदार्थ यानी सब्सटेंस की इकाई है। ठीक वैसे ही जैसे कोशिकाओं से मिलकर हमारा शरीर बनता है। यानी कोशिकाएं हमारे शरीर की इकाई हैं।

नॉर्थ कोरिया ने सबमरीन से दागीं दो क्रूज मिसाइलें

प्योंगयांग, 13 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने रविवार को एक सबमरीन से दो स्ट्रैटेजिक क्रूज मिसाइलें दागीं। इसकी जानकारी सोमवार को खुद नॉर्थ कोरिया की स्टेट न्यूज एजेंसी केसीएनए ने दी है।

स्ट्रैटेजिक का इस्तेमाल उन हथियारों के लिए किया जाता है जिनमें न्यूक्लियर कैपिबिलिटी होती है। ये क्रूज मिसाइलें साउथ कोरिया और अमेरिका के जॉइंट मिलिट्री ड्रिल से एक दिन पहले फायर की गई हैं।

केसीएनए ने कहा कि मिसाइल लॉन्च कर हमने खुद को यूएस और उसकी कठपुतली साउथ कोरिया से पनप रहे खतरे से बचाया है। दोनों मिसाइलें 8.24 योंगुंग नाम की सबमरीन से दागीं गई थी। जिन्होंने 1500 किलो मीटर की दूरी तय की।

साउथ कोरिया ने बताया कि नॉर्थ कोरिया के इस टेस्ट के दौरान मिलिट्री और इंटेलिजेंस एजेंसी को हाई अलर्ट पर रखा गया था। साथ ही यूएस के साथ इन मिसाइल टेस्ट की बारीकियों की जांच की जा रही है। दरअसल, आज से ही साउथ-कोरिया और अमेरिका अपनी जॉइंट मिलिट्री ड्रिल को शुरू करने वाले हैं। जिसे पिछले 5 साल की सबसे बड़ी ड्रिल बताया जा रहा है। इस ड्रिल को 'फ्रीडम शील्ड' नाम दिया गया है। दोनों देशों ने साल 2018 में नॉर्थ कोरिया से शांति वार्ता शुरू करने के दौरान इस तरह की ड्रिल्स को बंद कर दिया था। तीन दिन पहले यानी 9 मार्च को ही नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को असली जंग के लिए मिलिट्री ड्रिल तेज करने का आदेश दिया था। इस दौरान भी 6 मिसाइलों का परीक्षण किया था।

सऊदी अरब की नई एयरलाइन्स कंपनी

रियाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने नई एयरलाइन्स कंपनी शुरू करने का ऐलान किया है। इसका नाम रियाद एयर है। सऊदी सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 2030 तक रियाद एयर तीन महाद्वीपों के 100 शहरों को कनेक्ट करेगी। सऊदी अरब सरकार क्राउन प्रिंस के विजन 2030 के तहत कई तरह के कदम उठा रही है। नई एयरलाइन शुरू करने का फैसला भी इसी कड़ी में एक कदम है। प्रिंस सलमान कह चुके हैं कि अब पेट्रो इकोनॉमी के दायरे से जल्द बाहर निकलना जरूरी है। सऊदी अरब के अखबार 'द नेशनल' के मुताबिक, प्रिंस सलमान ने दो साल पहले फैसला किया था कि देश को एक ऐसी एयरलाइन कंपनी की जरूरत है जो तीन महाद्वीपों को जोड़ सके। इसके बाद रियाद एयर लॉन्च करने का फैसला किया गया। फिलहाल, 2030 के लिए ही टारगेट सेट किया गया है। इसके मुताबिक, तीन महाद्वीपों के 100 शहरों को जोड़ा जाएगा।

एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने की तैयारी भी विजन 2030 का ही हिस्सा है। सऊदी सरकार का कहना है कि ट्रांसपोर्टेशन और ट्रेड के अलावा टूरिज्म पर फोकस जरूरी है। रियाद को गेटवे की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। रियाद एयर के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर टोनी डगलस होंगे। टोनी को एविएशन सेक्टर में 40 साल का एक्सपीरिएंस है और वो इस सेक्टर के सबसे काबिल सीईओ माने जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रियाद एयर में नेशनल और इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स और स्टाफ को अपॉइंट किया जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा- रियाद एयर वर्ल्ड क्लास एयरलाइन होगी। इससे एविएशन सेक्टर में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है।

2030 तक रोबोट करेंगे घरों के 40% काम

लंदन, 13 मार्च (एजेंसियां)। तकनीक ने दुनिया को तेजी से बदला है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से इस बदलाव की रफ्तार में और तेजी आई है। संभव है कि दशक भर में ही दुनिया इतनी बदल जाए जिसकी कल्पना करना भी अभी मुश्किल है। ब्रिटेन और जापान के 65 एआई विशेषज्ञों के इंटरव्यू के बाद तैयार की गई रिपोर्ट कहती है- इस दशक के अंत तक दुकानों पर इंसानों की जरूरत नहीं होगी। खरीदारी में खर्च होने वाले समय में 60% तक कमी हो जाएगी। एआई के जरिए दुकान-मॉल की सुरक्षा से लेकर बिलिंग, सफाई से लेकर स्टोरेज तक सारी चीजें रोबोट करेंगे। घरों के ज्यादातर काम ऑटोमेशन पर होंगे। विशेषज्ञ कहते हैं कि झाड़ू-पोछा, बर्तन धोना, खाना बनाने जैसे घरों के 39% काम रोबोट करेंगे। बच्चों और बूढ़ों की देखभाल में इस दशक के अंत तक एआई की बहुत ज्यादा मदद मिलने की उम्मीद नहीं है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एआई और सोसायटी की प्रोफेसर एकटैरिना हरटॉग कहती हैं- स्मार्ट तकनीक के इस दौर में निजता पर सबसे बड़ा सवाल पैदा हो गया है।

वीरांगनाओं को सड़कों पर लाकर बेइज्जत कर रही भाजपा

शेखावाटी महोत्सव में शामिल होने आए सीएम गहलोत बोले–यह मांग ही बेहूदा

सीकर, 13 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज सीकर में चल रहे शेखावाटी महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए लक्ष्मणगढ़ पहुंचे। यहां हेलिपैड पर मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने वीरांगनाओं की मांग को बेहूदा बताया। सीकर को संभाग बनाने की बात पर सीएम अशोक गहलोत ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अटॉर्नी जनरल मेरे पास खड़े हैं। जो पिछले 6 महीने से मुझे इस बारे में कह रहे हैं। मैंने इनसे कहा है थोड़ा इंतजार कीजिए। अभी रामलुभाया कमेटी बनी हुई है। उसकी रिपोर्ट के आधार पर निर्णय किया जाएगा। शेखावाटी के लोगों की भावना का आदर होगा।

प्रदेश में चल रहे वीरांगना मामले पर सीएम ने कहा, ऐसी राजनीति राजस्थान को देश में बदनाम करती है। भाजपा वीरंगनाओं को सड़कों पर लाकर उनकी बेइज्जती कर रही

है। कारगिल के युद्ध के वक्त जब मैं मुख्यमंत्री था उस दौरान खुद राजस्थान के सीकर, चूरू, झुंझुनू, नागौर, बाड़मेर 56 शहीदों के घर गया और उनके घरवालों को पैकेज दिया। यदि कोई वीरांगना गर्भवती थी उसके बच्चे के लिए नौकरी और शहीद के माता-पिता को भी सहायता दी। यदि सरकार उनकी मांग मान भी लेती है तो प्रदेश की सैकड़ों शहीदों की वीरांगनाएं यह मांग करेंगी। फिर सरकार क्या करेगी। सीएम ने कहा कि 4 साल ये लोग कहां थे। अभी जो मांग की जा रही है वह बेहूदा है। राजस्थान में कलाकारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान के कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ का बजट किया है। सीएम गहलोत ने कहा कि पहले राजस्थान से पहले 200 बच्चे विदेश में पढ़ने जाते थे। अब उस संख्या को बढ़ाकर 500 कर दिया गया है। जिनके विदेश आने-जाने, रहने-खाने, फीस का खर्च सरकार देगी।

कार्यक्रम में सिंगर कैलाश खेर ने तेरी दीवानी , अल्लाह के बंदे, जय जय जयकारा सहित एक दर्जन से ज्यादा गानों की प्रस्तुति दी। सीकर के दुजोद गांव के निवासी ऐसम अली खान ने भी चल छइयां छइयां गाने की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में करीब आधा घंटा रुकने के बाद सीएम अशोक गहलोत सीकर के सर्किट हाउस के लिए रवाना हुए। जिनका रात्रि विश्राम आज सर्किट हाउस में ही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की वजह से शेखवाटी महोत्सव लगातार तीसरे साल लक्ष्मणगढ़ में हो रहा है। डोटासरा ने कहा कि लक्ष्मणगढ़ की जनता की वजह से ही मैं विधायक बना, मंत्री बना। मुझे गार्जियन के रूप में सरकार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मिले। आज राजस्थान की 200 विधानसभाओं में से सबसे ज्यादा काम लक्ष्मणगढ़ में हो रहा है। डोटासरा ने मारवाड़ी अंदाज में कहा कि एक बार वापस सरकार रिपीट करवा दीजिए। लक्ष्मणगढ़ में और भी विकास होगा।

सीएम अशोक गहलोत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम देखकर ऐसा लगता है कि यह लक्ष्मणगढ़ में नही बल्कि राजधानी जयपुर के किसी स्टेडियम में हो रहा है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने की पहल पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने शिक्षा मंत्री रहते हुए शुरू की। जो इतिहास में याद की जाएगी। सीएम ने कहा कि शेखावाटी वो धरती है।

शेखावत ने वीरांगना मामले में गहलोत पर साधा निशाना

बोले- प्रायोजित रूप से वीरांगनाओं के सामने वीरांगनाओं को खड़ा किया गया

उदयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने प्रदेश में चल रहे वीरांगनाओं के मामले में एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने प्रदेश में चल रहे वीरांगनाओं के मामले में एक बार फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। वे बोले, राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से वीरांगनाओं को लेकर दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति बनी है। मुख्यमंत्री प्रायोजित रूप से कुछ वीरांगनाओं को आमंत्रित करके अपने यहां उनसे मिल सकते हैं लेकिन वे धरने पर बैठी उन तीन वीरांगनाओं को नहीं मिलने की लिए इतने कटिबद्ध क्यों थे?

उन्होंने कहा कि मैं इस विषय पर नहीं जाना चाहता कि उन्हें मांग अनुसार नौकरी दी जानी चाहिए या नहीं। लेकिन मुख्यमंत्री वीरांगनाओं के सामने वीरांगनाओं को खड़ा करके एक कुत्सित राजनीति का प्रयास कर रहे हैं। शेखावत रविवार रात उदयपुर आए थे। वे यहां 100फीट रोड स्थित ओपेरा गार्डन में उदयपुर जिला वैश्य महासम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद वे रवाना हो गए।

सीएम 2 मिनट समय नहीं दे पाए, नजरबंद करवा दिया: शेखावत

शेखावत बोले, वीरांगनाओं के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। उनके बाल पकड़कर सड़क पर घसीटा गया। मुख्यमंत्री सम्मानित महिलाओं के लिए 2 मिनट तो नहीं निकाल पाए, बल्कि उन्हें घर में नजरबंद करवा दिया। जहां उनसे कोई मिल नहीं सकता। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे हालात देखकर राजस्थान की जनता बहुत आक्रोशित है और कांग्रेस को आने वाले चुनाव में इसका परिणाम दिखेगा।

ओवैसी बोले- कन्हैयालाल को 50 लाख, जुनैद-नसीर को 15 लाख

मजहब के नाम पर जान की कीमत को बढ़ाई-घटाई नहीं जा सकती

बाड़मेर, 13 मार्च (एजेंसियां)। रविवार दोपहर करीब एक बजे बाड़मेर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर स्थित गागरिया गांव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की जनसभा हुई। ओवैसी ने कांग्रेस विधायक अमीन खान को खुला चैलेंज देते हुए कहा- आप या आपका बेटा अगली बार इस विधानसभा (शिव) से विधायक नहीं बन पाएंगे।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- पीएम मोदी के 9 साल के कार्यकाल में सबसे ज्यादा आतंक फैला है। सीएम अशोक गहलोत से सवाल पूछा कि जितेंद्र मेघवाल, कन्हैयालाल, जुनैद और नसीर सभी एक ही जान हैं। इनकी कीमत अलग-अलग नहीं हो सकती। कन्हैयालाल को 50 लाख रुपए दिए गए। बाकी तीनों को भी 50 लाख रुपए दिए जाने चाहिए थे। इन्हें 15 लाख रुपए ही क्यों दिए गए?

रविवार को बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास दोपहर करीब 1 बजे ओवैसी गागरिया गांव पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया।

ओवैसी ने कहा- इंसान-इंसान होता है। मजहब के नाम पर इंसान के जान की कीमत को बढ़ाई-घटाई नहीं जा सकती है। राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कहता हूं- यकीनन जिन्होंने कन्हैयालाल को मारा वो आतंकवादी थे। जिन्होंने जितेंद्र मेघवाल, जुनैद, और नसीर को मारा, वो भी आतंकवादी हैं। मारने वाले सब आतंकवादी हैं। इन आतंकवादियों को उखाड़कर फेंकना ही हमारी जिम्मेदारी है।

सीएम गहलोत पर तंज

ओवैसी ने कहा- सीएम अशोक गहलोत कन्हैयालाल के हत्यारों को आतंकवादी कहते हैं। जो इंसान का कत्ल करता है। वो आतंकवादी है। नाम चाहे कुछ भी हो। जुनैद व नसीर को स्कीम के तहत 15 लाख रुपए दिए जाते हैं। उनके परिवार को नौकरी नहीं दी जाती है।

ओवैसी ने गहलोत पर तंज कसते हुए कहा- कन्हैयालाल को मारने वाले आतंकवादी हैं। जुनैद व नसीर को मारने वाले आतंकवादी नहीं हैं। गहलोत अपनी सोच को बदलो। प्रदेश के सीएम हो, तुम्हारी नजर में सब बराबर होने चाहिए। इतने बड़े पद तक लोगों ने पहुंचाया। इसके बावजूद तुम छोटी सोच को क्यूं दर्शा रहे हो। जो इंसान को मारता है, उसे इंसान नहीं कहा जा सकता है। उसे शैतान, राक्षस और आतंकवादी कहना पड़ेगा।

ओवैसी ने कांग्रेस के सीनियर विधायक अमीन खान को दिया खुला चैलेंज

ओवैसी ने कांग्रेस विधायक अमीन खान (शिव विधानसभा) पर तंज कसते हुए कहा- जब समय था। तब कुछ भी काम नहीं किया। अब 6 महीने में क्या काम कर लेंगे। आज की सभा व भाषण के बाद विधायक अमीन खान गेट पर खड़े होकर बुलाएंगे कि आ जा आ जा...। आप देखना और मुझे फोटो भेजना। विधायक अमीन खान ऐसे बुलाए तब उनसे कहना हम ओवैसी की तरफ जा रहे हैं। यही आपके वोट की ताकत है। ओवैसी ने अमीन खान को खुला चैलेंज देते हुए कहा- आप या आपका बेटा अगली बार अब इस विधानसभा से विधायक नहीं बन पाएंगे।

कांग्रेस प्रभारी बोले- बीजेपी को मारो, अडाणी-अंबानी मर जाएंगे

कहा- जांच करवाओ, कहीं चुनाव लड़ने के लिए तो पुलवामा हादसा नहीं करवाया

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने जयपुर में उद्योगपति गौतम अडाणी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मोदी पर जमकर हमला बोला।

कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडाणी पर निशाना साधते हुए उनकी तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से कर दी। रंधावा ने पीएम मोदी पर कई बड़े आरोप लगाए। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कहीं चुनाव लड़ने के लिए मोदी ने पुलवामा कांड तो नहीं करवाया? वहीं, नरेंद्र मोदी को बेईमान भी कह डाला।

रंधावा ने कहा- हमारी लड़ाई अडाणी के साथ नहीं, बीजेपी के साथ है। बीजेपी को मारो। अडाणी-अंबानी साथ ही मर जाएंगे। जब कांग्रेस आए तो अडाणी-अंबानी नहीं आने चाहिए। इन्हें जेल जाना चाहिए। हमारे कई

लीडर इन्हें साथ लेकर नहीं चल पड़े। यह ध्यान रखना होगा।

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी रंधावा के मोदी पर 4 बड़े बयान

1. कहीं चुनाव लड़ने के लिए तो पुलवामा नहीं करवा दिया

मोदी कहते हैं कि पाकिस्तान को घुसकर मारेंगे। पहले यह तो बताइए, पुलवामा कैसे हो गया। इसकी जांच करवाओ। कहीं, चुनाव लड़ने को तो ऐसा नहीं करवा दिया। आज तक पुलवामा का पता नहीं चला।

2. मोदी जैसे बेईमान आदमी को देश दे दिया

आजादी की लड़ाई में जेलो में जाने वाले सब कांग्रेसी परिवार हैं। कांग्रेस परिवारों की पांच-पांच पीढ़ियां देश के लिए जेल गई हैं। अंडमान की सेल्युलर जेल में हर कांग्रेसी का खून है। मोदी कहते है कि कांग्रेस ने क्या किया है। कांग्रेस ने देश को आजाद करवाया है, तेरे जैसे बेईमान आदमी को देश दे दिया।

3. अडाणी को ईस्ट इंडिया कंपनी बनाकर लाए हैं

रंधावा ने कहा- अंग्रेज जब आए थे तो वे ईस्ट इंडिया कंपनी को व्यापार करने लाए थे। मोदीजी ने अडाणी जैसे आदमी को ईस्ट इंडिया कंपनी बनाकर लाए हैं। 200 साल ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश को लूटा, पूरे देश पर कब्जा कर लिया। यह देश का सत्यानाश करेगा। देश दोबारा गुलामी की तरफ बढ़ रहा है। देश में मोदी नहीं अडाणी तय कर रहा है कि क्या होना है?

4. बीजेपी को मार लो, अडाणी अपने आप खत्म हो जाएगा

रंधावा ने कहा- अनुशासनहीनता इतनी है कि आज अडाणी की बात कर लो, पहले यह कर लूं। जिस दिन अनुशासन आ गया तो हम अडाणी को एक दिन में देश निकाल देंगे। पहले मोदी को निकालो, मोदी निकल गया तो अडाणी अपने आप खत्म हो जाएगा। पहले बीजेपी को मार लो, अडाणी अपने आप खत्म हो जाएगा। नरेंद्र मोदी देश का बेड़ा गर्क कर रहा है, देश बेच रहा है।

लिफ्ट नहीं दी तो छोटे भाई को तलवार से काटा

खून निकलता देख घबरा गया बड़ा भाई, फंदा लगाकर सुसाइड किया

कोटा, 13 मार्च (एजेंसियां)। छोटे भाई ने लिफ्ट नहीं दी तो बडे. भाई ने उस पर तलवार से हमला कर दिया। हमले के बाद छोटे भाई के शरीर से खून निकलता देखकर घबरा गया। फिर घर से भागकर पेड़ पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना कोटा के कैथून इलाके की रविवार शाम की है।

पुलिस ने बताया कि सुसाइड करने वाला राजकुमार (55) मोतीपुरा गांव का रहने वाला था। उसके दो भाई मुकेश (52) और मनोज (50) कोटा में रहते हैं। तीनों भाइयों की गांव में जमीन है। जमीन को लेकर तीनों के बीच विवाद चल रहा था।

बताया जा रहा है कि बंटवारे के बाद एक भाई के हिस्से 8 से 10 बीघा जमीन आई। रोजाना की तरह मनोज रविवार को जीप लेकर गांव गया था। मां कमला भी साथ थी। लौटते समय बड़े भाई राजकुमार ने मनोज से खेड़ारसूलपुर तक लिफ्ट मांगी थी।

मनोज ने लिफ्ट देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई। इसी दौरान राजकुमार ने तलवार से मनोज पर हमला कर दिया। हमले के बाद मनोज के खून निकलता देख राजकुमार घबरा गया। उसने तलवार को कुएं में फेंक दी। घर के अंदर से साड़ी लेकर निकल गया। घर से आधा किलोमीटर दूर चरण चौकी के पास पेड़ से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इधर घायल मनोज को घरवाले इलाज के लिए कैथून लाया गया।

भाई मुकेश ने बताया- 5 साल पहले उसके पिता की मौत हो गई थी। जमीन बंटवारा ठीक से नहीं हुआ था। इस कारण भाइयों में विवाद था। रात को सूचना मिली कि बड़े भाई राजकुमार ने सुसाइड कर लिया। राजकुमार के दोस्त की सूचना पर मौके पर गया था।

केजरीवाल बोले- वीरांगनाओं से बदसलूकी नहीं होनी चाहिए

वीरांगना के देवर को नौकरी देने की मांग में गलत क्या?, आप सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान सोमवार को जयपुर एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए।

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने वीरांगनाओं के मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा। कहा- मुझे बड़ा दुख है कि शहीदों की वीरांगनाओं से बदसलूकी की गई, यह नहीं होना चाहिए था। शहीदों के परिजनों को हम दिल्ली में एक करोड़ रुपए देते हैं। देवर की नौकरी की मांग पर कहा कि वीरांगना के पति ने देश के लिए शहादत दे दी, अब शहीद के परिवार से किसी को तो नौकरी देनी ही है तो इसमें गलत क्या है?

केजरीवाल सोमवार को जयपुर एयरपोर्ट के बाहर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। केजरीवाल ने कहा- आज से हम शुरुआत कर रहे हैं, आप से अब लगातार मुलाकात होती रहेगी। आम आदमी पार्टी (आप) सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसी वजह से कांग्रेस-बीजेपी डरी हुई है।

आज आप जयपुर में तिरंगा यात्रा निकालेगी। इसमें शामिल होने के लिए केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जयपुर पहुंच गए हैं। तिरंगा यात्रा जयपुर के सांगानेरी गेट से शुरू होगी। जो बापू बाजार, न्यू गेट को पार करते हुए नेहरू बाजार होकर अजमेरी गेट पहुंचेगी। इस दौरान अजमेरी गेट पर जनसभा का आयोजन भी किया गया है। इसमें आम आदमी पार्टी के नेता राजस्थान चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा कर सकते हैं।

आप से राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने कहा- राजस्थान को नंबर वन बनाने के लिए तिरंगा यात्रा एक अभियान है। इस अभियान के माध्यम से हम देश के हर कोने में एक सकारात्मक राजनीति की शुरुआत करना चाहते हैं। देश को हम अरविंद केजरीवाल जी की राजनीति से जोड़ना चाहते हैं। हम राजस्थान में अच्छे स्कूल और अस्पताल बनाने की राजनीति की शुरुआत करना चाहते हैं। इसलिए राजस्थान में आप इस बार पुरजोर तरीके से विधानसभा कि 200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

आप के राजस्थान प्रभारी विनय मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी आपस में मिले हुए हैं। जहां भी आम आदमी पार्टी से इन्हें खतरा नजर आता है, दोनों एक हो जाते हैं। राजस्थान में भी यही मिलीभगत का खेल चल रहा है। हमने बीजेपी प्रदेश मुख्यालय का घेराव करना चाहा तो यहां की कांग्रेस सरकार ने पुलिस के जरिए रुकवा दिया। इनकी यह मिलीभगत का खेल ज्यादा चलने वाला नहीं है। जनता समझ चुकी है।

वर्तमान में राजस्थान में आप की कार्यकारिणी नहीं है। संभावना है कि इस जनसभा के बाद आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष की घोषणा कर दें। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी नियुक्ति की घोषणा की जा सकती है।

लव अफेयर में जीजा-साली ने दी जान

एक साथ ट्रेन के आगे कूदे, एक साल पहले युवक की हुई थी शादी

डीग, 13 मार्च (एजेंसियां)। डीग में सोमवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे गांव बरई के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक और एक युवती का शव मिला। खेत पर काम कर रहे लोगों को रेलवे ट्रैक के पास शव पड़े दिखाई दिए। इस दौरान पास जाकर देखा तो मृतक युवक की पहचान मुकेश(23) निवासी बरई और युवती की पहचान प्रिया(18) निवासी शेरगढ़ के रूप में हुई।

गांव वालों ने दी पुलिस को खबर

इस दौरान मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को डीग कस्बे के अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि मृतक मुकेश की शादी 20 अप्रैल 2022 को गांव पानहोरी में हुई थी। युवक और युवती के बीच जीजा और साली का रिश्ता था। प्रिया मुकेश के मामा ससुर की बेटी थी। वह रविवार को सुबह प्रिया को लेने के लिए निकला था। जिसके बाद दोनों ने सुबह ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी

जानकारी के अनुसार मृतक मुकेश अलवर में पानी की टंकी बनाने की कंपनी में काम करता था। वहीं उसके पिता और बड़ा भाई खेती का काम करता है। साथ ही उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है।

अस्पताल के बाहर जुटी भीड़

पुलिस ने अनुसार मुकेश और प्रिया के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके चलते दोनों ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस फिलहाल मौत के कारणों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है। घटना के बाद से ही बरई गांव में शोक का माहौल देखने को मिल रहा है। इस दौरान अस्पताल के बाहर गांव के लोगों की भीड़ जुट गई है।

राजस्थान में ब्राह्मणों ने ईडब्ल्यूएस के लिए मांगा राजनीतिक आरक्षण

सांसद तिवाड़ी बोले- वक्फ बोर्ड की तरह हिंदू रिलिजियस एक्ट बने

दौसा, 13 मार्च (एजेंसियां)। विप्र महाकुंभ में स्थानीय निकाय और पंचायतीराज चुनावों में एससी, एसटी, ओबीसी की तरह इकोनॉमिक वीकर सेक्शन को भी राजनीतिक आरक्षण देने की मांग की गई है। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि ईडब्ल्यूएस को भी अब आरक्षण की सारी सुविधाएं मिलने चाहिए जो अन्य समाजों को मिलती है। यह एक नई लड़ाई आज दौसा के मेहंदीपुर बालाजी से शुरू हुई है। महाकुंभ में कांग्रेस-बीजेपी के ब्राह्मण नेता एक मंच पर दिखाई दिए। राज्यसभा सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि हमें स्पेशल बैकवर्ड क्लास (एसबीसी) से मतलब नहीं है। हमें तो हमारा आरक्षण अलग से चाहिए।

तिवाड़ी ने मंदिर अधिग्रहण पर कहा- राज्य सरकार को मंदिरों का अधिग्रहण करने का कोई अधिकार नहीं है। पुजारी केवल ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि गुर्जर और राजपूत

समेत अन्य समाजों के भी लोग हैं।

हमारी यह मांग केवल ब्राह्मण पुजारियों के लिए नहीं है। पूरे हिंदू समाज के लिए है। उन्होंने नाम लिए बगैर कहा कि यदि किसी के लिए वक्फ बोर्ड अलग से हो सकता है, तो हिंदू रिलिजियस एक्ट भी बनना चाहिए। सारे देवस्थान हिंदू समाज के कब्जे में रहने चाहिए। राज्यसभा सांसद ने कहा कि जब आरक्षण आंदोलन हमने शुरू किया था, उस वक्त यहां मंच पर बैठे सभी लोग साथ थे। सीकर से हमने आंदोलन शुरू किया था। मैं कह देना चाहता हूं कि हम किसी अन्य समाज के आरक्षण के खिलाफ नहीं। हमको हमारे हक का आरक्षण चाहिए।

उस वक्त सामाजिक न्याय मंच की ओर से आरक्षण की बड़ी लड़ाई लड़ी जा रही थी। जिसमें मैं राजपूत, ब्राह्मण, बनियों को ओबीसी में शामिल करने की मांग कर रहा था। उस दौरान हमने सीकर के रामलीला मैदान से फॉर्मूला घोषित किया था।

अलवर यूनिवर्सिटी में छात्र नेताओं का भू-समाधि प्रदर्शन

बोले- मंत्री का बेटा टॉपर; छात्रसंघ अध्यक्ष को कर दिया था फेल

अलवर, 13 मार्च (एजेंसियां)। पैसे लेकर आंसर शीट में नंबर देते हैं। जिसे चाहे उसे फेल या पास कर देते हैं। ये सब आरटीआई की सूचनाओं में साबित भी हो गया। एमए के रिजल्ट में कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत के बेटे को टॉपर बना दिया। जो बीए ऑनर्स फर्स्ट ईयर में फेल हो गया था।

ये आरोप लगाए हैं अलवर की राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य यूनिवर्सिटी के छात्र संघ अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने। सुभाष गुर्जर ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष

सुमंत चावड़ा और पूर्व छात्र विष्णु चावड़ा के साथ सोमवार सुबह 11 बजे यूनिवर्सिटी कैंपस में 2 घंटे के लिए भू-समाधि ली। तीन फीट के गड्ढे में बैठकर छात्रों ने आधे शरीर को मिट्टी में दबा लिया और हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की।

अलवर में जेल का चौराहा से यूनिवर्सिटी रोड की ओर जाने वाले रास्ते पर राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य यूनिवर्सिटी और आर्ट्स कॉलेज के बीच की दीवार के पास 3 छात्रों के भू-समाधि प्रदर्शन में कई छात्र तख्तियां लेकर नारेबाजी करते दिखे। निर्दलीय छात्रसंघ अध्यक्ष बने सुभाष गुर्जर का आरोप है कि यूनिवर्सिटी भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल मुझे एमएससी फिजिक्स में फेल कर दिया गया था।

अमिताभ मुखर्जी ने एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमिताभ मुखर्जी, निदेशक (वित्त) ने एनएमडीसी लिमिटेड में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। एनएमडीसी लिमिटेड इस्पात मंत्रालय के तहत भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और एक नवरत्न सीपीएसई है।

वे भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1995 बैच के अधिकारी हैं। वे कोस्ट एकाउंटेंट भी हैं और उन्होंने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से वाणिज्य में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। निदेशक (वित्त) के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, एनएमडीसी ने 25,882 करोड़ रुपये के टर्नओवर, 12,981 करोड़ रुपये के कर पूर्व लाभ (पीबीटी) और वित्त वर्ष 22 में 9,398 करोड़ रुपये के कर पश्चात लाभ (पीएटी) के साथ कंपनी के इतिहास में अब तक का सबसे अच्छा वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया। उन्होंने ईआरपी (एस 4/हाना) के कार्यान्वयन का नेतृत्व किया है तथा माइन ट्रांसपोर्टेशन एंड सर्विलांस प्रणाली, फ्लीट मैनेजमेंट प्रणाली जैसी अन्य डिजिटलीकरण पहल कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में एनएमडीसी स्टील लिमिटेड से एनएमडीसी लिमिटेड का डीमर्जर समयबद्ध तरीके से पूरा हुआ और एनएसएल के शेयरों को 20.02.2023 को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया। परियोजना प्रबंधन, डिजिटल पहल और नीति निर्माण उनकी विशेषता है। उन्होंने एनएमडीसी के ऑस्ट्रेलिया प्रचालन को प्री-प्रोडक्शन स्टेज (गोल्ड) तक पहुंचाया है और आयरन ओर माइनिंग टेनेमेंट का मोनेटाइज करते हुए एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय खनन कंपनी हैनकॉक प्रॉस्पेक्टिंग के साथ एक रणनीतिक गठजोड़ को भी अंतिम रूप दिया है। एनएमडीसी में पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) में महाप्रबंधक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे। आईआरएएस में अपनी सेवा के दौरान, उन्होंने पूर्व रेलवे में महत्वपूर्ण पद पर कार्य किया। आईआरएएस में कार्यग्रहण करने से पूर्व, उन्होंने 1994-1997 तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) में कार्य किया। उन्होंने बड़े विनिर्माण उद्योग श्रेणी में वर्ष 2022 के लिए फाइनेंशियल एक्सप्रेस से "एफई सीईओ ऑफ द ईयर पुरस्कार" प्राप्त किया। सीआईआई ने उन्हें औद्योगिक विनिर्माण की सेक्टोरियल श्रेणी के तहत "वर्ष 2022 के अग्रणी सीएफओ" के रूप में मान्यता भी दी है। उन्हें भारतीय रेलवे में अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2006 के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया।

ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक सिकंदराबाद में फार्मेसी (डिस्पेंसरी) का उद्घाटन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरूमलगिरी, सिकंदराबाद में भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचेस) पॉलीक्लिनिक में एक नवनिर्मित अत्याधुनिक फार्मेसी (डिस्पेंसरी) का उद्घाटन किया गया। नई व्यवस्था के मुख्य आकर्षण विशाल बैठने की जगह, घोषणा सुविधा, पीने के पानी की सुविधा, और पार्किंग स्थान के निकट हैं। फार्मेसी का उद्घाटन पूर्व सैनिकों के साथ ब्रिगेडियर के. सोमशंकर, स्टेशन कमांडर, स्टेशन मुख्यालय सिकंदराबाद द्वारा किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल एआरके रेड्डी (सेवानिवृत्त), लेफ्टिनेंट जनरल के सुरेंद्र नाथ (सेवानिवृत्त), और सिकंदराबाद के प्रमुख वरिष्ठ पूर्व सैनिक इस अवसर पर उपस्थित थे। ब्रिगेडियर के सोमशंकर ने पूर्व सैनिकों को आश्वासन दिया कि ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक के माध्यम से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पूर्व सैनिकों को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला मंडल द्वारा प्रेरणा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस " प्रेरणा सम्मान " समारोह डी. वी. कोलोनी स्थित तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से की गई। सम्मान समारोह दो चरणों में आयोजित किया गया। मंडल संरक्षिका सुशीला जी संचेती ने "तालमेल" के तहत आयोजित एक दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन रिबन खोलकर किया। मंगलाचरण का सुन्दर संगान मंडल की बहनों द्वारा किया गया।अध्यक्ष अनीता जी गिडीया ने पधारे हुए सभी संस्थाओं के अध्यक्ष व मंडल की बहनों व स्टॉल लगाने वाली सभी बहनों का स्वागत किया। संरक्षिका सुशीला जी संचेती, विमलेश जी सिंधी, सिकंदराबाद सभा अध्यक्ष बाबूलाल जी बैद, युवक परिषद के अध्यक्ष वीरेंद्र जी घोषल, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष प्रकाश जी भंडारी , टीपीएफ प्रतिनिधि वर्षा बैद ने महिला मंडल के इस कार्यक्रम को शुभकामनाएं दी। प्रदर्शिनी में सभी तेरापंथी उधमी बहनों द्वारा 45 स्टाल लगाए गए। मुख्य वक्ता के रूप में शशि जी नाहटा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन अंजू चौड़रिया ने किया। आभार ज्ञापन मंत्री श्वेता सेठिया ने किया। संयोजिका प्रेम पारख, शकुन्तला बुच्चा, अंजू चौड़रिया ,अल्पना दुगड़, रूबी दुगड़, सुमन सेठिया डिंपल बैद, चंदन कोठारी नीरा कोठारी का बहुत अच्छा सहयोग रहा। इस अवसर पर संरक्षिका संपत सिंघी ,मुख्य परामर्शक चंद्रा सुराणा,चंदा जैन ,पूर्व अध्यक्ष रीटा सुराणा,उपाध्यक्ष सरला मेहता,कोषाध्यक्ष शांता बैद, प्रचार प्रसार मंत्री कविता अच्छा,मंजुला पटावरी,सोबाग बांठिया,विनयश्री सुराणा,सलोनी लुणावत,सुशीला मोदी,सरिता डागा,पिंकी सेठिया,हर्षलता दूधोरिया, मनीषा सिंघी,मोहिनी कोठारी,जूली बैद,मीनाक्षी सुराणा,मीनाक्षी आंचलिया,ज्योति भूतोरिया आदि की उपस्थिति रही।

संपत्ति कर संग्रह में जीएचएमसी ने 1,529.42 करोड़ रुपये कमाए

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद: इस वित्तीय वर्ष 10 मार्च तक, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने 1,529.42 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संपत्ति कर एकत्र किया है, जो इसी अवधि के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 310 करोड़ रुपये अधिक है.

प्रभावशाली संग्रह के बावजूद, जीएचएमसी ने अधिक राजस्व जुटाने के लिए वित्तीय वर्ष के बंद होने के प्रमुख के रूप में विशेष ड्राइव की योजना बनाई है। इसके तहत अधिकारियों को अंचलवार लक्ष्य दिए गए हैं और संपत्ति कर बकाएदारों की पहचान की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'नोटिस भेजने के अलावा डिफॉल्टरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू की जाएगी। तेज अभियान के साथ नगर निकाय ने 1 मार्च से 10 मार्च के बीच केवल 10 दिनों में 15.01 करोड़ रुपये का संग्रह सुनिश्चित किया है। 1 अप्रैल, 2022 से 10 मार्च, 2023 तक, 12.95 लाख से अधिक लोगों ने संपत्ति कर का कुल 1,529.42 करोड़ भुगतान किया। अधिकारी ने कहा, आने वाले 15 दिनों में हम संपत्ति कर के रूप में 400 करोड़ रुपये और जुटाना चाहते हैं। इस वित्तीय वर्ष में अब तक 30 जीएचएमसी सर्किलों से 1,529.42 करोड़ संपत्ति कर एकत्र किया गया, सबसे अधिक राजस्व सेरिलिंगमपल्ली सर्कल (206.90 करोड़ रुपये) से उत्पन्न हुआ, इसके बाद जुबली हिल्स सर्कल (154.69 करोड़ रुपये) और खैरताबाद सर्कल (122.97 करोड़ रुपये) का स्थान रहा। अधिकांश संपत्ति मालिकों ने इस वर्ष ऑनलाइन कर का भुगतान किया और कुछ ने मी सेवा केंद्रों के माध्यम से भुगतान किया। कई संपत्ति मालिकों से कर एकत्र करने वाले बिल कलेक्टरों के अलावा, कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने जीएचएमसी नागरिक सेवा केंद्रों पर जाकर भुगतान किया।

अमावास्या पर विशाल भजन जागरण कार्यक्रम 21 मार्च को

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल कलाकल स्थित या देवी श्री आईजी गौशाला कलाकल मे अमावास्या के अवसर पर एक शाम गौमाता के नाम विशाल भजन जागरण आयोजन संबंधी प्रचार सामग्री का विमोचन किया गया। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में श्री आईजी गौशाला कलाकल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में बताया कि छत्तीस कौम मारवाडी मित्र मंडल मेडचल कलाकल गौशाला द्वारा या देवी श्री आईजी गौशाला कलाकल मे मंगलवार 21 मार्च को सायं 7.30 बजे से प्रातः 4.30 बजे तक आयोजित एक शाम गौमाता के नाम विशाल भजन जागरण संबंधी प्रचार सामग्री का विमोचन गुड्स शेड रोड, मूसापेट में श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मन्दिर में महामण्डलेश्वर सतश्री मदनमोहनदासजी महाराज के पावन सानिध्य में किया गया। अवसर पर लव फोर काऊ फाण्डेशन के चेयरमैन जसमत नानजीभाई पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउण्डेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार, या देवी श्री आईजी गौशाला तारााराम चौधरी एवं विश्वमंगल गौशाला के शांतिलाल सुथार, जैन संघ के अध्यक्ष नरेश पारेख जैन, माथुर समाज महिला विभाग की पूर्व अध्यक्षा अरूणा गुप्ता तथा प्रेमाराम चौधरी, कैलाश चौधरी, मोहन पालीवाले, लालजी पटेल, हरीश पटेल ने विशेष रूप से भाग लिया। इस अवसर पर तारााराम चौधरी ने कहा कि विशाल भजन जागरण मे विश्व विख्यात कलाकार व सुप्रसिद्ध गौभक्त डॉ. ओमजी मुंडेल पधारेंगे एवं अपनीजादुई आवाज मे भजन प्रस्तुत करेंगे। उन्होने आगे कहा कि जब तक देश मे गौमाता को राष्ट्रमाता के पद पर सुशोभित करने हेतु कोई पहल नही की जाती तब तक छत्तीस कौम मारवाडी मित्र मंडल मेडचल कलाकल गौशाला द्वारा विभिन्न स्तर पर जन आंदोलन का

सीपी ने शिक्षक एमएलसी चुनावों की व्यवस्था का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त डीएस चौहान ने व्यक्तिगत रूप से एलबी नगर विक्टोरिया मेमोरियल और राचकोंडा आयुक्तालय के आसपास के क्षेत्र में मीरपेट में होने वाले तेलंगाना शिक्षक एमएलसी चुनावों की व्यवस्था का निरीक्षण किया। सरूर नगर स्टेडियम में मतगणना कक्ष और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा भी जांची गई। अधिकारियों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे चुनाव कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें और उनकी सहायता कर चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना सुनिश्चित करें। डीसीपी एलबी नगर साईं श्री, एसीपी श्रीधर रेड्डी, इंस्पेक्टर अंजी रेड्डी और अन्य अधिकारी आयुक्त के साथ थे।

राजस्थान से पधारे जाट समाज के तथा आईपीएस अधिकारी पूर्व डीजीपी डॉ. खियाराम जी चौधरी ने शिवरामपल्ली रामदेवरा दरबार में बाबा रामदेव के दर्शन किया। इस दौरान श्री चौधरी का साफा एवं शाल द्वारा सम्मान करते हुए श्यामसुंदर गिलडा, प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका तेलंगाना जाट एकता मंच , राधाशिन परिहार, रमेश परतानी , सुरेश महाराज, हुखमाराम माली, बनवारी महाराज व अन्य।

बिहार एसोसिएशन का रंगारंग होली स्नेह मिलन संपन्न

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कुतुबुल्लापुर के विश्वकर्मा मंदिर परिसर में बिहार एसोसिएशन द्वारा रंगारंग होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या मे उपस्थित होकर लोगों ने रंग गुलाल के संग एक दूसरे के साथ खुशियां बांटी। एसोसिएशन महासचिव प्रभास कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मिडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया की होली मिलन समारोह का शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं ठंडई के साथ हुआ, जिसका उपस्थित दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया। समारोह के विशेष अतिथि कुतुबुल्लापुर के विधायक विवेक गौड़ का एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिहं ने शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस मौके पर विधायक विवेक गौड़ ने कहा बिहार एसोसिएशन को अपना सहयोग देते रहेंगे। एसोसिएशन के भवन निर्माण हेतु जमीन हम उपलब्ध कराएंगे यह मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा अगले 10 दिनों के अंदर हम मुख्यमंत्री से मिलकर बिहार भवन की जमीन हेतु प्रस्ताव रखेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक, श्री शैलम गौड़ ने कहा की मैं सदैव आप लोगों के साथ सामाजिक सहयोग के लिए तैयार हूं। हर बिहार वासी को मैं अपना भाई-बहन मानता हूं। बिहार एसोसिएशन के संरक्षक अहिल्या मिश्रा ने सभी आगंतुकों को होली मिलन की बधाई दी तथा कहा की आशा करती हूं आप सभी का सहयोग इसी तरह हमारे समाज को सदैव मिलता रहे। उत्तम यादव सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उपाध्यक्ष, दिनेश सिंह, मदन सिंह एवं मनोज यादव आदि का समारोह के आयोजन में योगदान रहा।

सुलक्ष्य सेवा समिति ने सेवा का एक दशक पूरा किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बहुत से लोग जरूरतमंदों की सेवा करने का इरादा रखते हैं, लेकिन कुछ ही अपने विचारों को अमल में लाते हैं। यहां युवाओं का एक समूह है, जिन्होंने न केवल समाज के वंचित वर्गों की मदद के लिए एक मिशन शुरू किया, बल्कि परोपकारी यात्रा के एक दशक को सफलतापूर्वक पूरा किया। 2013 में समान विचारधारा वाले दोस्तों के एक समूह द्वारा शुरू किया गया, सुलक्ष सेवा समिति (एसएसएस), वारंगल ने मुख्य रूप से तत्कालीन वारंगल जिले में सामाजिक कल्याण में योगदान दिया है। समिति के लोग सरकारी स्कूलों को गोद ले रहे हैं। पुस्तकालयों की स्थापना कर रहे हैं और मेधावी व गरीब को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं। जरूरतमंद छात्रों को उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं जैसे स्कूल की वर्दी, स्टेशनरी, किताबें आदि के साथ सहायता कर रहे हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर व पौधारोपण अभियान आयोजित कर रहे हैं। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष संतोष मंडुवा ने कहा कि हम मिट्टी के गणेश वितरित कर रहे हैं। विभिन्न समकालीन मुद्दों जैसे करियर मार्गदर्शन, तनाव प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास आदि पर सेमिनार आयोजित करना, मतदान पर जागरूकता सत्र आयोजित कर रहे है। समाज ने वंचित घरों को बुनियादी जरूरतें भी प्रदान की हैं और बेघरों और गरीबों और सम्मानित गुमनाम नायकों को कंबल वितरित किया है। संतोष ने कहा, "कोविड-19 महामारी के दौरान हमारे द्वारा किए गए राहत कार्यों में इस तरह के कठिन और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान संकट में फंसे हजारों परिवारों की मदद करने के बावजूद यह जानते हुए कि घातक वायरस हमें अनुबंधित कर सकता है, हमें अत्यधिक संतुष्टि मिली है।" एनजीओ ने कोविड-19 राहत कार्यक्रमों पर लगभग 10 लाख रुपये खर्च किए। इसके अध्यक्ष संतोष की भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने सराहना की थी। समिति को 2014 और 2016 में तेलंगाना सरकार द्वारा सम्मानित किया गया था। कई संगठनों और संस्थानों द्वारा भी सम्मानित किया गया है। समिति का दशवा वार्षिक समारोह 26 मार्च को हनमकोंडा में आयोजित किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विधायकों की खरीद ...

प्राथमिकी के अनुसार, विधायक रोहित रेड्डी ने आरोप लगाया कि आरोपी ने पिछले साल अक्टूबर में उन्हें 100 करोड़ रुपये की पेशकश की और बदले में विधायक को बीआरएस छोड़ना पड़ा। यह भी आरोप लगाया गया कि उन्होंने रेड्डी से भाजपा में शामिल होने के लिए 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश करके बीआरएस के कुछ और विधायकों को लाने के लिए कहा गया। पिछले साल नवंबर में राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया था, जिसमें राज्य पुलिस अधिकारी शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट बोला ...

सीजेआई बोले- अटॉर्नी जनरल सोमवार तक एक नोट तैयार करके बताएं कि कितना भुगतान बचा है, उसका तरीका क्या है और प्रायोरिटी क्या होगी।

हम चाहते हैं कि इसे कैटेगरी में भुगतान करें 75 साल की उम्र पार कर चुके बुजुर्गों को पहले बकाया भुगतान किया जाए। इसके बाद विधवाओं को।

इस पर एजी आर वेंकटरमणी ने जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच से कहा कि 31 मार्च से पहले पहली किश्त जारी कर दी जाएगी।

सीनियर एडवोकेट हुजैफा अहमदी ने कहा कि एक्सटेंशन के लिए 4 बार आवेदन करने के बाद भी वे और ज्यादा एक्सटेंशन चाहते हैं। यह गलत है। उनके पास बाकी चीजों के लिए पर्याप्त पैसा है लेकिन पेंशनरों को देने लिए उनके पास पैसा नहीं है।

मुलायम ही नहीं ...

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मुलायम के खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी गई है, लेकिन आरोप उनके बेटों-अखिलेश और प्रतीक के खिलाफ भी हैं।

अखिलेश और प्रतीक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि सीबीआई ने प्रारंभिक जांच करने के बाद क्लोजर रिपोर्ट दायर की और कहा कि नियमित मामला दर्ज करने के लिए कोई औचित्य नहीं बनता है। चतुर्वेदी के वकील ने तर्क दिया कि उन्होंने सीवीसी के समक्ष एक आरटीआई आवेदन दायर किया था। उन्हें सूचित किया गया था कि सीबीआई ने ऐसी कोई क्लोजर रिपोर्ट दायर नहीं की थी।

सेम सेक्स मैरिज ...

एसजी मेहता ने कहा कि समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से बच्चे को गोद लेने पर सवाल उठेगा। इसलिए संसद को देखना होगा कि इससे बच्चे की मानसिक स्थिति पर क्या असर होगा। क्या कोई बच्चा मां के रूप में एक पुरुष को स्वीकार कर पाएगा। सीजेआई ने कहा कि समलैंगिक जोड़े के गोद लिए हुए बच्चे का समलैंगिक होना जरूरी नहीं है।

इससे पहले रविवार को केंद्र सरकार ने हलफनामा दाखिल कर इसका विरोध किया था। न्यूज एजेंसी के मुताबिक केंद्र ने 56 पन्नों के हलफनामे में कहा कि सेम सेक्स मैरिज भारतीय परंपरा के मुताबिक नहीं है। यह पति-पत्नी और उनसे पैदा हुए बच्चों के कॉन्सेप्ट से मेल नहीं खाती।

केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में समाज की वर्तमान स्थिति का भी जिक्र किया। केंद्र ने कहा, अभी के समय में समाज में कई तरह की शादियों या संबंधों को अपनाया जा रहा है। हमें इस पर आपत्ति नहीं है।

गंगा जमुना तहजीब कार्यक्रम 31 मार्च को

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डक्कन ब्लास्टर के सयोजक मनान खान इंजीनियर के तत्वाधान में 31 मार्च को सर्वधर्म सम्मेलन के रूप में गंगा जमुना तहजीब कार्यक्रम का आयोजन मासब टैन्क में आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष सरदार रविन्दर सिंह एवं श्री गुरु सिंघ सभा अशोक बाजार के पूर्व अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता सरदार राजेन्दर सिंह ठकराल तथा सरदार सतनाम सिंह होंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन में हिन्दु-मुस्मिल सिख, इसाई सभी धर्मो के लोगों को आमंत्रित किया गया है। सर्वधर्म सम्मेलन के मध्याम से भाईचारा एकता का संदेश देना है। डक्कन ब्लास्टर के संयोजक मनानखान इंजीनियर ने इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों से आने की अपील कि।

राज्यपाल ने आरआरआर टीम को दी बधाई

विजयवाड़ा, हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर ने प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार जीतने के लिए संगीत निर्देशक एमएम केरावनी, गीतकार चंद्र बोस, गायक राहुल सिपलीगुंज, काला भैरव, कोरियोग्राफर प्रेम रक्षित और आरआरआर फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी है। राज्यपाल अब्दुल नज़ीर ने कहा कि यह तेलुगू लोगों और पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है कि एक तेलुगू फिल्म द्वारा प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार जीता गया है और गीत दुनिया भर में एक घटना बन गया है।

निजामाबाद में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के इंदलवई मंडल के चंद्रायनपल्ली टांडा में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। पीड़ितों की पहचान बोधन मंडल के कंडालीवाड़ी गांव के निवासी के रूप में की गई है। खबरों के मुताबिक, कार में सवार चार लोग हैदराबाद से अपने गृहनगर जा रहे थे, तभी चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया, जो कंटेनर ट्रक की चपेट में आ गई। पुलिस ने शवों को निजामाबाद के सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया है और परिवार के सदस्यों को सूचित किया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

श्री परशुराम जयंती को लेकर सर्व ब्राह्मण परिषद की हुई बैठक

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सर्व ब्राह्मण परिषद् द्वारा श्री परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में सभा का आयोजन किया गया। सभा मुख्यत आगामी जयंती की व्यवस्था और शोभा यात्रा का मार्ग आदि पर सर्व सहमति से निर्णय लिया गया की आगामी 22 अप्रैल शनिवार को शोभा यात्रा का आयोजन होगा। यह शोभा यात्रा श्री परशुराम मंदिर बेगम बाजार से निकलकर श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना बरतनबाजार, कोलसावारी पारीख मंदिर समाप्त होगी। इस कार्यक्रम कार्यक्रम में संतगण एवं राजनेता मुख्य अतिथि होंगे। इस शोभा यात्रा में केरला मेलम बैड मुख्य एवं झांकिया मुख्य आकर्षण रहेगी। श्री परशुराम जयंती शोभा यात्रा में सर्व ब्राह्मण परिषद् एवम राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा आयोजित किया जायेगा। जल्द ही जल्द प्रचार सामग्री का विमोचन किया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष पवन मिश्रा, महामंत्री रामदेव नागला, वल्लव उपाध्याय लड्डू ओझा, नारायणदास शर्मा, श्रीपारी, सुधाकर शर्मा, राजकुमार, बंटी तिवारी, संदीप जसलवाल, संदीप शर्मा, गोविन्द शर्मा, अभिषेक शर्मा, विजय ओझा, रवि भट्टीप्रालु आदि उपस्तिथ थे।

अहमदाबाद टेस्ट ड्रॉ: भारत ने ऑस्ट्रेलिया से लगातार चौथी सीरीज जीती, ऐसा करने वाली पहली एशियन टीम

अहमदाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से लगातार चौथी टेस्ट सीरीज जीत ली है। 4 मुकाबलों की सीरीज का आखिरी मुकाबला ड्रॉ रहा है। ऐसे में सीरीज 2-1 से भारत के नाम रही है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया कंगारुओं से लगातार चार टेस्ट सीरीज जीतने वाली एशिया की पहली टीम बनी है। इतना ही नहीं, भारत ने लगातार छठीं बार घर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की है। इससे पहले, टीम इंडिया को 2004 में अपने घर में पराजय झेलनी पड़ी थी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 175/2 रनों पर घोषित की। फिर नतीजा न निकलता देख दोनों कप्तानों ने एक घंटे पहले ही आपसी सहमति से मैच समाप्ति की घोषणा कर दी। तब मार्नस लाबुशेन 63 और स्टीव स्मिथ 10 पर नाबाद लौटे।

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 480 रनों का मजबूत स्कोर बनाया। जवाब में भारतीय टीम ने 571 रन बनाते हुए पहली पारी में 91 रनों की बढ़त हासिल की। ऐसे में मैच के आखिरी दिन सोमवार को कंगारुओं ने 3/0 से अपनी दूसरी पारी को आगे बढ़ाया। यहां बता दें कि

भारतीय टीम पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर चुकी है।

आखिरी दिन के खेल का हाल

हेड-लाबुशेन की शतकीय साझेदारी

मैच के आखिरी दिन भारत की 91 रनों की बढ़त के जवाब में कंगारुओं ने अपनी दूसरी पारी 3/0 रनों से आगे बढ़ाई। टीम ने 175/2 पर पारी घोषित की। 14 रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद ओपनर ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने पारी को संभाला। दूसरे सेशन में हेड 90 रन बनाकर आउट हुए। हेड के आउट होने के बाद मार्नस लाबुशेन ने अर्धशतक जमाया।

दूसरी पारी में ऐसे गिरे ऑस्ट्रेलिया के विकेट

पहलाः 11वें ओवर की चौथी बॉल पर अश्विन ने मैथ्यू कुहनेमन को एलबीडब्ल्यू कर दिया।

दूसराः अक्षर पटेल ने ट्रेविस हेड को बोल्ड कर दिया।

नर्वस-90 का शिकार हुए हेड, लाबुशेन के साथ मजबूत साझेदारी की

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड (90 रन) नर्वस-90 का शिकार हुए। उन्होंने 13वां टेस्ट अर्धशतक जमाया। हेड ने लाबुशेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 292 बॉल पर 139 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को शुरुआती झटके से उबारा। टीम ने 14 रन पर पहला विकेट गंवा दिया था। हालांकि यहां नाइटवॉचमैन के रूप में उतरे मैथ्यू कुहनेमन आउट हुए।

अब आखिरी दिन के 2 रिकॉर्ड

अक्षर 12 टेस्ट में 500 रन और 50 विकेट लेने वाले 5वें खिलाड़ी अक्षर पटेल ने ट्रेविस हेड को आउट करते ही बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वे पहले 12 टेस्ट में 500 रन और 50 विकेट लेने वाले दुनिया के 5वें खिलाड़ी बने है। अक्षर ने हेड को 90 रन पर चलता किया।

कंगारुओं ने 15 बैटर खिलाए, अश्विन ने सभी के विकेट लिए अश्विन ने इस सीरीज में सबसे ज्यादा 25 विकेट लिए हैं। इस सीरीज में दो बार उन्होंने पारी में पांच विकेट भी लिए है।

भारत लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी के फाइनल में

जून में ऑस्ट्रेलिया से होगा मुकाबला; श्रीलंका की हार का फायदा मिला

पॉइंट्स टेबल

ICC WORLD TEST CHAMPIONSHIP

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	18	11	3	4	148	68.52
2	भारत	17	10	5	2	123	60.29
3	सा. अफ्रीका	15	8	6	1	100	55.56
4	श्रीलंका	11	5	5	1	64	48.48

टेबल की टॉप 2 टीमें WTC फाइनल के लिए क्वालीफाइ करती है।

खेल डेस्क, 13 मार्च (एजेंसियां)। क्राइस्टचर्च टेस्ट में न्यूजीलैंड के हाथों श्रीलंका की हार के बाद भारत WTC, यानी कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गया है। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम का सामना जून 7 से 11 जून के बीच ऑस्ट्रेलिया से होगा।

सोमवार को न्यूजीलैंड ने डब्ल्यूटीसी के एक अहम मुकाबले में श्रीलंका को 2 विकेट से हरा दिया। इसके बाद टीम इंडिया का रास्ता साफ हो गया। डब्ल्यूटीसी टूर्नामेंट के टेबल में ऑस्ट्रेलिया टॉप पर है, जबकि भारत ने दूसरे नंबर पर रहते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली, जो लंदन स्थित ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके लिए आईसीसी ने एक रिजर्व डे रखा है। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा सीजन है।

भारत ने इससे पहले 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल खेला था। तब कीवी टीम ने साउथैम्पटन में भारत को 8 विकेट से हरा दिया था।

श्रीलंका के हारने से भारत को कैसे फायदा हुआ

श्रीलंका के हारने से टीम इंडिया को फायदा हुआ है। श्रीलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट हार गया। इस वजह से पॉइंट्स टेबल में उसके 48.48% पॉइंट्स हो गए है। अब अगर श्रीलंका की टीम सीरीज 1-0 से जीतती भी है, तो उसके भारत के बराबर पॉइंट्स नहीं होंगे।

वहीं, दूसरी ओर अब अगर भारतीय टीम चौथा टेस्ट मैच भी हार भी जाती है, तो उसके 56.94% पॉइंट्स रह जाएंगे, जो कि श्रीलंका से ज्यादा होंगे।

डब्ल्यूटीसी टूर्नामेंट में भारतः अब तक 17 मैच खेले, 10 जीते

विलियमसन ने जड़ा शतक, जिताया मैच

पांचवें दिन न्यूजीलैंड को जीत के लिए 257 रन की जरूरत थी। न्यूजीलैंड ने 28/1 के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया। केन विलियमसन ने शतकीय पारी खेल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विलियमसन ने 194 गेंदों पर 121 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली।

उन्होंने इस दौरान 11 चौके और एक छक्का भी लगाया। विलियमसन के अलावा डेरिल मिचेल ने 81 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। श्रीलंका को ओर से असिथा फर्नांडो ने सबसे जयदा 3 विकेट लिए। उनके अलावा प्रभात जयसूर्या ने 2, कासुन रजिथा और लाहिरू कुमारा ने 1-1 विकेट लिए।

बांग्लादेश वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीता

दूसरे टी-20 में 4 विकेट से हराया, तीन मैच की सीरीज में 2-0 से आगे

मीरपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने रविवार को ढाका के शेर-ए- बांग्ला स्टेडियम में इंग्लैंड को तीन टी-20 मैच की सीरीज के दूसरे मैच में 4 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांगलदेश ने सीरीज पर कब्जा जमा लिया। बांग्लादेश सीरीज में 2-0 से आगे है। अब बांग्लादेश के पास इंग्लैंड के खिलाफ वाइट वॉश करने का मौका है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड 20 ओवर में 117 रन बना सकी। जवाब में बांग्लादेश ने 18.5 ओवर में 6 विकेट खो कर लक्ष्य का पीछा कर लिया। बांग्लादेश के मेहदी हसन ने 4

प्लेयर ऑफ द मैच मेहदी हसन

ओवर - 4 | रन - 12 | विकेट - 4 | इकोनॉमी - 3

विकेट लिए। वहीं, नजमुल होसैन शांतो ने नाबाद 46 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड की खराब शुरुआत

इंग्लैंड पहले बल्लेबाजी करने उतरी। फिल साल्ट और डेविड मलान ने पारी की शुरुआत की। मलान 5 रन और साल्ट 25 रन बना कर आउट हुए। मोईन अली 15, जोस बटलर 4 रन बना कर पवेलियन लौटे। पहली पारी में सबसे ज्यादा रन बेन डकेट के बल्ले से निकले। उन्होंने 25 रन बनाए। IPL सीजन 2023 में सबसे महंगे बिकने वाले खिलाडी सैम करन 16 बॉल में 12 रन ही बना सके।

बांलादेश कि ओर से मेहदी हसन ने 4 विकेट लिए। वहीं, तस्कीन अहमद, शाकिब अल हसन, मुस्तफिजुर रहमान और हसन महमूद को 1-1 विकेट मिला।

बांलादेश में नजमुल ने संभाला लक्ष्य का पीछा कर रही मेजबान टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। 56 रन पर टीम ने 3 विकेट खो दिए थे। लिटन दास और रॉनी तालुकदार 9-9 रन बना क्र आउट हुए। इसके बाद नजमुल और मेहदी हसन के बीच चौथे विकेट के लिए 41 रन की साझेदारी हुई जिससे टीम लक्ष्य के पास पहुंच गई। नजमुल ने नाबाद 46 रन बनाए और टीम को मैच जीताया।

इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। वहीं, मोईन अली, रेहान अहमद और सैम कारन को 1-1 विकेट मिला।

तीसरा टी-20 मंगलवार को

दोनों टीमों के बीच तीसरा टी-20 मंगलवार को खेला जाएगा। यह मैच भी ढाका में ही खेला जाएगा।

हरमनप्रीत की हैट्रिक की मदद से भारत जीता

प्रो हॉकी लीग में ऑस्ट्रेलिया को 5-4 से हराया

खेल डेस्क, 13 मार्च (एजेंसियां)। हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक की मदद से भारत ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया को कड़े मुकाबले में 5-4 से हरा दिया। हरमनप्रीत ने अपने तीनों गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर किए। बिरसामुंडा स्टेडियम में हरमनप्रीत ने अपने गोल 13वें, 14वें और 55वें मिनट में किए।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे ही मिनट में जोशुआ बेल्ट्ज के मैदानी गोल से अपना खाता खोल लिया था। पहले क्वार्टर के बाद भारतीय टीम 2-1 से आगे थी। जुगराज सिंह ने 17वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल कर दिया। उसके बाद सेल्वम ने 25वें मिनट में गोल कर मध्यांतर तक भारत को 4-1 से आगे कर दिया। अपने पहले मैच में शुक्रवार को विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-2 से हराने वाली भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं किया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए विलोट की मदद से 42वें मिनट में गोल कर दिया। चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने पेनाल्टी कॉर्नर पर बेन स्टेनेस और अरान जेलेवस्की की मदद से 52वें और 56वें मिनट में दो गोल किए। चौथे क्वार्टर में एक गोल हरमनप्रीत ने भी किया था जोकि उनका हैट्रिक गोल था। दोनों टीमों को दस पेनाल्टी कॉर्नर मिले जिसमें भारत ने तीन और ऑस्ट्रेलिया ने दो भुनाए। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई वो खिलाड़ी भी शामिल थे जो विश्वकप में खेले थे। ऑस्ट्रेलिया विश्वकप में चौथे स्थान पर रहा था। भारत की टीम में विश्वकप टीम के आठ खिलाड़ी नहीं थे जिसमें आकाशदीप, मनदीप और नीलकांत शर्मा शामिल थे। भारत विश्वकप में प्री क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गया था।

आईओए में ढाई सौ से अधिक मुकदमों पर खर्च हुए 4.23 करोड़, होगा दोबारा ऑडिट

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। आईओए का प्रमुख काम राष्ट्रीय खेल का आयोजन कराना, राष्ट्रीय खेल संघों और राज्य ओलंपिक संघों की आर्थिक मदद करना, ओलंपिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीमें भेजना है।

देश में खेलों की सर्वोच्च संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) खेलों से ज्यादा मुकदमेबाजियों में उलझा हुआ है। 2019-20 और 2020-21 में आईओए में कानूनी लड़ाई पर चार करोड़ 23 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि खर्च की गई है, जबकि इन दो सालों में आईओए का कुल खर्च 27.40 करोड़ रुपये रहा। अध्यक्ष पीटी उषा की अगुवाई में शनिवार को हुई आमसभा में पूर्व अध्यक्ष नरेंदर बत्रा और महासचिव राजीव मेहता के पिछले दो साल के कार्यकाल

के इस खर्च को पास कर दिया गया। हालांकि आमसभा ने इस खर्च का दोबारा ऑडिट कराने का फैसला लिया है। साथ ही इसमें गड़बड़ी निकलने पर इसकी जिम्मेदारी पुराने आईओए की होगी। वहीं आमसभा में खर्च की फॉरेंसिक ऑडिट कराने की भी मांग उठी।

केसों के जल्द निपटारे का फैसला

आईओए का प्रमुख काम राष्ट्रीय खेल का आयोजन कराना, राष्ट्रीय खेल संघों और राज्य ओलंपिक संघों की आर्थिक मदद करना, ओलंपिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीमें भेजना है, लेकिन आईओए जबरदस्त रूप से मुकदमेंबाजी में उलझी है। एक अनुमान के मुताबिक आईओए इस वक्त ढाई सौ से अधिक केस में उलझी है। 4.23 करोड़ रुपये की राशि तब खर्च की गई जब उस पर सिर्फ 74 केस चल रहे थे। आमसभा में फैसला लिया गया कि इन केसों का निपटारा जल्द से जल्द कर इनकी संख्या कम करना है।

बतौर पर्यवेक्षक बैठे मंत्रालय के अधिकारी

आमसभा में आईओए की ओर से खेल मंत्रालय के अधिकारियों को बतौर पर्यवेक्षक आमंत्रित किया गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के चार्टर के अनुसार उसके सदस्यों की कार्यप्रणाली में सरकार का हस्तक्षेप वर्जित है। अमूमन आईओए की आमसभा में बाहरी व्यक्ति नहीं शामिल होते हैं। इसमें सिर्फ उसके सदस्य ही बैठते हैं।

44 करोड़ का बजट हुआ पास

आमसभा में आईओए का 44 करोड़ रुपये का बजट पास हुआ है, जिसमें 31.40 करोड़ रुपये का खर्च है। वहीं 31 राज्य ओलंपिक संघों ने पीटी उषा को ज्ञापन दिया कि उनके वोटिंग अधिकार एक बार फिर से बहाल किए जाएं।

डब्ल्यूपीएल में मैथ्यूज के एलबीडब्ल्यू पर विवाद

रिव्यू में गलत रीप्ले दिखाया, थर्ड अंपायर ने आउट दिया फिर सही क्लिप देखकर निर्णय बदला

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)। डब्ल्यूपीएल यानी विमेंस प्रीमियर लीग में अजीबोगरीब घटना हुई। ब्रेबोर्न स्टेडियम में रविवार को मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्ज के बीच मुकाबले में लापरवाही देखने को मिली। दूसरी पारी के चौथे ओवर की पांचवी बॉल सोफी एक्लेस्टन ने फुलर लेंथ फेंकी। मैथ्यूज ने डिफेंस किया और वॉरियर्ज ने एलबीडब्ल्यू की अपील की। अंपायर ने इसे नकारा और यूपी ने रिव्यू ले लिया। रीप्ले में दिखा कि बॉल हेली के बैट से लग रही थी, बावजूद इसके एलबीडब्ल्यू चेक हुआ और मैथ्यूज को आउट करार दे दिया।

मैथ्यूज बहुत देर रुकी रहीं, और उन्होंने फिर रिव्यू लिया। फिर से दखने पर पता चला कि पहले

डीआरएस में किसी दूसरी ही बॉल का रिप्ले दिखाया था। अंपायर ने अपना फैसला पलटा और मैथ्यूज नॉटआउट रहीं। इससे पहले वह रन आउट होने से भी बचीं।

पहले रीप्ले में आउट दिया

तीसरे अंपायर के पहले रीप्ले में गेंद बल्ले से टकराने से पहले मैथ्यूज के पैर के अंगूठे पर लगती हुई दिखाई दी। हॉकआई में देखा गया कि बॉल सीधे मिडिल स्टंप में जा रही है। तीसरे अंपायर के कहने पर फील्ड अंपायर ने पाठक ने मैथ्यूज को आउट दे दिया।

मैथ्यूज मैदान में ही खड़ी रहीं

बल्लेबाज मैथ्यूज अंपायर के फैसले से चकित हो गई। उन्होंने मैदान छोड़ने से इनकार कर दिया। वह क्रीज पर ही खड़ी रही। वे इस बात को लेकर कॉन्फिडेंट थी कि पहले गेंद ने बल्ले को छुआ है। इसे देखते हुए अंपायर ने फिर रीप्ले देखा और दूसरी बार देखने पर, तीसरे अंपायर ने देखा की गेंद पहले बल्ले पर लगी। अंपायर ने फिर सही कॉल लिया और मैथ्यूज नॉट आउट रहीं।

मुंबई इंडियंस की लगातार चौथी जीत

रविवार को मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्ज को 8 विकेट से हरा दिया। मुंबई की यह टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत है, वहीं यूपी की 4 मैचों में दूसरी हार। मुंबई की साइका इशाक ने 3 विकेट लिए।

मेसी और एम्बाप्पे के कमाल से अंतिम क्षणों में जीता पीएसजी

शीर्ष स्थान पर बनाई 11 अंकों की बढ़त

खेल डेस्क, 13 मार्च (एजेंसियां)। पीएसजी ने लीग में शीर्ष स्थान पर 11 अंकों की बढ़त ले ली है। उससे पीछे मार्सेली है। एम्बाप्पे ने खेल के 90वें मिनट में लियोनल मेसी के पास पर गोलकीपर मार्को बिजोट को छकाकर विजयी गोल किया।

किलियन एम्बाप्पे के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लीग-1 में ब्रेस्ट को 2-1 से पराजित कर दिया। इस जीत के साथ पीएसजी ने लीग में शीर्ष स्थान पर 11 अंकों की बढ़त ले ली है। उससे पीछे मार्सेली है। एम्बाप्पे ने खेल के 90वें मिनट में लियोनल मेसी के पास पर गोलकीपर मार्को बिजोट को छकाकर विजयी गोल किया।

चैंपियंस लीग में बायर्न म्यूनिख के हाथों मिली हार से बाहर होने के बाद पीएसजी का यह पहला मैच था। एम्बाप्पे भाग्यशाली रहे कि उन्हें 85वें मिनट में मैदान से बाहर नहीं जाना पड़ा। उन्होंने हैरिस बाल्केब्ला के पेट में किक मारी, इस दौरान हैरिस जमीन पर गिरते हुए एम्बाप्पे के पैरों में उलझ गए थे। इसी दौरान उन्होंने हैरिस के किक जड़ दी, लेकिन रेफरी ने दोनों को पीला कार्ड दिखाया।

ब्रेस्ट के मिडफील्डर पियरे रीस मेलोउ ने मैच के बाद कहा कि वह यह नहीं कह रहे हैं कि ब्रेस्ट इस घटना के कारण मैच हारा, लेकिन वह यह जानना चाह रहे हैं कि क्या सभी खिलाडिय़ों को इस घटना पर समान तरह से लिया जाता। वह जानना चाहते हैं कि किक और किस तरह की होती है।

कोहली की सचिन से तेज 75वीं सेंचुरी : 16वीं बार 150+ स्कोर, भारत में 60+ का औसत

खेल डेस्क, 13 मार्च (एजेंसियां)। विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 364 बॉल पर 186 रन की मैराथन पारी खेली। उन्होंने बीमार होने के बाद भी 520 मिनट बैटिंग की। यह उनके टेस्ट करियर का 28वां शतक है, जो 1205 दिन बाद आया।

तीनों फॉर्मेट मिलाकर विराट के 75 इंटरनेशनल शतक हो गए हैं। उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने में सचिन तेंदुलकर से भी कम पारियां लीं। इस शतक ने और भी कई रिकॉर्ड्स तोड़े। विराट के ऐसे ही कुछ रिकॉर्ड्स को इस खबर में हम जानेंगे...

विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में सुनील गावस्कर की बराबरी कर ली है। विराट के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 शतक हो गए। उनसे ज्यादा शतक में अब सचिन तेंदुलकर ही हैं। सचिन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 टेस्ट शतक लगाए हैं। 5 शतक के साथ भारत के मौजूदा खिलाड़ियों में चेतेश्वर पुजारा पांचवें नंबर पर हैं।

तीनों फॉर्मेट मिलाकर विराट के ऑस्ट्रेलिया खिलाफ कुल 16 शतक हैं। टेस्ट के अलावा विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 वनडे शतक भी लगाए हैं। किसी एक देश के खिलाफ यह विराट के सबसे ज्यादा शतक हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 15 शतक लगाए हैं।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मैच 2020 से खेले जा रहे हैं। तब से लेकर अब तक भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके नाम 52 पारियों में 1803 रन हो गए। 36 पारियों में 1794 रन के साथ रोहित शर्मा इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

सबसे ज्यादा 150 प्लस स्कोर

तीनों फॉर्मेट मिलाकर कोहली ने 16 से ज्यादा बार 150 से ज्यादा के स्कोर बना लिए। टेस्ट में 11 बार के अलावा उन्होंने वनडे में 5 बार 150 से ज्यादा के स्कोर बनाए हैं। सबसे ज्यादा 150 प्लस के स्कोर बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में वह दूसरे नंबर पर पहुंच गए। कोहली ने वीरेंद्र सहवाग की बराबरी की। इस लिस्ट में भी 25 बार 150 प्लस स्कोर के साथ सचिन तेंदुलकर पहले नंबर पर हैं।

केटीआर ने यूएई से पांच तेलंगाना एनआरआई को रिहा करने की अपील की

आईटी मंत्री ने यूएई के राजदूत अब्दुल नासिर अल शाली से मुलाकात की

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री के टी रामा राव ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार से पांच तेलंगाना एनआरआई को रिहा करने की अपील की, जिन्हें 2005 में नेपाल के नागरिक दिल प्रसाद रॉय की मौत के मामले में दुबई में कैद किया गया है। मंत्री ने सोमवार को यहां प्रगति भवन में यूएई के राजदूत अब्दुल नासिर अल शाली से मुलाकात की और मामले का विवरण साझा किया। राजन्ना सिरसिला के निवासी शिवरात्रि मल्लेश, शिवरात्रि रवि, नामपल्ली वेंकट, दंडुगुला लक्ष्मण और शिवरात्रि हनुमंथु-दुबई में कैद है। यूएई के शरिया कानून के मुताबिक, मृतक के परिवार ने 15 लाख रुपये का मुआवजा स्वीकार करने पर सहमति जताई थी। वर्ष 2013 में, मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से नेपाल का दौरा किया था और मृतक के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि शरिया कानून के तहत दीया के प्रावधानों के अनुसार, यदि मृतक के परिवार के सदस्य धनराशि स्वीकार करते हैं और अभियुक्तों को क्षमा करने के लिए सहमति पत्र जारी करते हैं, तो पांच तेलंगाना एनआरआई को रिहा करने की गुंजाइश थी। इस आशय के लिए, 2013 में मृतक के परिवार के सदस्यों से सभी आवश्यक दस्तावेज दुबई सरकार को प्रस्तुत किए गए थे। मंत्री ने बताया कि इस मुद्दे को भारतीय दूतावास और संयुक्त अरब अमीरात दूतावास के साथ कई बार व्यक्तिगत रूप से उठाया गया था।

हालांकि, यूएई कोर्ट ने तेलंगाना एनआरआई द्वारा दायर दया याचिका को खारिज कर दिया। दुबई के राजकुमार मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम द्वारा उन्हें क्षमा प्रदान करने के बाद ही उन्हें रिहा किया जा सकता है।

यदि आवश्यक हो तो इन सभी विवरणों को भारतीय दूतावास और नेपाल दूतावास से भी जांचा जा सकता है। रामा राव ने यूएई के राजदूत से कहा, "मैं आपसे अपील करता हूं कि आप दुबई प्रिंस के साथ मेरे व्यक्तिगत अनुरोध के रूप में मामले को उठाएं, जो छूट के लिए पात्र है और सुनिश्चित करें कि वह सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।" बैठक के दौरान, यूएई के राजदूत ने हैदराबाद में किए जा रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के लिए तेलंगाना सरकार की सराहना की, जो अब अंतरराष्ट्रीय शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा था। उन्होंने विशेष रूप से तेलंगाना में मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, आईटी और आईटीईएस क्षेत्र का भी उल्लेख किया। जवाब में मंत्री ने उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसरों और राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के बारे में जानकारी दी। पहले से ही, उद्यम पूंजीपति स्टार्टअप्स के साथ काम करने और हैदराबाद में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनने के लिए आगे आए हैं। मैं आपसे यूएई स्थित उद्यम पूंजीपतियों को टी-हब से परिचित कराने की अपील करता हूं।

स्पीकर, मंत्रियों ने आरआरआर टीम को ऑस्कर पुरस्कार के लिए बधाई दी

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष पोच्चाराम श्रीनिवास रेड्डी, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी और कई मंत्रियों ने सोमवार को सर्वश्रेष्ठ मूल गीत की श्रेणी में प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार जीतने के लिए आरआरआर टीम को बधाई दी। स्पीकर पोच्चाराम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलुगु फिल्म के लिए ऑस्कर पुरस्कार जीतना एक बड़ा सम्मान है और इसका पूरा श्रेय निर्देशक एसएस राजामौली के नेतृत्व वाली फिल्म यूनिट को जाएगा। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने तेलुगु फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए आरआरआर इकाई की सराहना की और प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार जीतना पूरे देश के लिए गर्व का क्षण था। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामा राव ने कहा कि वह नातू नातू गीत और आरआरआर फिल्म के सम्मान का जश्न मनाने में एक अरब भारतीयों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने फिल्म संगीत निर्देशक एमएम कीरावनी गारू और गीतकार चंद्र बोस को इतिहास रचने की शुभकामनाएं दीं और निर्देशक एसएस राजामौली, अभिनेता राम चरण और जूनियर एनटीआर और अन्य सदस्यों को बधाई दी। इसी तरह, मंत्री श्रीनिवास गौड़, प्रशांत रेड्डी, तलसानी श्रीनिवास यादव, इंद्रकरन रेड्डी और एराबेली दयाकर राव, सांसद रविचंद्र और कई अन्य लोगों ने आरआरआर मूवी टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

'नाटू नाटू' गीत को प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार मिलने पर सीएम ने प्रसन्नता जताई

फिल्म की टीम को केसीआर ने दी बधाई

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को इस बात की खुशी है कि आरआरआर की तेलुगु फिल्म के प्रसिद्ध 'नाटू नाटू' गीत ने प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत का पुरस्कार जीता। सीएम केसीआर ने कहा कि यह सभी तेलुगु लोगों के लिए गर्व की बात है कि एक तेलुगु फिल्म ने वैश्विक फिल्म मंच पर अपनी क्षमता प्रदर्शित की और विश्व सिनेमा उद्योग में प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार जीता। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑस्कर विजेता नातू नातू गीत में प्रयुक्त शब्द तेलंगाना की संस्कृति, तेलुगु लोगों की रुचि और सार्वजनिक जीवन की विविधता को दर्शाते हैं। सीएम केसीआर ने विशेष रूप से जया शंकर भूपालपल्ली जिले के चितल मंडल के चेल्लागरिगे गांव के प्रसिद्ध गीतकार चंद्र बोस को बधाई दी, जिन्होंने नातु गीत के माध्यम से तेलुगु भाषा की सुंदरता, मधुरता और कड़वाहट को गहराई से सामने लाया। सीएम केसीआर ने संगीत निर्देशक एमएम कीरावनी, निर्देशक राजामौली, गायक राहुल सिपलीगंज और कालभैरव, अभिनेता- राम चरण, जूनियर एनटीआर, कोरियोग्राफर प्रेम रक्षित, फिल्म निर्माता डीवीवी दानय्या और अन्य तकनीकी

कर्मचारियों को बधाई दी, जो रचना में शामिल हैं। सीएम ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि तेलुगु फिल्म उद्योग में फिल्में इस तरह बनाई जा रही हैं जो प्रोडक्शन वैल्यू और तकनीक के मामले में हॉलीवुड से कमतर नहीं है। ऑस्कर अवॉर्ड जीतने के साथ ही सीएम केसीआर ने कहा कि तेलंगाना के केंद्र के रूप में हैदराबाद में दिन-ब-दिन विकसित हो रही तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री दुनिया भर में अपना परचम लहरा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुरस्कार न केवल तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए बल्कि तेलुगु और द्रविड़ भाषाओं और पूरे देश के लिए गौरव का स्रोत है। सीएम केसीआर ने खुशी जताई कि आज दुनिया भर के तेलुगू फिल्म दर्शकों के लिए त्योहार का दिन है और तेलुगू फिल्म उद्योग के विकास के लिए तेलंगाना सरकार के प्रयास रंग लाए हैं। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने याद किया कि तेलंगाना राज्य सरकार तेलुगु फिल्म उद्योग के विकास और विस्तार का समर्थन कर रही है और तेलुगू फिल्म उद्योग को विशेष प्रोत्साहन दिया गया, जिसने कोरोना काल के दौरान कठिनाइयों का सामना किया। सीएम केसीआर ने कामना की कि तेलुगु फिल्म उद्योग भविष्य में ऑस्कर पुरस्कार की भावना के साथ इसी प्रवृत्ति को जारी रखे और विविध कहानियों वाली और अधिक फिल्मों का निर्माण करे और लोगों के जीवन को दर्शाए।

दोनों तेलंगाना,आंध्र प्रदेश में एमएलसी चुनाव मतदान संपन्न

हैदराबाद, 13 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। दोनों तेलंगाना आंध्र प्रदेश राज्यों में एमएलसी चुनाव मतदान संपन्न हुवा है। इस संदर्भ में, राज्य चुनावी अधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, दोनों तेलुगु राज्यों जैसे एपी व तेलंगाना में एमएलसी चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो गया है। इस दौरान एमएलसी मतदान आज सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक हुआ। जिसमें आंध्र प्रदेश में, 3 स्नातक पदों, 2 उपाध्याय एमएलसी पदों, 4 स्थानीय निकाय पदों के लिए चुनाव हुए तथा.... तेलंगाना में 1 उपाध्याय एमएलसी पद के लिए चुनाव हुए। एमएलसी वोटों की गिनती इसी महीने 16 मार्च को होगी।

इस मामले में कडपा-अनंतपुरम-कुरनूल स्नातक एमएलसी चुनाव में शाम चार बजे तक 60.88 फीसदी मतदान दर्ज हुवा एवं. कडपा-अनंतपुर-कुरनूल उपाध्याय एमएलसी चुनाव में शाम चार बजे तक 85.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

पवन कल्याण ने की राज्यपाल अब्दुल नजीर से मुलाकात

अमरावती, 13 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। जनसेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण ने एपी राज्यपाल से मुलाकात की।

इस संदर्भ में, अधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने राजभवन में आंध्र प्रदेश राज्यपाल अब्दुल नजीर से मुलाकात की। इस दौरान पवन कल्याण की राज्यपाल से मुलाकात लगभग एक घंटे तक चली। इस मुलाकात में पवनकल्याण के साथ जनसेना पार्टी राजनीतिक मामलें समिति अध्यक्ष नादेंडला मनोहर भी मौजूद रहे। इस दौरान. पवन कल्याण ने राज्यपाल के साथ वर्तमान राजनीति सहित राज्य के हालात और ताजा मामलों पर विचार विमर्श किया। ।

जिसमें यह भी जानाकारी दी गयी कि, जनसेना पार्टी की 10वां अधिवेशन का आयोजन मछलीपट्टनम में होगा। जिसमें पवन कल्याण पहली बार वाराही वाहन से इस सभा में उपस्थित होंगे।

नोटबंदी सभी उद्देश्यों को हासिल करने में विफल : उत्तम

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने आज कहा कि भाजपा सरकार ने आखिरकार स्वीकार कर लिया है कि वह नवंबर 2016 में लागू की गई नोटबंदी के सभी उद्देश्यों को हासिल करने में विफल रही है। सोमवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा उनके द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर का जवाब देते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि करेंसी इन सर्कुलेशन से संबंधित आंकड़े और सर्कुलेशन में नोटों का मूल्य वित्त मंत्री द्वारा प्रदान किया गया स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मोदी सरकार द्वारा विमुद्रीकरण का कोई भी उद्देश्य प्राप्त नहीं किया गया था। वित्त मंत्री ने अपने लिखित उत्तर में कहा कि सरकार का मिशन कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना है ताकि काले धन के उत्पादन और प्रचलन को कम किया जा सके और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके। राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 340% (ई) दिनांक 08 नवंबर, 2016, भारत सरकार द्वारा जारी नकली मुद्रा नोटों की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए था जो बड़े पैमाने पर चलन में थे। हालांकि, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि नोटबंदी के बाद करेंसी इन सर्कुलेशन और नोट इन सर्कुलेशन का मूल्य लगभग दोगुना हो गया है।

विमुद्रीकरण को चलन में नकदी को कम करके काले धन को कम करना था। हालांकि, विमुद्रीकरण के बाद, प्रचलन में नकदी तेजी से बढ़ी है। यहां तक कि अर्थव्यवस्था के आकार के सापेक्ष, यानी नकदी का सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 8.7 से बढ़ गया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा आज उपलब्ध कराए गए आंकड़ों ने साबित कर दिया है कि नोटबंदी एक गलत सोच और खराब तरीके से लागू किया गया कदम था, जिसके गंभीर आर्थिक परिणाम थे।

मोदिकुंतवगु, सीताम्मा सागर को पर्यावरण मंजूरी नहीं मिली: बिश्वेश्वर टुडू

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि मोदीकुंटावगु सिंचाई परियोजना और सीताम्मा सागर बहुउद्देशीय परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी नहीं दी गई है, जबकि पलामुरु रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को वन मंजूरी और शर्तें दी गई हैं। भाजपा सदस्य के लक्ष्मण द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, टुडू ने कहा कि मोदिकुंटावगु सिंचाई परियोजना को अब तक पर्यावरण और वन मंजूरी प्रदान नहीं की गई थी, जबकि सीताम्मा सागर को चरण -1 वन मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि पलामुरु रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को वन मंजूरी प्रदान की गई है और सम्मक्का सागर परियोजना (रामप्पा-पाखल लिंक सहित) को पर्यावरण और वन मंजूरी दोनों प्रदान की गई है। पिछली जुलाई में आई बाढ़ के कारण कालेश्वरम परियोजना की मोटरों और फसलों को हुए नुकसान के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि केंद्रीय जल आयोग और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड के अधिकारियों की एक टीम ने पिछले साल जुलाई में इस परियोजना का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि वित्तीय दृष्टि से नुकसान का टीम द्वारा आकलन नहीं किया गया है, लेकिन दौरे के दौरान परियोजना के बुनियादी ढांचे के कुछ हिस्सों को नुकसान देखा गया।

गांधी अस्पताल में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के गांधी अस्पताल में रविवार रात एक 23 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की पहचान मेट्टुगुडा निवासी साई के रूप में हुई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा था। रविवार रात उसने अस्पताल की सातवीं मंजिल पर जाकर फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस युवक द्वारा इतना बड़ा कदम उठाने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

जगन ने ऑस्कर मिलने पर कीरावनी टीम की तारीफ की

अमरावती, हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने संगीत निर्देशक एमएम कीरावनी, राजामौली और टीम को मूल गीत श्रेणी 'नातू नातू' के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार जीतने के लिए बधाई दी है, जिसने संगीत प्रेमियों के पैर थिरकने पर मजबूर कर दिया। चंद्र बोस द्वारा लिखित और राहुल सिपलिगंज और काल भैरव द्वारा गाया गया गीत, प्रभाव, गति, ताल और गहराई के साथ विभिन्न शैलियों की धारणाओं को बढ़ाता था और इतिहास रचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेलुगू कौशल को झकझोरता था। उन्होंने वैश्विक दर्शकों के कानों तक संगीत के साथ ऑस्कर राग अलापने के लिए पूरी यूनिट को शुभकामनाएं दीं। यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा के केक की तरह है जिसने हाल ही में अपना शताब्दी समारोह मनाया।

अहोबिला मठ के 46वें जीयर ने तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना

तिरुमाला, हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अहोबिला मठ के 46वें जीयर एचएच श्री श्री रंगनाथ यतींद्र महादेशिकन ने सोमवार सुबह तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। मंदिर के पारंपरिक सम्मान (पेद्दा मर्यादा) के अनुसार पुराने अन्नप्रसादम परिसर के पास स्थित पवित्र अंजीर के पेड़ पर उनका स्वागत किया गया। बाद में मंदिर के डिप्टी ईओ रमेश ने द्रष्टा का स्वागत किया, जबकि अर्चकों ने संत को इस्तिकपाल सम्मान के साथ बेदी अंजनेय स्वामी मंदिर ले गए। मंदिर पेशकर श्रीहरि, एईओ रवि, परपथ्यादार थुलसी प्रसाद सहित अन्य मौजूद रहे।

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने तेलंगाना सरकार के निमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी

बुद्धवनम परियोजना सलाहकार ने दलाई लामा को 'तेलंगाना के बौद्ध पुरातत्व' नामक पुस्तक दी

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने तेलंगाना सरकार के निमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि वह नागार्जुन सागर में बुद्धवनम जाने की कोशिश करेंगे। बुद्धवनम के विशेष अधिकारी मल्लेपल्ली लक्ष्मैया ने सोमवार को धर्मशाला में दलाई लामा से उनके कार्यालय में मुलाकात की और बुद्धवनम आने का निमंत्रण दिया। जवाब में दलाई लामा ने सकारात्मक जवाब दिया और कहा, "मैं बुद्धवनम आने की कोशिश करूंगा।" बैठक के दौरान, लक्ष्मैया ने दलाई लामा को जनवरी 2006 में कालचक्र महासम्मेलन में उनके प्रवेश के दौरान बुद्धवनम में बोधगया से लाए गए पवित्र बोधि वृक्ष का एक पौधा लगाने के बारे में याद दिलाया। उन्होंने विकसित वृक्ष की छवि भी दिखाई और बुद्धवनम का स्मृति चिन्ह भेंट किया। लक्ष्मैया ने दलाई लामा को बुद्धवनम के बारे में भी जानकारी दी, जो भारत में अपने बौद्ध विरासत थीम पार्क में से पहला है, जो 274 एकड़ में विकसित हुआ है, जिसमें बुद्ध के जीवन, उनके पिछले जीवन (जातक कहानियां) को कांस्य और पत्थर में दिखाया गया है। बुद्धवनम परियोजना सलाहकार ई शिवनागिरेड्डी ने दलाई लामा को "तेलंगाना के बौद्ध पुरातत्व" नामक अपनी पुस्तक प्रस्तुत की।

बीआरएस ने राज्यसभा में पेश किया बिजनेस नोटिस स्थगित करने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने सोमवार को राज्यसभा में नियम 267 के तहत निलंबन का व्यावसायिक नोटिस दिया, जिसमें सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग पर सदन में चर्चा करने की मांग की गई। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को संबोधित पत्र में, बीआरएस सांसद केशव राव ने कहा, मैं केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग पर चर्चा करने के लिए परिषद में कार्य संचालन के नियमों के नियम 267 (व्यवसाय का निलंबन) के तहत प्रस्ताव को स्थानांतरित करने की इच्छा रखता हूं। केशव राव ने पत्र में आगे कहा, 'इसलिए मैं निम्नलिखित प्रस्ताव पेश करता हूं: कि यह सदन आज के एजेंडे में सूचीबद्ध व्यवसाय से संबंधित नियमों को परिषद में कार्य संचालन के प्रासंगिक नियमों के अनुसार निलंबित करता है; और इसकी चर्चा करें।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव सहित बीआरएस नेता विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना कर रहे हैं और दिल्ली आबकारी के संबंध में उनके नेता और एमएलसी कविता से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गलती भी पाई है।

टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू ने की आरआरआर टीम की तारीफ

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायडू ने सर्वश्रेष्ठ मूल गीत श्रेणी में 'नातु नातु' गीत के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर 2023 जीतने के लिए आरआरआर की टीम को बधाई दी है। मीडिया से बात करते हुए, चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि यह भारतीय इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि नातू नातु को ऑस्कर पुरस्कार मिलते हैं और यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राजामौली ने इतिहास रचा। उन्होंने जूनियर एनटीआर, राम चरण, राजामौली, एमएम कीरावनी, चंद्रबोस, राहुल सिपलीगंज, कालभैरव, कोरियोग्राफर प्रेम रक्षित और अन्य सहित आरआरआर की पूरी टीम को बधाई और प्रशंसा की। इससे पहले, चंद्रबाबू नायडू ने अपने ट्विटर हैंडल पर आरआरआर टीम को बधाई दी। कि नातू नातु ने ऑस्कर पुरस्कार जीतकर इतिहास में अपना स्थान पक्का कर लिया। चंद्रबाबू नायडू ने ट्वीट किया, 'नातू नातु' ने ऑस्कर में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए अकादमी पुरस्कार जीतकर इतिहास में अपना स्थान पक्का कर लिया है। मेरी बधाई।"

सिद्दीपेट के बीएसएफ जवान की भोपाल में मौत

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मध्य प्रदेश में भोपाल के पास बीएसएफ कैंप में बीएसएफ के एक जवान की शनिवार रात बीमारी के चलते मौत हो गई। दुब्बका मंडल के पेड्डाचेकोडु गांव के बोंगुराम महेंद्र रेड्डी (25), श्रीनिवास रेड्डी और लता के इकलौते बेटे थे। जब श्रीनिवास एक छोटा व्यवसाय चला रहे थे, तब लता परिवार का समर्थन करने के लिए बीड़ी बनाती थीं। महेंद्र ने 2020 में राज्य में बीएसएफ भर्ती रैली में शीर्ष स्थान हासिल किया था और दो महीने के भीतर अपनी प्रशिक्षण अवधि पूरी करने के लिए तैयार थे। शव को सोमवार को पेद्दाचेकोडु गांव लाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

।। श्री गणेशाय नमः ।। ।। श्री सीता रामभ्यां नमः ।। ।। श्री हनुमते नमः ।।
हनुमान चालिसा पाठ
दिनांक : 04-04-2023, मंगलवार, रात में 8 से 10 बजे तक
नये वर्ष के उपलक्ष्य में भारत वर्ष में पहली बार
भाग्य नगर में हनुमान भक्त मंडल द्वारा श्री हनुमान चालिसा पाठ का आयोजन किया जा रहा है। एक साथ 1000 पाठ करने का विचार है। जो कि सभी धार्मिक संस्था एवं हनुमान भक्तों से निवेदन किया जा रहा है कि सापरिवार पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाने की कृपा करें।
नवेदक : पं. लालजी शुक्ला
श्रीसंकट मोचन दक्षिण मुखवीर हनुमान भक्त मंडल
स्थल :
श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर
सी.आर.नगर, कोतवालगुडा रोड, हिमायतसागर पार्क, एक्सोटिका के पास, हैदराबाद (तेलंगाना)
इस शुभ अवसर पर सभी भक्त सादर आमंत्रित है।
आयोजक :
श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान भक्त मंडल
मो. 9399946744, 9700183441
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.